English & Hindi Medium

SSC General Studies

Chapterwise, Typewise & Sub-Topicwise

Solved Papers

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित

SSC 2023-24

सामान्य अध्ययन

CGL, Junior Engineer, CHSL (10+2), CPO-SI, MTS, GD

Chaterwise, Typewise & Sub Topicwise

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

अप-टू-डेट

Computer Based Test

13900+ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

SSC की विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं के सभी 486 प्रश्न-पत्रों (All Sets) का अध्यायवार संकलन

SSC GS ONLINE ALL EXAMS

सामान्य अध्ययन

(General Studies)

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स

CHAPTERWISE SOLVED PAPERS

प्रधान संपादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादक
अधिवक्ता अभिषेक सिंह

लेखन सहयोग
अम्बुज कुमार, आनन्द सोनी, राजकरन पटेल,
शिवाकांत वर्मा, सर्वेश कुमार, मो. अजान, शिशर शर्मा

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण एवं विनय साहू

संपादकीय कार्यालय
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने ओम साईं आफसेट, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग एवं सुझाव सादर अपेक्षित है।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 695/-

विषय-सूची

- **SSC के पूर्व परीक्षा प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट 13**
- **Trend Analysis of Previous Year SSC Exams Papers Through Pie Chart and Bar Graph 14**

इतिहास (History)

- **प्राचीन इतिहास (Ancient History) 15-66**
  - पाषाण काल (Stone Age) 15
  - सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation) 16
  - वैदिक सभ्यता (Vedic Culture) 21
  - महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas) 24
  - मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh) 25
  - जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism) 27
    - जैन धर्म (Jainism) 27
    - बौद्ध धर्म (Buddhism) 28
    - शैव/वैष्णव धर्म (Shaivism/Vaishnavism) 31
  - मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire) 31
  - मौर्योत्तर साम्राज्य (Post- Mauryan Empire) 36
  - विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions) 38
  - गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire) 38
  - गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post- Gupta Empire) 41
  - दक्षिण भारतीय राजवंश (South Indian Dynasties) 42
  - सीमावर्ती राजवंश (पाल/सेन/कश्मीर/कामरूप)/Borderline Dynasties (Pala/Sena/Kashmisr/Kamroop) 45
  - राजपूत काल (Rajput Period) 46
  - अरबों का आक्रमण (Arab's Invasions) 48
  - प्राचीन भारतीय कला एवं साहित्य (Ancient Indian Art and Literature) 50
    - स्थापत्य कला (Architecture) 50
    - प्राचीनकालीन साहित्य (Ancient Period Literature) 60
    - चित्रकला (Painting) 64
  - विविध (Miscellaneous) 64
- **मध्यकालीन इतिहास (Medieval History) 67-107**
  - दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate) 67
    - गुलाम वंश (Slave Dynasty) 67
    - खिलजी वंश (Khilji Dynasty) 69
    - तुगलक वंश (Tughlaq Dynasty) 71
    - सैय्यद वंश (Sayyid Dynasty) 72
    - लोदी वंश (Lodi Dynasty) 73
    - सल्तनत कालीन प्रशासन (Administration of Sultanate Period) 73
    - सल्तनत कालीन स्थापत्य (Architecture of Sultanate Period) 74
    - सल्तनत कालीन साहित्य (Literature of Sultanate Period) 75
  - सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufism and Bhakti Movement) 76
    - सूफी आंदोलन (Sufism Movement) 76
    - भक्ति आंदोलन (Bhakti Movement) 76
  - विजयनगर साम्राज्य (Vijayanagar Empire) 78
  - बहमनी राज्य (Bahmani Kingdom) 80
  - मुगल साम्राज्य (Mughal Empire) 80
    - बाबर (Babur) 80
    - हुमायूँ (Humayun) 83
    - शेरशाह सूरी (Shershah Suri) 84
    - अकबर (Akbar) 85
    - जहाँगीर (Jahangir) 88
    - शाहजहाँ (Shah Jahan) 90

- औरंगजेब (Aurangzeb) 91
- मुगलकालीन प्रशासन (Mughal Administration) 92
- मध्यकालीन स्थापत्य (Medieval Architecture) 93
- मुगलकालीन चित्रकला (Mughal Painting) 100
- मुगलकालीन संगीत (Music during Mughal Period) 100
- मुगल कालीन साहित्य (Literature during Mughal Period) 101

◘ उत्तरकालीन मुगल शासक (Rulers of Later Mughal Period) 102
◘ सिक्ख धर्म (Sikhism) 103
◘ विविध (Miscellaneous) 105

■ **आधुनिक इतिहास (Modern History) 108-178**

◘ भारत में यूरोपियों का आगमन (Arrival of the Europeans in India) 108
- पुर्तगाली (Portuguese) 108
- डच (Dutch) 110
- अंग्रेज (English) 110
- फ्रांसीसी (French) 112

◘ मराठा साम्राज्य (Maratha Empire) 113
◘ स्वतंत्र राज्य (Independent Kingdoms) 115
- मैसूर (Mysore) 115
- बंगाल (Bengal) 116
- पंजाब (Punjab) 118

◘ औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था (Colonial Economy) 119
◘ आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास (Development of Education in Modern India) 121
◘ भारत में समाचार पत्रों का विकास (Development of News Papers in India) 122
◘ 1857 का विद्रोह (Revolt of 1857) 123
◘ किसान/मजदूर/जनजाति आंदोलन (Peasants/Labour/Tribal Movements) 125
◘ सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन (Social and Religious Reform Movement) 127
- ब्रह्म समाज (Brahmo Samaj) 127
- आर्य समाज (Arya Samaj) 128
- राम कृष्ण मिशन (Ram Krishna Mission) 128
- थियोसोफिकल सोसायटी (Theosophical Society) 129
- मुस्लिम सुधार आंदोलन (Muslim Reform Movements) 129
- अन्य सामाजिक आंदोलन (Other Social Movements) 130

◘ सामाजिक सुधार के लिए लाए गये अधिनियम (Acts Brought for Social Reforms) 131
◘ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress) 132
◘ बंगाल विभाजन/स्वदेशी आंदोलन (Partition of Bengal/Swadeshi Movement) 135
◘ मुस्लिम लीग (Muslim League) 136
◘ दिल्ली दरबार (Delhi Darbar) 137
◘ रॉलेट एक्ट (Rowlatt Act) 138
◘ विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement in Foreign) 138
◘ जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (Jallianwala Bagh Massacre) 139
◘ क्रांतिकारी आंदोलन (Revolutionary Movement) 140
◘ महात्मा गाँधी एवं राष्ट्रीय आंदोलन (Mahatma Gandhi and National Movements) 142
◘ अहमदाबाद मिल आंदोलन (Ahmedabad Mill Movement) 145
◘ खिलाफत आंदोलन (Khilafat Movement) 146
◘ असहयोग आंदोलन (Non Co-operation Movement) 146
◘ स्वराज पार्टी (Swaraj Party) 147
◘ साइमन कमीशन (Simon Commission) 147
◘ नमक सत्याग्रह (Salt Satyagrah) 148
◘ गोलमेज सम्मेलन/गाँधी इरविन समझौता/पूना पैक्ट (Round Table Conference/Gandhi Irvin Pact/Poona Pact) 149
◘ क्रिप्स मिशन (Cripps Mission) 151
◘ भारत छोड़ो आन्दोलन (Quit India Movement) 151
◘ आजाद हिन्द फौज/सुभाष चन्द्र बोस (Azad Hind Fauj/Subhash Chandra Bose) 152

- कैबिनेट मिशन (Cabinet Mission) 153
- एटली घोषणा (Attlee Declaration) 153
- माउण्टबेटन योजना (Mountbatten Plan) 153
- गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय (Governor/Governor- General/Viceroy) 153
- नेताओं के उपनाम और उनके कथन (Nicknames of Leaders and his Statements) 159
- पुस्तकें/पत्र–पत्रिकाएं (Books/Papers-Magazines) 161
- ब्रिटिश कालीन स्थापत्य (Architecture of British Period) 165
- विविध (Miscellaneous) 167

■ **विश्व का इतिहास (World History) 179-184**

■ **भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity) 185-285**

- संवैधानिक विकास (Constitutional Development) 185
- संविधान सभा (Constituent Assembly) 185
- संविधान के स्रोत (Sources of Constitution) 189
- संविधान के भाग एवं अनुसूचियां (Parts and Schedules of the Constitution) 192
- संविधान के प्रमुख अनुच्छेद (Major Article of the Constitution) 196
- प्रस्तावना (Preamble) 212
- नागरिकता (Citizenship) 213
- मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) 213
- मौलिक कर्त्तव्य (Fundamental Duties) 218
- राज्य के नीति निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy) 218
- राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति (President/ Vice-President) 219
- प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद (Prime Minister and Council of Ministers) 226
- राज्यसभा (Rajya Sabha) 228
- लोकसभा (Lok Sabha) 231
- संसद विविध (Parliament Miscellaneous) 237
- राज्यपाल (Governor) 240
- विधान परिषद (Legislative Council) 242
- विधान सभा (Legislative Assembly) 244
- न्यायपालिका (Judiciary) 244
- संघ एवं राज्य क्षेत्र (Union and its Territory) 249
- पंचायती राज व्यवस्था (Panchayati Raj System) 251
- निर्वाचन (Election) 253
- आयोग/समिति (Commission/Committee) 255
- आपातकाल एवं राष्ट्रपति शासन (Emergency and President's Rule) 260
- संविधान संशोधन (Constitutional Amendment) 261
- महान्यायवादी/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (Attorney General / Comptroller and Auditor General) 267
- राजनीतिक दल (Political Party) 268
- भारत के राष्ट्रीय प्रतीक (National Symbol of India) 271
- शासकीय भाषा (Official Language) 272
- विविध (Miscellaneous) 274

भूगोल (Geography)

■ **विश्व का भूगोल (World Geography) 286-345**

- ब्रह्माण्ड (Universe) 286
- सौरमण्डल (Solar System) 288
  - सूर्य (Sun) 289
  - बुध (Mercury) 290
  - शुक्र (Venus) 291
  - पृथ्वी (Earth) 292
  - मंगल (Mars) 294

- बृहस्पति (Jupiter) 295
- शनि (Saturn)....296
- अरुण, वरुण एवं यम (Uranus, Neptune and Pluto)....296
- चन्द्रमा (Moon)....298
- क्षुद्रग्रह (Asteroids) 299
- धूमकेतु (Comets)....299

◘ पृथ्वी (Earth)....299
- पृथ्वी की उत्पत्ति (Orgin of Earth) 299
- पृथ्वी का भूगर्भिक इतिहास (Geological History of Earth) 300
- अक्षांश (Latitude)....303
- देशांतर (Longitude)....304
- विषुव एवं भूमध्य रेखा (Equinox and Equator) 304
- कर्क एवं मकर रेखा (Tropic of Cancer and Capricorn) 305
- दिन-रात (Day-Night) 306
- ज्वार-भाटा (Tide-Ebb)....307

◘ चट्टान (Rock)....308
◘ भूकम्प (Earthquake) 310
◘ ज्वालामुखी (Volcano) 312
◘ भू-आकृतियाँ (Landforms) 313
◘ पर्वत/पठार/घास के मैदान (Mountain/Plateau/Grassland)....316
◘ वायुमण्डल (Atmosphere)....317
◘ वायुदाब एवं पवनें (Atmospheric Pressure/Winds)....320
◘ चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात (Cyclone & Anticyclone)....321
◘ आर्द्रता/वर्षा (Humidity/Rainfall) 322
◘ जलवायु (Climate)....324
◘ शुष्क प्रदेश एवं मरूस्थल (Dry Region and Desert)....324
◘ वन (Forest)....325
◘ महासागर (Ocean)....326
◘ महासागरीय धाराएँ (Ocean Currents)....329
◘ प्रवाल भित्ति (Coral Reef) 329
◘ महाद्वीप/द्वीप (Continent/Island) 329
◘ विश्व के प्रमुख देश/राजधानियाँ/मुद्राएँ (Major Country/Capitals/Currencies of the World) 330
◘ देशों के उपनाम (Nickname of Countries)....333
◘ अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा (International Border line)....334
◘ विश्व की नदियाँ/नदियों के किनारे स्थित महत्वपूर्ण नगर (World's Rivers/ Important Cities Situated on the Bank of Rivers)....335
◘ कृषि एवं पशुपालन (Agriculture and Animal Husbandry)....337
◘ खनिज एवं उद्योग (Minerals and Industries) 337
◘ परिवहन (Transport)....338
◘ मानचित्र रेखाएँ (Map Lines) 339
◘ जलडमरूमध्य (Straits)....340
◘ ऊर्जा संसाधन (Energy Resources)....341
◘ विविध (Miscellaneous)....342

■ **भारत का भूगोल (Geography of India) 346-426**

◘ भारत की भौगोलिक स्थिति (Geographical location of India)....346
- भारत की स्थिति एवं क्षेत्रफल (Location and Area of India) 346
- भारत के सीमावर्ती देश (Neighbouring Countries of India)....347

◘ भारत का प्राकृतिक विभाजन (Physical Division of India)....350
- पर्वत (Mountain)....350
- चोटी (Peak)....354
- पठार (Plateau)....356
- घाटी (Valley)....357
- दर्रा (Pass) 357
- भारत की तटरेखा (Coastline of India) 360

- भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश (State and Union Territories of India) 361
- झील (Lakes) 356
- जलप्रपात (Waterfalls) 369
- द्वीप (Island) 371
- भारत का अपवाह तन्त्र (India's Drainage System) 372
  - सिंधु नदी तंत्र (Indus River System) 372
  - गंगा नदी तंत्र (Ganges River System) 373
  - ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र (Brahmaputra River System) 377
  - प्रायद्वीपीय भारत की नदियाँ (Rivers of Peninsular India) 378
  - अन्य प्रमुख नदियाँ (Other Major Rivers) 384
  - नदियों के किनारे स्थित शहर (Cities Situated on Banks of River) 385
- भारत में नदी घाटी परियोजनाएँ (River Valley Projects in India) 387
- भारत की जलवायु (Climate of India) 391
- भारत की मिट्टियाँ (Soils of India) 393
- भारत की वन/वनस्पतियाँ (Forest/Vegetations of India) 399
- भारतीय कृषि/पशुपालन (Indian Agriculture/Animal Husbandry) 401
  - फसलें (Crops) 401
  - सिंचाई (Irrigation) 407
  - पशुपालन (Animal Husbandry) 408
- भारत में खनिज संसाधन/उद्योग (Mineral Resources/Industry in India) 408
  - खनिज संसाधन (Mineral Resources) 408
  - उद्योग (Industry) 411
- भारत की जनजातियाँ (Tribes of India) 412
- भारत में परिवहन (Transport in India) 413
  - स्थल परिवहन (Land Transport) 413
  - जल परिवहन (Water Transport) 415
  - वायु परिवहन (Air Transport) 418
- परमाणु एवं विद्युत ऊर्जा (Atomic & Electric Energy) 419
- प्रमुख अनुसंधान केन्द्र (Major Research Centre) 421
- भाषा (Language) 421
- पर्यटन स्थल (Tourist Spot) 422
- विविध (Miscellaneous) 423

अर्थव्यवस्था (Economy)

- **अर्थव्यवस्था (Economy) 427-528**
  - राष्ट्रीय आय एवं मापन (National Income and Measurement) 427
  - गरीबी एवं बेरोजगारी (Poverty and Unemployment) 432
  - माँग एवं माँग की लोच (Demand and Elasticity of Demand) 434
  - आर्थिक विकास एवं आर्थिक क्षेत्रक (Economic Development and Economic Sector) 448
  - करारोपण (Taxation) 451
  - मुद्रा एवं बैंकिंग (Currency and Banking) 455
  - मुद्रास्फीति (Inflation) 470
  - पूँजी बाजार (Capital Market) 473
  - भुगतान–संतुलन (Balance of Payments) 487
  - भारत में नियोजन (Planning in India) 489
  - जनसंख्या एवं नगरीकरण (Population and Urbanization) 504
  - प्रमुख संगठन (Major Organization) 510
  - रिपोर्ट एवं सूचकांक (Report and Index) 511
  - अर्थशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत (Major Principles of Economics) 513
  - लोक वित्त (Public Finance) 517
  - विविध (Miscellaneous) 523

सामान्य विज्ञान (General Science)

■ **भौतिक विज्ञान (Physics) 529-600**

- मात्रक/मापन/मापक यंत्र (Unit/ Measurement/Measuring Instrument) 529
  - मात्रक (Unit) 529
  - मापन (Measurement) 534
  - मापक यंत्र (Measuring Instrument) 535
  - भौतिक राशियाँ (Physical Quantities) 540
- यांत्रिकी (Mechanics) 540
  - कार्य (Work) 540
  - शक्ति (Power) 541
  - ऊर्जा (Energy) 541
  - द्रव्यमान (Mass) 542
  - न्यूटन के गति के नियम (Newton's Law of Motion) 542
  - बल (Force) 544
  - रैखिक संवेग/आवेग (Linear Momentum/Impulse) 544
  - दूरी और विस्थापन (Distance and Displacement) 545
  - चाल/वेग (Speed/Velocity) 545
  - प्रक्षेप्य गति (Projectile Motion) 545
  - त्वरण (Acceleration) 546
  - रेखीय गति के समीकरण (Equation of Linear Motion) 547
  - घर्षण (Friction) 547
  - सरल आवर्त गति/घूर्णन गति (Simple Harmonic Motion/ Rotational Motion) 548
- गुरुत्वाकर्षण (Gravitation) 550
  - न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण नियम (Newton's Gravitational Law) 550
  - गुरुत्व और गुरुत्व के अधीन गति (Gravity and motion under gravity) 550
  - उपग्रहों की गति/पलायन वेग (Satellite Motion /Escape Velocity) 552
- पदार्थ के गुण (Properties of Matter) 553
  - प्रत्यास्थता (Elasticity) 553
  - पृष्ठ तनाव/केशिकत्व/श्यानता (Surface Tension/Capillarity/Viscosity) 553
  - द्रवों का प्रवाह (Flow of Liquids) 554
  - उत्प्लावकता और आर्किमिडीज का सिद्धान्त (Buoyancy and Archimedes' Principle) 554
  - दाब (Pressure) 555
  - घनत्व (Density) 555
  - अणुगति सिद्धांत (Kinetic Theory) 556
- ऊष्मा (Heat) 556
  - ताप तथा ताप-मापन (Temperature & Measurement of Temperature) 556
  - ऊष्मीय ऊर्जा/ऊष्मा चालन/विकिरण (Thermal Energy/Thermal Conduction/Radiation) 558
  - ऊष्मीय प्रसार (Thermal Expansion) 558
  - संवहन (Convection) 558
  - सुचालक/कुचालक/ऊष्मारोधी (Conductor/Non-conductor/Insulator) 559
  - ऊष्मागतिकी (Thermodynamics) 559
- तरंग (Wave) 560
- ध्वनि (Sound) 563
  - ध्वनि तरंगों की प्रकृति (Nature of Sound Waves) 563
  - ध्वनि तरंगों की आवृत्ति परिसर (Frequency Range of Sound Waves) 563
  - ध्वनि की चाल (Speed of Sound) 564
  - ध्वनि के अभिलक्षण (Characteristics of Sound) 564
  - प्रतिध्वनि (Echo) 565
- प्रकाश (Light) 565
  - प्रकाश की प्रकृति (Nature of Light) 565
  - प्रकाश का प्रकीर्णन (Scattering of Light) 566
  - प्रकाश का परावर्तन (Reflection of Light) 566
  - प्रकाश का अपवर्तन (Refraction of Light) 570
  - प्रकाश का पूर्ण आन्तरिक परावर्तन (Total Internal Reflection of Light) 570
  - लेंस (उत्तल/अवतल) [Lens (Convex/Concave)] 571
  - मानव नेत्र (Human Eye) 572
  - प्रकाशिक यंत्र (Optical Instruments) 573
  - प्रकाश का वर्णविक्षेपण/इन्द्रधनुष (Dispersion of Light/Rainbow) 573

- विद्युत (Electricity) 573
  - विद्युत आवेश (Electric Charge) 573
  - कूलॉम का नियम (Coulomb's Law) 574
  - विद्युत परिपथ (Electric Circuit) 574
  - विद्युत धारा (Electric Current) 576
  - विद्युत चालकता/ओम का नियम (Electric Conductivity/ Ohm's Law) 576
  - प्रतिरोध (Resistance) 578
  - विद्युत शक्ति/ऊर्जा (Electric Power/Energy) 579
  - विद्युत यंत्र (Electric Instruments) 579
  - ट्रांसफॉर्मर (Transformer) 580
  - विद्युत बल्ब (Electric Bulb) 580
  - विद्युत सेल (Electric Cell) 581
- चुम्बकत्व (Magnetism) 581
- इलेक्ट्रॉनिक्स (Electronics) 584
- आधुनिक भौतिकी (Modern Physics) 585
- नाभिकीय भौतिकी (Nuclear Physics) 586
- आविष्कार (Invention) 587
- विविध (Miscellaneous) 594

रसायन विज्ञान (Chemistry) 601-680

- रसायन विज्ञान : एक परिचय (Chemistry : An Introduction) 601
  - पदार्थों का वर्गीकरण (Classification of Matters) 601
  - भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन (Physical and Chemical Changes) 601
  - डाल्टन का परमाणु सिद्धान्त (Dalton's Atomic Theory) 602
  - अणु/परमाणु भार (Molecule/Atomic Weight) 602
  - मोल संकल्पना/एवोगैड्रो संख्या (Mole Concept/Avogadro Number) 603
  - धातु, अधातु और उपधातु (Metal, Non-metal & Metalloids) 603
  - मिश्रण एवं मिश्रण को अलग करने की प्रमुख विधियाँ (Mixture and Methods of Separating the Mixture) 604
  - पदार्थ का अवस्था परिवर्तन (Change in State of Matter) 605
  - विलयन (Solution) 605
- परमाणु संरचना (Atomic Structure) 606
  - परमाणु और उसके मूल घटक (Atom and their fundamental components) 606
  - क्वांटम संख्या (Quantum Numbers) 608
  - इलेक्ट्रॉनिक विन्यास (Electronic Configuration) 608
- परमाणु नाभिक (Atomic Nucleus) 609
  - परमाणु क्रमांक एवं द्रव्यमान संख्या (Atomic Number and Mass Number) 609
  - समस्थानिक (Isotopes) 609
  - समभारिक (Isobars) 611
- गैसीय नियम (Gaseous Law) 611
- रेडियोएक्टिवता एवं नाभिकीय ऊर्जा (Radioactivity and Nuclear energy) 611
- संयोजकता/रासायनिक बंधन (Valency/Chemical Bonding) 612
- ऑक्सीकरण और अपचयन (Oxidation and Reduction) 614
- वैद्युत अपघटन/वैद्युत रासायनिक श्रेणी (Electrolysis & Electro/Chemical Series) 616
- अम्ल, क्षार एवं लवण (Acid, Base and Salt) 617
  - अम्ल (Acid) 617
  - क्षार (Base) 619
  - लवण (Salt) 619
  - pH मान (pH Value) 619
- तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण (Periodic Classification of Elements) 620
- तत्वों के आवर्ती गुण (Periodic Properties of Elements) 628
- अधातुएँ एवं अधात्विक यौगिक/अनुप्रयोग (Non-metals & Non-metallic Compounds/Applications) 630
  - हाइड्रोजन (Hydrogen) 630
  - ऑक्सीजन (Oxygen) 632
  - नाइट्रोजन (Nitrogen) 632
  - फास्फोरस (Phosphorous) 634
  - हैलोजन (Halogen) 634

- निष्क्रिय गैसें (Inert Gases) 635
- सल्फर (Sulphur) 636
- कार्बन (Carbon) 637

◘ धातुएं/धात्विक यौगिक एवं उनके अनुप्रयोग (Metals/Metallic Compound and their Applications) 639
- सोडियम (Sodium) 639
- कैल्शियम (Calcium) 641
- एल्युमीनियम (Aluminium) 643
- सिल्वर (Silver) 643
- सोना (Gold) 644
- पोटैशियम (Potassium) 644
- आयरन (Iron) 644
- मैग्नीशियम (Magnesium) 644
- सीसा (Lead) 645
- पारा (Mercury) 645
- कॉपर/जिंक/टिन (Copper/ Zinc/Tin) 645
- अन्य धातुएँ (Other Metals) 646

◘ ईंधन (Fuel) 647
◘ मिश्रधातु (Alloy) 650
◘ अयस्क एवं धातुकर्म (Ores and Metallurgy) 651
◘ बहुलक (Polymers) 656
◘ साबुन/डिटर्जेन्ट (Soap/ Detergents) 658
◘ काँच/सीमेंट (Glass/Cement) 659
◘ विस्फोटक पदार्थ (Explosive Material) 660
◘ कार्बनिक रसायन (Organic Chemistry) 661
- कार्बनिक यौगिकों का नामकरण (Nomenclature of Organic Compounds) 661
- हाइड्रोकार्बन (Hydrocarbons) 663
- एल्कोहॉल (Alcohol) 665
- कार्बनिक अम्ल (Carbonic Acid) 665
- फार्मेल्डिहाइड/एस्टर/एसीटोन (Formaldehyde/Esters/Acetone) 669
- अन्य कार्बनिक यौगिक (Other Carbonic Compound) 670

◘ रासायनिक अभिक्रियाएँ (Chemical Reactions) 672
◘ उर्वरक (Fertilizer) 673
◘ उत्प्रेरक (Catalyst) 674
◘ विविध (Miscellaneous) 675

■ **जीव विज्ञान (Biology) 681-808**

◘ जीव विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (Major Branches of Biology) 681
◘ कोशिका (सिद्धान्त/संरचना/कार्य) [Cell (Theories/Structures/Functions)] 685
- जन्तु कोशिका (Animal Cell) 685
- पादप कोशिका (Plant Cell) 691

◘ ऊतक (Tissues) 692
- जन्तु ऊतक (Animal Tissue) 692
- पादप ऊतक (Plant Tissue) 694

◘ जैव अणु (लिपिड/प्रोटीन/न्यूक्लिक अम्ल) [Biomolecule (Lipids/ Proteins / Nucleic Acids)] 695
- न्यूक्लिक अम्ल (आर.एन.ए./डी.एन.ए.) [Nucleic Acids (R.N.A./D.N.A.)] 695
- प्रोटीन/वसा (Protein/Fat) 697
- एंजाइम (Enzyme) 698
- कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) 698

◘ गुणसूत्र (Chromosome) 699
◘ आनुवांशिकी (Genetics) 701
◘ जैव विकास (Organic-Evolution) 702
◘ वर्गिकी (Taxonomy) 704

- वर्गीकरण समूहों की पदानुक्रमित संरचना (The Hierarchy of Classification Groups) 704
- व्हिटेकर की पंच जगत प्राणली (मोनेरा/ प्रोटिस्टा/फंजाई/प्लांटी/एनीमीलिया) [Whittaker's Five Kingdom Classification (Monera/ Protista/Fungi/Plantae/ Animalia)] 705
- द्विनाम पद्धति (Binomial Nomenclature) 707

◘ जन्तु जगत (Animal Kingdom) 707
- पोरीफेरा (Porifera) 707
- सीलेन्ट्रेटा (Coelenterata) 708
- प्लैटीहेल्मिंथीज (Platyhelminthes) 709
- एनीलिडा (Annelida) 709
- आर्थोपोडा (Arthropoda) 709
- मोलस्का (Mollusca) 711
- एकाइनोडर्मेटा (Echinodermata) 712
- कार्डेटा (Chordata) 712

◘ मानव शरीर (Human Body) 717
- पाचन तंत्र (Digestive System) 717
- रुधिर परिसंचरण तंत्र (Blood Circulatory System) 723
- श्वसन तंत्र (Respiratory System) 731
- उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) 733
- तंत्रिका तंत्र (Nervous System) 734
- कंकाल तंत्र (Skeleton System) 740
- अन्तःस्रावी तंत्र (Endocrine System) 742
- प्रजनन तंत्र (Reproductive System) 747

◘ विटामिन एवं पोषण (Vitamin and Nutrition) 747

◘ मानव रोग, लक्षण एवं उपचार (Human Disease, Symptoms and Treatments) 757
- रोग एवं लक्षण (Disease and Symptom) 757
- उपचार (Treatments) 773

◘ पादप जगत (Plant Kingdom) 777
- कवक (Fungi) 777
- शैवाल (Algae) 778
- ब्रायोफाइटा (Bryophyta) 780
- टेरिडोफाइटा (Pteridophyta) 781
- अनावृतबीजी (Gymnosperm) 782
- आवृतबीजी (Angiosperm) 782

◘ पादप आकारिकी (Plant Morphology) 785
- जड़ (Root) 785
- तना (Stem) 786
- पत्ती (Leaves) 786
- पुष्प/फल (Flower/Fruit) 787

◘ पादप कार्यिकी (Plant Physiology) 788
- वाष्पोत्सर्जन (Transpiration) 788
- प्रकाश संश्लेषण (Photosynthesis) 789
- पौधों में श्वसन (Respiration in Plants) 791
- पौधों में परिवहन (Transport in Plants) 792
- पादप हॉर्मोन्स (Plant Hormones) 792
- पादप गतियां (Plant Movements) 793
- पोषक तत्व (Nutrients) 793
- पादप रोग (Plant Disease) 794
- पौधों में अनुकूलन (Adaptation in Plant) 795

◘ पौधों में जनन (Reproduction in Plants) 796

◘ आर्थिक महत्व के जीव एवं वनस्पतियाँ (Economic Importance Flora and Fauna) 799

◘ आनुवांशिकी इंजीनियरिंग एवं बॉयोटेक्नोलॉजी (Genetic Engineering and Biotechnology) 800

◘ प्रमुख जैव वैज्ञानिक/आविष्कार (Major Biologist/Inventions) 800

◘ विविध (Miscellaneous) 803

■ **कम्प्यूटर (Computer) 809-847**
- कम्प्यूटर : एक परिचय (Computer : An Introduction).....809
- कम्प्यूटर का विकास (Development of Computer).....810
- इनपुट तथा आउटपुट (Input and Output).....813
- मेमोरी (Memory).....816
- डिजाइन टूल्स एवं प्रोग्रामिंग भाषाएँ (Design Tools and Programming Languages).....819
- डेटा प्रतिनिधित्व एवं संख्या प्रणाली (Data Representation and Number System).....822
- सॉफ्टवेयर (Software).....824
- डेटा संचार (Data Communication).....829
- इंटरनेट (Internet).....833
- माइक्रोसॉफ्ट विन्डोज (Microsoft Windows).....838
- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office).....839
- शब्द संक्षेप (Abbreviation).....843
- विविध (Miscellaneous).....746

■ **पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण (Ecology and Enviornment) 848-886**
- पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem).....848
- पर्यावरण संरक्षण (Environmental Protection).....853
- जैव-विविधता (Biodiversity).....856
- वन एवं वन्य जीव संरक्षण एवं प्रबन्धन (Forest and Wildlife Conservation and Management).....859
- प्रदूषण (Pollution).....871
- भू-ऊष्मन एवं जलवायु परिवर्तन (Global Warming and Climate Change).....877
- ओजोन परत (Ozone Layer).....879
- विविध (Miscellaneous).....883

■ **परम्परागत सामान्य ज्ञान (Traditional General knowledge).....887-1013**
- कला एवं संस्कृति (Art and Culture).....887
  - त्यौहार/उत्सव (Festival).....887
  - नृत्य (Dance).....899
  - संगीत (Music).....915
  - चित्रकला (Painting).....923
  - भारतीय परिधान (Indian Dresses).....926
  - मार्शल आर्ट/युद्ध कला (Martial Art/Warfare's).....928
- पुस्तकें/लेखक (Books/Authors).....929
  - राष्ट्रीय पुस्तकें (National Books).....929
  - अंतर्राष्ट्रीय पुस्तकें (International Books).....939
- दिन/दिवस (Day/Divas).....942
- पुरस्कार (Award).....947
  - नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize).....947
  - भारत रत्न (Bharat Ratna).....950
  - पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize).....951
  - जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार (Jawahar Lal Nehru Award).....952
  - ज्ञानपीठ पुरस्कार (Jananpith Award).....952
  - ऑस्कर पुरस्कार (Oscar Award).....953
  - दादा साहेब फॉल्के पुरस्कार (Dada Saheb Phalke Award).....954
  - पद्म विभूषण पुरस्कार (Padma Vibhushan Award).....954
  - वीरता पुरस्कार (Bravery Award).....955
  - भटनागर पुरस्कार (Bhatnagar Award).....955
  - बुकर पुरस्कार (Booker Prize).....956
  - रेमन मैग्सेसे पुरस्कार (Ramon Magsaysay Award).....956
  - संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (Sangeet Natak Akademi Award).....956
  - अन्य प्रमुख पुरस्कार (Other Major Award).....957
- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/बैंक (International Organization/Bank).....962
- अंतरिक्ष कार्यक्रम (Space programme).....969

- भारत का प्रतिरक्षा तंत्र (Defence System of India) 972
- खेल (Sports) 973
  - ओलम्पिक (Olympic) 973
  - राष्ट्रमण्डल (Commonwealth) 975
  - एशियाई खेल (Asian Games) 975
  - कबड्डी (Kabaddi) 976
  - हॉकी (Hockey) 976
  - क्रिकेट (Cricket) 978
  - फुटबॉल (Football) 981
  - बैडमिण्टन (Badminton) 983
  - गोल्फ (Golf) 984
  - शतरंज (Chess) 984
  - वालीबॉल (Volleyball) 985
  - टेनिस (Tennis) 985
  - मुक्केबाजी (Boxing) 986
  - अन्य प्रमुख खेल (Other Major Sport) 987
- प्रमुख संस्थान/मुख्यालय (Major Institutions/ Headquarters) 989
- प्रमुख स्थल (Major Site) 991
- प्रमुख व्यक्तित्व (Major Personalities) 994
- विश्व/भारत में प्रथम (First in World/India) 998
- विविध (Miscellaneous) 1000

अद्यतन सामान्य ज्ञान (Up-to-date General Knowledge) 1014-1120

- पुरस्कार (Award) 1014
- पुस्तक एवं लेखक (Books and Authors) 1027
- मृत्यु एवं दुर्घटना (Death and Accident) 1033
- खेल (Sports) 1034
  - ओलम्पिक (Olympic) 1034
  - राष्ट्रमण्डल (Commonwealth) 1037
  - एशियाई (Asian) 1037
  - हॉकी (Hockey) 1038
  - क्रिकेट (Cricket) 1040
  - फुटबॉल (Football) 1045
  - बैडमिण्टन (Badminton) 1047
  - गोल्फ (Golf) 1048
  - शतरंज (Chess) 1048
  - फॉर्मूला वन रेसिंग (Formula One Racing) 1049
  - लॉन टेनिस (Lawn Tennis) 1049
  - एथलेटिक्स (Athletics) 1052
  - भारोत्तोलन (Weightlifting) 1052
  - स्नूकर (Snooker) 1053
  - बिलियर्ड (Billiards) 1053
  - मुक्केबाजी (Boxing) 1054
  - कुश्ती (Wrestling) 1055
  - बॉस्केटबॉल (Basketball) 1056
  - निशानेबाजी (Shooting) 1056
  - अन्य प्रमुख खेल (Other Major Sport) 1057
- आर्थिकी (Economics) 1059
- रिपोर्ट एवं सूची (Report and Index) 1065
- नियुक्तियाँ (Appointment) 1070
- सैन्य अभ्यास (Military Exercise) 1082
- योजना/परियोजना (Schemes/Projects) 1084
- सम्मेलन/आयोजन (Conference/Events) 1088
- चर्चित स्थल (Famous Place) 1092
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Science and Technology) 1095
- चुनाव/राजनीतिक गतिविधियाँ (Election/Political Activities) 1098
- समझौता (Agreement) 1099
- चलचित्र/सिनेमा (Picture/Cinema) 1101
- विविध (Miscellaneous) 1103

SSC की विभिन्न विगत परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण-चार्ट

क्र.स.	परीक्षा	परीक्षा वर्ष	कुल प्रश्नपत्र	सामान्य अध्ययन के कुल प्रश्न
1.	SSC CGL	2021	21	21×25 = 525
2.	SSC CHSL	2021	36	36×25 = 900
3.	SSC MTS	2021	42	42×25 = 1050
4.	SSC Steno.	2021	6	6×50 = 300
5.	SSC JE	2021	6	6 × 50 = 300
6.	SSC CGL	2020	18	18 × 25 = 450
7.	SSC CPO-SI	2020	6	6 × 50 = 300
8.	SSC CHSL	2020	36	36 × 25 = 900
9.	SSC CGL	2019	22	22 × 25 = 550
10.	SSC CPO SI	2019	8	8 × 50 = 400
11.	SSC CHSL	2019	25	25 × 25 = 625
12.	SSC GD	2019	40	40 × 25 = 1000
13.	SSC JE	2019	8	8 × 50 = 400
14.	SSC MTS	2019	39	39 × 25 = 975
15.	SSC JE	2018	12	12 × 50 = 600
16.	SSC CHSL	2018	76	76 × 25 = 1900
17.	SSC CGL	2017	44	44 × 25 = 1100
18.	SSC JE	2017	8	8 × 50 = 400
19.	SSC CPO SI	2017	16	16 × 50 = 800
20.	SSC MTS	2017	17	17 × 25 = 425
	Total		**486**	**13,900**

नोट- ● इस पुस्तक में कर्मचारी चयन आयोग (SSC) द्वारा आयोजित की गयी 20 ऑनलाइन परीक्षाओं के कुल 486 प्रश्न-पत्रों को सम्मिलित किया गया है।

● इस पुस्तक में सामान्य अध्ययन से संबंधित कुल 13,900 प्रश्नों में से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर इतिहास के 1534, भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान के 968, भूगोल के 1353, अर्थव्यवस्था के 852, सामान्य विज्ञान के 2562, कम्प्यूटर के 248, पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरण के 383, परम्परागत सामान्य ज्ञान के 1430 एवं अद्यतन सामान्य के 999 प्रश्नों का व्याख्या सहित अध्यायवार संकलन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें से दोहराव वाले प्रश्नों को हटाकर संबंधित परीक्षा का नाम व परीक्षा तिथि मूल प्रश्न के साथ जोड़ दिया गया है, जिससे परीक्षार्थी प्रश्न की महत्ता का सही आकलन कर सके।

Trend Analysis of Previous Year SSC Exams Papers
Through Pie Chart and Bar Graph

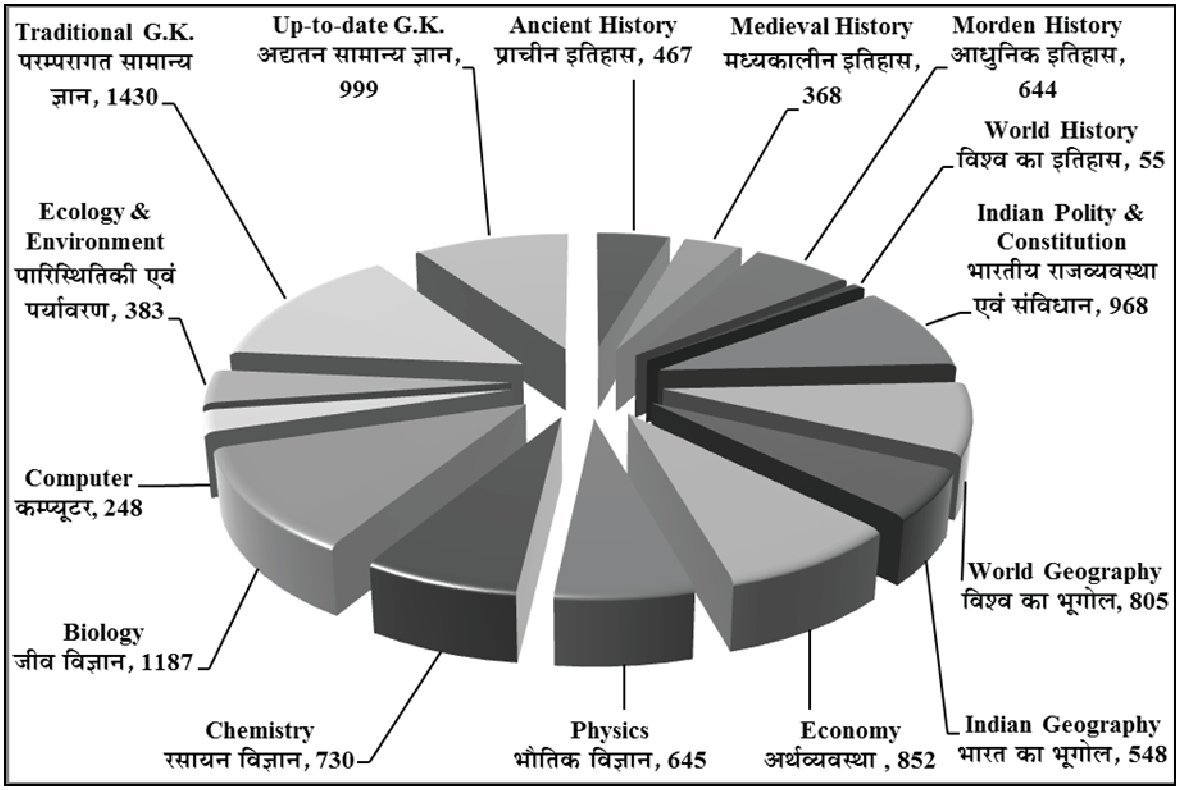

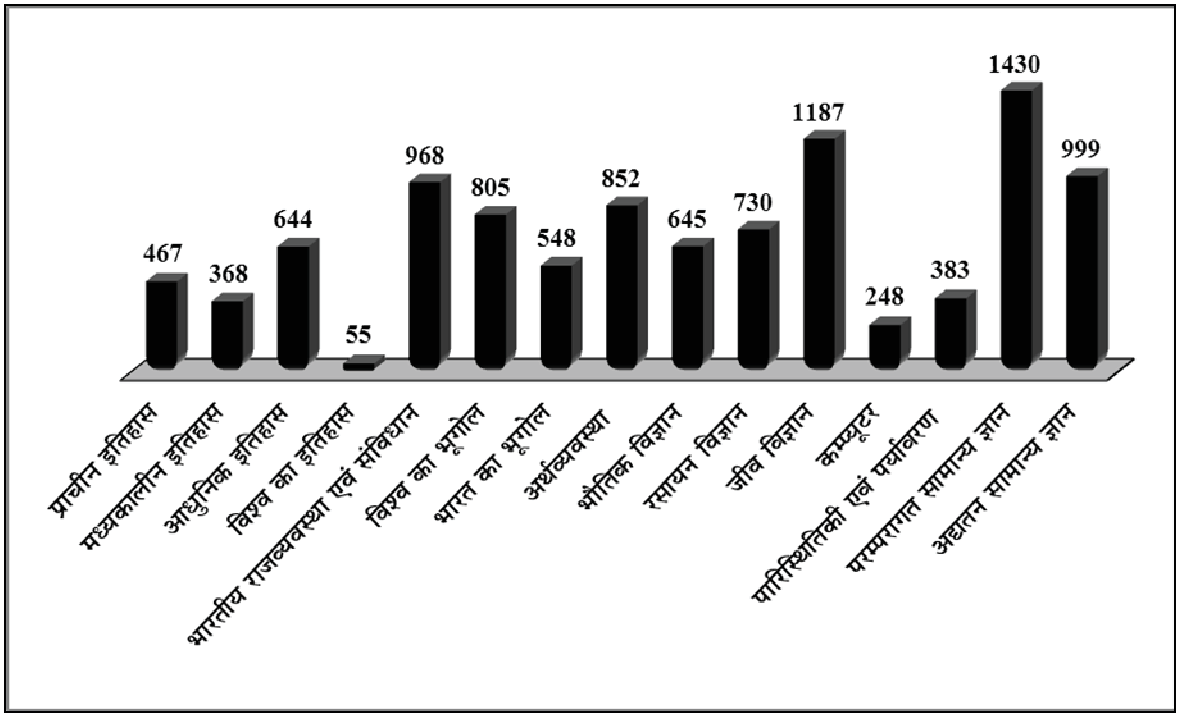

भाग–1

इतिहास (History)

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. पाषाण काल (Stone Age)

1. निम्न में से कौन-सा पूर्व-ऐतिहासिक स्थल, मिट्टी की सतहों पर खुर के निशान (hoof-marks) के रूप में मवेशियों के पालन का पुरातात्विक प्रमाण प्रदान करता है?

(a) मेहरगढ़ (b) कोल्डिहवा
(c) महगड़ा (d) गुफ्कराल

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (c) : महगड़ा नवपाषाण काल का पुरास्थल है, जो उत्तर प्रदेश इलाहाबाद जिले की मेजा तहसील के पहाड़ी क्षेत्र में बेलन नदी घाटी के तट पर स्थित है। इसकी खोज सन् 1975-76ई. में हुई। यहाँ से पशुबाड़ा का साक्ष्य मिला है। इसके अतिरिक्त गोलाकार झोपड़ियों के प्रमाण चावल मवेशियों के खुर के निशान और बकरी, भेड़, घोड़े, हिरण, जंगली सूअर की हड्डियों के रूप में मवेशी पालने के प्रमाण मिट्टी की सतह पर पाये गये।

2. प्रारम्भिक मनुष्यों द्वारा उपयोग किये जाने वाले माइक्रोलिथ्स_____थे।

(a) सिक्के (b) पत्थर के औजार
(c) कपड़े की (d) मिट्टी के पात्र

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : माइक्रोलिथ्स पत्थर के औजार (Stone tools) होते है, इनका सम्बन्ध मध्य पाषाण काल से है तथा इन औजारों को निर्माण सामान्य रूप से समान्तर फलकों वाले छोटे ब्लेडों पर क्वार्टजाइट, चर्ट, जैस्पर, अगेट जैसे सिलिका पत्थरों से होता था। जिनकी लम्बाई 1 से 5 इंच तक होती है। ये उपकरण वास्तव में छोटे. तथा नुकीले होते है और विभिन्न प्रकार की आकृतियों जैसे अर्धचन्द्र, समलम्ब तथा त्रिभुज आदि में पाये गये है।

नोटः- भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के तट पर स्थित 'बागौर' भारत का सबसे बड़ा मध्यपाषाणिक स्थल है। इसी काल से शवों को दफनाने की प्रथा की शुरुआत मानी जाती है।

3. निम्नलिखित में से कौन सा भारत में पुरातात्विक महत्व का एक पुरापाषाण स्थल है।

(a) चिरांद (b) बुर्जहोम
(c) हुनासागी (d) मेहरगढ़

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : हुनासागी कर्नाटक राज्य में स्थित एक प्रारम्भिक पुरापाषाण स्थल है। हुनासांगी के पुरापाषाण उपकरण चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, क्वार्टजाइट, डोलोराइट, चर्ट जैसे विविध प्रकार के पत्थरों से बने हैं।

- बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर) तथा मेहरगढ़ (बलूचिस्तान, पाकिस्तान) चिरांद (सारण, बिहार) नव पाषाण कालीन ज्ञात स्थल है।

4. सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन _____है।

(a) एक घर (b) एक उपकरण
(c) एक मकबरा (d) एक कलश

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : सेल्ट एक (celt) नवपाषाणकालीन एक उपकरण है। पुरापाषाण काल के विपरीत इस अवधि में लोगों ने पॉलिश किए गए पत्थर के औजारों और कुल्हाड़ियों का उपयोग करना शुरू किया, जिन्हें सेल्ट कहा जाता था।

5. प्रागैतिहासिक काल के पहले युग को क्या कहा जाता है?

(a) नवपाषाण युग (b) धातु युग
(c) ताम्र पाषाण युग (d) पुरापाषाण काल

SSC GD 01/03/2019 (Shift-II)

Ans. (d) : पुरापाषाण काल प्रागैतिहासिक युग का वह समय है जब मानव ने पत्थर के औजार बनाना सबसे पहले आरम्भ किया। यह काल 25 लाख साल पूर्व से लेकर 3000 साल पूर्व तक माना जाता है। इस दौरान मानव इतिहास का 99% विकास हुआ। इस काल के बाद मध्य पाषाण युग का प्रारम्भ हुआ जब मानव ने पशुपालन शुरू किया था। भारत में पुरापाषाण काल के अवशेष तमिलनाडु के पल्लवरम्, बदमदुरै, अतिरमपक्कम, मध्य प्रदेश के भीमबेटका और छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के सिंहावल में भी मिलते है। इस काल को जलवायु परिवर्तन तथा उस समय के पत्थर के हथियारों और औजारों के प्रकारों के आधार पर निम्न तीन भागों में विभाजित किया गया है।

1. निम्न पुरापाषाण काल, 2. मध्य पुरापाषाण काल
3. उच्च पुरापाषण काल

6. निम्नलिखित में से किस पुरातात्विक स्थल पर गर्त-आवासों के प्रमाण हैं?

(a) पलवोय (b) राणा घुंडई
(c) मेहरगढ़ (d) बुर्ज़होम

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I)

Ans : (d) बुर्जहोम पुरातात्विक महत्व वाला जम्मू-कश्मीर राज्य का प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है।

- यहाँ पर कई प्राचीन भूमिगत गर्त-आवास पाए गए हैं।
- बुर्जहोम में मालिक के मर जाने पर उसके शव को पालतू कुत्ते के साथ ही दफनाया जाता था।

7. बुर्जहोम, नवपाषाणयुगीन स्थल ..... में स्थित है–

(a) मिजोरम (b) गोवा
(c) कर्नाटक (d) जम्मू और कश्मीर

SSC CHSL (Tier-I) –09/07/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : बुर्जहोम नवपाषाणयुगीन पुरातात्विक स्थल है जो भारत के जम्मू–कश्मीर राज्य में स्थित है। यहाँ उत्खनन के दौरान गहरे गड्ढे में पत्थर की कुल्हाड़ी, हड्डी के औजार एवं भूरे जले हुए मिट्टी के बर्तन प्राप्त हुए थे।यहाँ प्राप्त कब्र में पालतु कुत्ते को मालिक के साथ दफनाया गया है ।

8. मेहरगढ़, नवपाषाण काल की बस्ती, पाकिस्तान के ..... प्रांत में स्थित है।

(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) सिंध
(c) पंजाब (d) बलूचिस्तान

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (d) मेहरगढ़ पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक स्थान है। जहाँ नवपाषाण युग के बहुत से अवशेष मिले है। यह स्थान वर्तमान में बलूचिस्तान (पाकिस्तान) में बोलन नदी के किनारे स्थित है। यहाँ प्राचीनतम कृषि एवं पशुपालन से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

9. पुरातात्विक स्थल इनामगाँव कहाँ स्थित है?

(a) कर्नाटक (b) उत्तर प्रदेश
(c) गुजरात (d) महाराष्ट्र

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : पुरातात्विक स्थल इनामगाँव भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। यह भीमा नदी की सहायक नदी घोड़ के तट पर स्थित है। यह ताम्र पाषाणिक संस्कृति से जुड़ा स्थल है। इनामगांव के लोगों का मुख्य पेशा कृषि था। जानवरों को दूध और मांस के लिए पाला जाता है।

10. पुरातत्व स्थल कोल्डिहवा कहाँ स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) बिहार
(c) उत्तर प्रदेश (d) मध्य प्रदेश

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : नव पाषाण काल में सर्वप्रथम खाद्यानों की व्यवस्थित कृषि प्रारम्भ हुई थी तथा मनुष्यों ने जौ, गेहूँ की वन्य किस्मों को इस समय मे उपजाया था। भारतीय उपमहाद्वीप में कोल्डिहवा तथा मेहरगढ़ दो नव पाषाण कालीन बस्तिया थी जहाँ से चावल और गेहूँ के स्पष्ट प्रमाण मिले थे। कोल्डिहवा भारत के उत्तर प्रदेश में एक पुरातात्विक स्थल है। उ. प्र. इलाहाबाद (प्रयागराज) में स्थित कोल्डिहवा एक मात्र ऐसा नवपाषाणिक पुरास्थल है जहाँ से 6000 ई. पू. में धान की खेती किये जाने का प्रमाण मिला है। नवीनतम् खोज के नगर जिले के लहुरादेव (8000 B.C.) से प्राप्त हुआ है।

11. निम्नलिखित में से किस प्रागैतिहासिक भारतीय स्थल पर 'होमो इरेक्टस' मानव की खोपड़ी पाई गई थी?

(a) हथनोरा (b) पटने
(c) पचमढ़ी (d) संगनकल्लू

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans : (a) प्रागैतिहासिक काल मानव सभ्यता के विकास का इतिहास है। जो पुरातात्विक साक्ष्यों पर आधारित है। हथनोरा मध्य प्रदेश में नर्मदा घाटी में एक गाँव है। इस भारतीय स्थल पर 'होमो इरेक्टस' मानव की खोपड़ी पाई गई थी। नर्मदा घाटी के जीवाश्मों में हाथी, घोड़े, दरियाई घोड़ा, जंगली भैसों के जीवाश्म के साथ होशंगाबाद जिले के हथनोरा में 5 दिसम्बर, 1982 को 70 हजार वर्ष पुराने मानव के कपाल अवशेष डॉ. अरुण सोनकिया ने प्राप्त किया था।

12. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पुरातत्वविदों को पाँच जंगली कुत्तों और बारहसिंगों के सींग के अवशेष प्राप्त हुए हैं?

(a) कुपगल (b) बुर्ज़होम
(c) गुफ्कराल (d) उतनुर

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans : (b) बुर्जहोम, जम्मू कश्मीर का पुरातात्विक महत्व का प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। बुर्जहोम में नवपाषाण युग की सभ्यता का पता लगा है, बुर्जहोम में जंगली कुत्तो और बारहसिंगो के सींग के अवशेष प्राप्त हुए है।

13. 'जोर्वे कल्चर' एक चालकोलिथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) असम
(c) गुजरात (d) बिहार

SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : जोर्वे संस्कृति ताम्रपाषाण कालीन संस्कृति है। एम. एन. देश पाण्डे ने इस संस्कृति की खोज की थी। 'जोर्वे' महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी की सहायक नदी 'प्रवरा' के तट पर स्थित एक गाँव एवं पुरातात्विक स्थल है। जहाँ पर जोर्वे संस्कृति के अवशेष प्राप्त हुए हैं। जोर्वे संस्कृति प्रमुख रुप से पश्चिमी महाराष्ट्र में विकसित हुई। जोर्वे संस्कृति के प्रमुख स्थल हैं- चन्दोली, सोनगाँव, इमामगाँव, जोर्वे, नासिक तथा दायमाबाद आदि। जोर्वे संस्कृति का समय काल 1400 ई.पू. से 700 ई.पू. तक माना जाता है।

14. जम्मू-कश्मीर में पुरातात्विक महत्व का स्थल निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) मस्की (b) बुर्जहोम
(c) ब्रह्मगिरि (d) वाटकल

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : पुरातात्विक स्थल बुर्जहोम जम्मू-कश्मीर में स्थित था, सन् 1935 में डी. टेरा तथा पीटरसन द्वारा इस स्थल की खोज की गई। यहाँ से गर्तावास एवं एक कब्र से मालिक के साथ पालतू कुत्ते दफनाए जाने का साक्ष्य मिला है, इसके अतिरिक्त छिद्र युक्त सूर्य, हड्डी का तीराग्र छिद्र युक्त हार्वेस्टर, गेहूँ व जौ। विभिन्न प्रकार के मृदभाण्ड पत्थर हड्डी के औजार मिले हैं।

2. सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilisation)

15. निम्नलिखित का मेल किजिए।

(A)	मोहनजोदारो	1.	स्टैच्यू ऑफ प्रीस्ट
(B)	हड़प्पा	2.	पत्तन
(C)	कालीबंगन	3.	हल के चिन्ह
(D)	लोथाल	4.	ग्रेट बाथ

(a) A–4,B–1C–3,D–2 (b) A–3,B–2C–4,D–1
(c) A–2,B–3C–1,D–4 (d) A–1,B–4C–2,D–3

SSC CGL (TIER-1) 02-09-2016, 1.15 pm

Ans : (a) A–4,B–1C–3,D–2

नगर	**प्राप्त साक्ष्य**
मोहनजोदड़ो	स्नानागार (ग्रेट बाथ)
हड़प्पा	स्टैच्यू ऑफ प्रीस्ट (पुजारी की प्रतिमा)
कालीबंगा	हल का चिन्ह
लोथल	पत्तन नगर

16. हड़प्पा सभ्यता का निम्नलिखित में से कौन सा स्थल अफगानिस्तान में स्थित है?

(a) शोर्तुघई (b) बालाकोट
(c) नागेश्वर (d) कालीबंगन

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता का पुरास्थल शोर्तुघई और मुंडीगाक दोनों ही अफगानिस्तान में स्थित है। शोर्तुघई उत्तरी अफगानिस्तान में कोकचा और ऑक्सस नदी के संगम क्षेत्र में स्थित है।

17. मोहनजोदड़ों में मिले 'महास्नानागार' को ——— की परत चढ़ाकर जलरोधी बनाया गया था।

(a) बिटुमेन (b) अस्फाल्ट
(c) प्राकृतिक चारकोल (d) मधुमोम

SSC GD 02/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : मोहनजोदड़ों वर्तमान पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में आता है। मोहनजोदड़ों से प्राप्त स्थापत्य कला का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण दुर्ग में अवस्थित वृहद स्नानागार है। उत्तर से दक्षिण की ओर इसकी लम्बाई 11.89 मीटर तथा पूर्व से पश्चिम की ओर इसकी चौडाई 7 मीटर है। इसकी गहराई 2.44 मीटर है। नीचे तक पहुँचने के लिए इसमें पकी हुई पतली ईंटो से निर्मित सीढ़ियाँ बनाई गई हैं। इसमें जल भरने तथा निकालने के लिए नालियों की व्यवस्था थी। इसको प्राकृतिक चारकोल की परत चढ़ाकर जलरोधी बनाया गया था।

18. लगभग 2500 साल पहले सिंधु नदी को ईरानियों द्वारा ———कहा जाता था।

(a) वितस्ता (b) करनाली
(c) विपासा (d) हिन्दोस

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : सिंधु नदी तिब्बत के मानसरोवर झील के निकट चेम युन्ग डुंग ग्लेशियर से निकलकर भारत में केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के दो जिलों लेह एवं कारगिल में प्रवेश करती है। झेलम, चिनाब, रावी, व्यास तथा सतलुज इसकी पांच महत्वपूर्ण सहायक नदियां है। प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में यह नदी 'सिन्धु' नाम से वर्णित है तथा लगभग 2500 वर्ष पहले ईरान के लोग इसे हेंदु (Hendu), यूनानी ग्रीक के लोग इंडोस तथा रोमन लोग इंडस (Indus) कहते थे।

19. दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(a) उत्तर प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) गुजरात

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। यह स्थल गोदावरी की सहायक नदी 'प्रवरा नदी के बाएँ तट पर स्थित है। इस स्थल की खोज बी.पी. बोपर्दिकर द्वारा की गयी थी।

20. हड़प्पा सभ्यता के निम्नलिखित स्थलों में से कौन सा स्थल पाकिस्तान में स्थित नहीं है?

(a) कोट दीजी (b) चन्हूदड़ो
(c) शोरतुगई (d) बालाकोट

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : हड़प्पा सभ्यता लगभग 2350 ईस्वी पूर्व दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग में फैली हुई थी, जो कि वर्तमान में पाकिस्तान तथा पश्चिमी भारत के नाम से जाना जाता है। भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किये गये सिंधु घाटी के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों से हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ो जैसे दो प्राचीन नगरों की खोज हुई। ध्यातव्य है कि कोटदीजी, बालाकोट, चन्हूदड़ो, नामक हड़प्पा स्थल पाकिस्तान में स्थित है जबकि शोरतुगई (शोर्तुघई) अफगानिस्तान में स्थित है।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर हड़प्पा सभ्यता से संबंधित है?

(a) कोशल (b) लुम्बिनी
(c) धौलावीरा (d) हम्पी

SSC MTS 20/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : धौलावीरा, हड़प्पा सभ्यता से संबंधित स्थल है। इसकी खोज वर्ष 1968 में पुरातत्वविद् जगपति जोशी द्वारा की गई थी। यह स्थल तीन भागों में विभक्त होने के साथ अपने उन्नत जल प्रबंधन के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में यूनेस्कों ने गुजरात के धौलावीरा शहर को भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है।

22. हड़प्पा सभ्यता के लोगों को वर्तमान राजस्थान वाले क्षेत्र से कौन सी धातु मिली थी?

(a) लोहा (b) एल्यूमीनियम
(c) तांबा (d) कैल्शियम

SSC MTS 27/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : राजस्थान की अरावली की पहाड़ियों में बसा खेतड़ी हजारों साल से तांबा उत्खनन का केन्द्र रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता (2350 ईसा पूर्व) में जब ताम्र पाषाण युग की शुरुआत हुई तब भी यहां से तांबा प्राप्त होता था। सिंधु घाटी सभ्यता के लोग कांसे, तांबे, चांदी और सोने से परिचित थे लेकिन लोहे के बारे में नहीं जानते थे।

23. हड़प्पा सभ्यता में खुदाई से टेराकोटा हल मॉडल (terracotta models of the plough) कहाँ मिले थे?

(a) बनवाली (b) कश्मीर
(c) अमृणाल (d) लोथल

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : बनावली हड़प्पा स्थल से टेराकोटा का हल प्राप्त हुआ था। यह हरियाणा के हिसार जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। जो रंगोई नदी के तट पर स्थित था। इसका उत्खनन वर्ष 1973-74 में आर. एस. विष्ट द्वारा करवाया गया था।

24. निम्नलिखित में से किसने 1990 में धौलावीरा में खुदाई शुरु की थी?

(a) आर. एस. विष्ट (b) एम. एस. वत्स
(c) आर. डी. बनर्जी. (d) एस. आर. राव

SSC CHSL 12/08/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : धौलावीरा शहर गुजरात राज्य के कच्छ के रण में एक पुरातात्विक स्थल है। हड़प्पा संस्कृति के इस नगर की खोज पुरातत्वविद् जगपति जोशी ने सर्वप्रथम वर्ष 1967-68 में की और 1990-91 के दौरान आर. एस. बिष्ट के द्वारा इसका उत्खनन कराया गया।

25. धौलावीरा और लोथल की प्राचीन हड़प्पा बस्तियाँ वर्तमान भारतीय राज्य _____ में स्थित है।

(a) गुजरात (b) राजस्थान
(c) मध्य प्रदेश (d) हरियाणा

SSC GD 03/12/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : धौलावीरा गुजरात के कच्छ के रण में स्थित है जिसकी खोज वर्ष 1968 में जगपत जोशी ने की। जबकि लोथल जो एक बंदरगाह स्थल था जो गुजरात मे खम्भात की खाड़ी के निकट भोगवा नदी के किनारे स्थित है तथा इसकी खोज रंगनाथ राव ने वर्ष 1951 में की थी।

26. हड़प्पा स्थल पर ..... में हलरेखाओं (Furrow) के निशान खोजे गए थे।

(a) कालीबंगा (b) बनवाली
(c) लोथल (d) धोलावीरा

SSC GD 22/11/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : हड़प्पा स्थल कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। कालीबंगन राजस्थान में घघ्घर नदी के तट पर स्थित है। इस स्थल की खोल बी0बी0 लाल एवं बी0के0 थापर ने की थी। कालीबंगा एकमात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर भी रक्षा प्राचीर दीवारों से घिरा हुआ था। कालीबंगा से अग्नि पूजा की प्रथा के भी प्रमाण मिले हैं।

27. निम्नलिखित में से कौन सी मेसोपोटामियन भाषा नहीं थी ?

(a) एमोराइट (b) एलामाइट
(c) सुमेरियन (d) अकाडियन

SSC GD 17/11/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : मेसोपोटामिया सभ्यता का विकास दजला एवं फरात नदियों के किनारे, वर्तमान इराक और कुवैत के क्षेत्र में हुआ था। मेसोपोटामिया विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला स्थान है, इसे कांस्ययुगीन सभ्यता का उद्गम स्थल माना जाता है। यहाँ सुमेर, अक्काद, बेबीलोन तथा असीरिया के साम्राज्य अलग-अलग समय में स्थापित हुए थे। एमोराइट, एलामाइट और अकाडियन मेसोपोटामियन भाषा थी। यहाँ के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था।

28. हड़प्पाकालीन स्थल रंगपुर भारत के किस वर्तमान राज्य में स्थित है?

(a) राजस्थान (b) गुजरात
(c) हिमाचल प्रदेश (d) हरियाणा

SSC GD 10/12/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : रंगपुर गुजरात राज्य में भादर नदी के समीप स्थित है। इस स्थल की खुदाई वर्ष 1953-54 में ए. रंगनाथ राव द्वारा की गई थी। यहाँ पर पूर्व हड़प्पा कालीन संस्कृति के अवशेष मिले है। रंगपुर से कच्ची ईटों के दुर्ग, नालियाँ, मृदभाण्ड, बाट, पत्थर के फलक आदि महत्वपूर्ण है। यहाँ धान की भूसी के ढेर मिले है।

29. सिंधु घाटी सभ्यता के घरों में कमरे आम तौर पर एक_____के आस-पास बने होते थे।

(a) कुएँ (b) अंगीठी
(c) आंगन (d) पानी की टंकी

SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) सिंधु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है, क्योकि इसके प्रथम अवशेष हड़प्पा नामक स्थल से प्राप्त हुये थे तथा इसके आरम्भिक स्थलों में से अधिकांश सिंधु नदी के किनारे अवस्थित थे। यह भारतीय उपमहाद्वीप में 'प्रथम नगरीय क्रान्ति की अवस्था' को दर्शाती है। सिन्धु घाटी सभ्यता के घर आमतौर पर एक या दो मंजिले होते थे। घर के आंगन के चारों ओर कमरे बनाये जाते थे। अधिकांश घरों में एक अलग स्नानघर होता था, और कुछ घरों में कुएँ भी होते थे।

30. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हड़प्पा संस्कृति की अग्नि वेदियाँ पाई गई थीं ?

(a) पदरी (b) लोथल
(c) भगतराव (d) मांडा

SSC GD 14/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : हड़प्पा कालीन स्थल लोथल, कालीबंगा से अग्निवेदिकाएँ प्राप्त हुई है। इन अग्नि वेदिकाओं का प्रयोग सम्भवतः यज्ञ - वेदिकाओं के रूप में होता होगा। लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के तट पर स्थित है। यहाँ से गोदीवाड़ा के साक्ष्य मिले है। लोथल को 'लघु हड़प्पा' या लघु मोहनजोदड़ो भी कहा जाता है। लोथल की खोज एस.आर.राव द्वारा 1954 ई. में की गयी थी।

31. अनेक विद्वान ऐसा मानते हैं कि टिगरिस-यूफ्रेट्स घाटी के मेसोपोटामियाई लोग, सिंधु घाटी सभ्यता को ____ कहते थे।

(a) मगन (b) मेलुहा
(c) सुमेरियन (d) बेबीलोन

SSC GD 10/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : मेसोपोटामिया सभ्यता का विकास टिगरिस-यूफ्रेटस (दजला-फरात) नदियों के किनारे वर्तमान इराक और कुवैत के क्षेत्र में हुआ। सिंधु सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में विकसित हुई। मेसोपोटामिया सभ्यता के लोग सिंधु सभ्यता को 'मेलुहा' कहकर पुकारते थे।

32. हड़प्पा सभ्यता के अन्य शहरों के विपरीत, धोलावीरा शहर को — भागों में विभाजित किया गया था, प्रत्येक भाग विशाल पत्थर की दीवारों से घिरा हुआ था।

(a) पाँच (b) दो
(c) तीन (d) चार

SSC GD 01/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : धौलावीरा शहर हड़प्पा सभ्यता के अन्य शहरों के विपरीत एक मात्र ऐसा स्थल था जहाँ शहर को तीन भागों दुर्ग, मध्यम नगर तथा निचले नगर में विभाजित किया गया था तथा प्रत्येक भाग विशाल पत्थर की दीवारों से घिरा था। हाल ही में यूनेस्को ने गुजरात के धौलावीरा शहर को भारत के 40 वें विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किया है। यह प्रतिष्ठित सूची में शामिल होने वाली सिन्धु घाटी सभ्यता का पहला स्थल है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा हड़प्पा स्थल हरियाणा में है?

(a) राखीगढ़ी (b) कालीबंगा
(c) लोथल (d) धोलावीरा

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (a) : हरियाणा के जीन्द जिले में प्राचीन सरस्वती के तट पर स्थित राखीगढ़ी की खोज 1969 ई. में सूरजभान ने की थी। यह हड़प्पा सभ्यता का सबसे विशाल नगर है। इस स्थल से मनकों को चिकना करने का घर्षण पत्थर, हाथी दाँत, बारहसिंहा के सींग मनका बनाने की कार्यशाला आदि प्राप्त हुए हैं।

34. हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध 'नृत्य करती हुई लड़की' (dancing-girl) _____की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई थीं

(a) पत्थर (b) सोना
(c) टेराकोटा (d) काँसा

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-I)

Ans. (d) : हड़प्पा सभ्यता की प्रसिद्ध नृत्य करती हुई लड़की काँसे की सामग्री का उपयोग करके बनाई गई है। इस लड़की का दाहिना हाथ उसके कुल्हे पर जबकी बायां हाथ लटकते हुए दर्शाया गया है। इसके हाथ में सम्भवतः हड्डी से बनी चूड़ियाँ है। मूर्ति बनाने के लिए मधुद्दिष्ट विधि का प्रयोग किया गया है।

35. सिंधु सभ्यता का पुरातात्विक स्थल दैमाबाद किस नदी के तट पर स्थित है?

(a) कृष्णा (b) नर्मदा
(c) बनास (d) प्रवरा

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-II)

Ans. (d) : सिंधु सभ्यता का पुरातात्विक स्थल दैमाबाद गोदावरी नदी की सहायक प्रवरा नदी के तट पर स्थित है, जो भारत के महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में है। यह स्थान बी.पी. बोपर्दिकर द्वारा खोजा गया था। यह सिन्धु सभ्यता का सबसे दक्षिणतम स्थल है।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पा स्थल भारत में स्थित है ?

(a) शोरतुगई (b) गंवेरीवाला
(c) दैमाबाद (d) मोहन जोदड़ो

SSC JE Mechanical – 23/03/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. निम्नलिखित में से कौन-से स्थल की खोज सर्वप्रथम की गई थी?

(a) अमरी नल (b) हड़प्पा
(c) लोथल (d) मोहनजोदड़ो

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-II)

Ans : (b) सिन्धु घाटी सभ्यता के खोजे गए स्थलों में सर्वप्रथम हड़प्पा की खोज की गई थी। इसीलिए इसे 'हड़प्पा सभ्यता' भी कहते हैं। हड़प्पा की खोज 1921 ई. में दयाराम साहनी द्वारा की गई थी। हड़प्पा पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में माण्टगोमरी (आधुनिक शाहीवाल) जिले में रावी नदी के बाएँ तट पर स्थित है।

38. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ?

(a) धोलावीरा (b) बनावली
(c) हड़प्पा (d) लोथल

SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)

Ans. (b) : बनावली हरियाणा के हिसार जिले में रंगोई नदी के किनारे स्थित एक महत्वपूर्ण हड़प्पाकालीन स्थल है। इसकी खोज 1973 ई. में आर.एस. विष्ट ने की। बनावली से मिट्टी के बर्तन, तांबे के बाणाग्र, हल का टेराकोटा और बढ़िया किस्म के जौ आदि पुरातात्विक वस्तुएं प्राप्त हुई हैं। यहाँ के मकानों से पता चलता है कि यह समृद्ध लोगों का नगर था। यहाँ के कई मकानों से अग्निवेदियाँ भी प्राप्त हुई हैं।

39. निम्नलिखित में से किस हड़प्पा केन्द्र के बारे में माना जाता है कि मेसोपोटामिया के साथ सीधा समुद्र व्यापार था?

(a) धौलावीरा (b) लोथल
(c) कोट दिजी (d) रोपड़

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-II)

Ans. (b) : अहमदाबाद जिले (गुजरात) में भोगवा नदी के तट पर स्थित लोथल की खोज सर्वप्रथम डा. एस.आर.राव ने 1954 में की थी। इसे 'लघु हड़प्पा' या 'लघु मोहनजोदड़ो' भी कहा जाता है। लोथल के पूर्वी भाग में एक गोदीबाड़ा का साक्ष्य मिला है। यह बन्दरगाह मेसोपोटामिया के साथ समुद्री रास्ते से व्यापार करने के लिए प्रमुख केन्द्र था। यहाँ से उपलब्ध फारस की मुद्रा या सील और पक्के रंग में रगें हुये पात्र इसकी पुष्टि करते है।

40. हड़प्पाई स्थल ''मांडा'' किस नदी के किनारे स्थित था?

(a) चेनाब (b) सतलज
(c) रावी (d) सिंधु

SSC JE Civil - 24/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : हड़प्पाई स्थल 'मांडा' अखनूर जिला (जम्मू) में चेनाब नदी के दायें तट पर स्थित था। जबकि हड़प्पा 'रावी' नदी के, मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो एवं कोटदीजी 'सिन्धु' नदी के तथा रोपड़ 'सतलज' नदी के तट पर स्थित है। ध्यातव्य है कि उत्तर में सिंधु सभ्यता का अंतिम बिन्दु माण्डा है जो जम्मू में स्थित है तथा दक्षिणतम बिन्दु दैमाबाद है। माण्डा इमारती लकड़ियों के लिए प्रसिद्ध था।

41. मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ी इमारत कौन-सी है?

(a) ग्रेट बाथ (b) ग्रेट ग्रैनरी
(c) एसेंबली हॉल (d) आयताकार भवन

SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 1.15 pm

Ans : (b) मोहनजोदड़ो की सबसे बड़ी ईमारत ग्रेट ग्रैनरी (विशाल अन्नागार) थी। जो पूर्व से पश्चिम 45.72 मी. लम्बा तथा उत्तर से दक्षिण 22.86 मी. चौड़ा है। व्हीलर ने इसे अन्नागार बताया है। इसमें ईंटो के बने विभिन्न आकार-प्रकार के 27 प्रकोष्ठ मिले हैं। परन्तु अन्नागार से अन्न के दानों की प्राप्ति नहीं हुई है। विद्वानों का विचार है यह राजकीय भण्डारागार था जिसमें जनता से कर के रूप में वसूला गया अनाज रखा जाता था।

ग्रेटवाथ (वृहत्स्नानागार) $\rightarrow$ विशाल स्नानागार उत्तर से दक्षिण 54.86 मी. लम्बाई पूरब से पश्चिम लगभग 33 मी. चौड़ा है। इसके केन्द्रीय खुले प्रांगण के बीच जलकुण्ड या जलाशय बना हुआ है। जो 11.89 मी. ल., 7 मी. चौ., 2.44 मी. गहरा है। इसमें उतरने के लिए उत्तर तथा दक्षिण दिशा में सीढ़ीयाँ बनी हुई है। मार्शल ने इसे तत्कालीन विश्व का आश्चर्यजनक निर्माण बताया है।

एसेम्बली हालः- सभाभवनः- यह 27×27 मी. का वर्गाकार भवन है। 20 स्तम्भों वाला यह सभाभवन चार कतारों में है और प्रत्येक कतार में पाँच, पाँच स्तम्भ है।

आयताकार भवनः- इसे पुरोहित आवास भी कहते है यह 70.1 मी × 23.77 मी. आकार का है।

42. निम्नलिखित में से किस हड़प्पा-स्थल में बंदरगाह था?

(a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो
(c) लोथल (d) आलमगीरपुर

SSC CGL (TIER-1) 27-10-2016, 10 am

Ans : (c) हड़प्पा सभ्यता के स्थलों में लोथल में बन्दरगाह (जहाजों की गोदी Dock yard) मिला है। इसका आकार 214 × 36 मीटर था। इसे नहर द्वारा भोगवा नदी से जोड़ा गया था। इसके उत्तरी दीवार में 12 मी0 चौड़ा एक प्रवेश द्वार था जिससे होकर जहाज आते थे। दक्षिणी दीवार में एक मीटर चौड़ी एक नाली बनाई गयी थी जिससे अतिरिक्त पानी बाहर निकल जाता था।

43. सिंधु घाटी सभ्यता एक.....युग की सभ्यता थी।

(a) रजत (b) टिन
(c) स्वर्ण (d) कांस्य

(SSC 10+2 CHSL 29.01.17, 10 am)

Ans : (d) सिन्धु घाटी सभ्यता एक कांस्य कालीन सभ्यता थी। जिसका उद्भव ताम्रपाणाणिक पृष्ठभूमि में आमरी, कोटदीजी, सुरकोटडा, कालीबंगा, कुल्ली-नाल के भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में हुआ था। नवपाषाण युग के अन्तिम चरण में ताम्र धातु का प्रयोग हुआ। इसके वाद (ताँबा + टीन) कांस्ययुग फिर लौहयुग आता है। इस सभ्यता के विषय में सर्वप्रथम जानकारी 1826 में चार्ल्स मैसन ने दी थी। 1921 में दयाराम साहनी ने इस सभ्यता के प्रमुख स्थल हड़प्पा की खोज की।

44. सुरकोटदा का पुरातात्विक स्थल किस राज्य में स्थित है?

(a) हरियाणा में (b) गुजरात में
(c) कर्नाटक में (d) राजस्थान में

SSC CPO-SI – 09/12/2019 (Shift-II)

Ans : (b) सुरकोटदा का पुरातात्विक स्थल गुजरात राज्य के कच्छ जिले में स्थित है। इस स्थल से हड़प्पा सभ्यता के विस्तार के प्रमाण मिले हैं, तथा इसकी खोज वर्ष 1964 ई. में 'जगपति जोशी' ने की थी। इस स्थल में 'सिधु सभ्यता के पतन' के अवशेष मिलते है। यहाँ से प्राप्त महत्वपूर्ण अवशेष- घोड़े की अस्थियाँ एवं एक अनोखी कब्रगाह आदि।

- लोथल, सिंधु सभ्यता का बन्दरगाह था स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात राज्य में खोजे गये है।

45. पाकिस्तान के किस प्रांत में प्राचीन सभ्यता का स्थल मोहन-जो-दडो स्थित है?

(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) पंजाब
(c) सिंध (d) बलूचिस्तान

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-I)

Ans : (c) मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा में अर्थ 'मृतको का टीला' होता है। यह सिंध (पाकिस्तान) के लरकाना जिले में सिंधु नदी के दाहिने तट पर स्थित है। इसकी खोज सर्वप्रथम राखालदास बनर्जी 1922 ई. में की थी। वृहद स्नानागार, मोहनजोदड़ो का सर्वाधिक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है। इसके केंद्रीय खुले प्रांगण के बीच जलकुंड या जलाशय बना है।

46. निम्नलिखित में से सिंधु घाटी सभ्यता का एक बंदरगाह शहर कौन-सा था?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) लोथल (d) राखीगढ़ी

SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा बंदरगाह शहर 'लोथल' था। लोथल अहमदाबाद जिले (गुजरात) के सरागवाला ग्राम से 80 किमी. दक्षिण से भोगवा नदी के तट पर स्थित हैं। लोथल से जहाजों की गोदीबाड़ा, बन्दरगाह, धान (चावल), बाजरा, फारस की मुहर, घोड़े की लघु मृण्मूर्ति, तीन युगल समाधि आदि साक्ष्य प्राप्त हुएं। यहाँ से मध्यपूर्व एशिया और अफ्रीका तक व्यापार होता था।

47. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हड़प्पा सभ्यता की पहली खगोलीय वेधशाला पाई गई थी ?

(a) धोलावीरा, गुजरात (b) गोला धोरो, गुजरात
(c) कालीबंगा, राजस्थान (d) लोथल, गुजरात

SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : हड़प्पा सभ्यता की पहली खगोलीय वेधशाला 'धोलावीरा' में पाई गई थी। धोलावीरा गुजरात के कच्छ के रण में स्थित है। 1968 ई. में जगपति जोशी (जोशी) ने धौलावीरा नामक स्थल की खोज किया।

48. सिन्धु घाटी सभ्यता के दो प्राचीन नगर हड़प्पा और —— खुदाई करने पर सामने आए।

(a) हस्तिनापुर (b) सूरत
(c) मोहन-जोदड़ो (d) वाराणसी

SSC GD 11/03/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : सिंधु घाटी सभ्यता का काल 2350 ई.पू. से 1750 ई.पू. माना जाता है। सिंधु घाटी में खुदाई करने के बाद दो प्राचीन नगर का साक्ष्य मिला।

1. हड़प्पा- 1921 ई. में दयाराम साहनी के नेतृत्व में हड़प्पा नगर की खोज की।
2. मोहनजोदड़ो-इसकी खोज 1922 ई. में राखालदास बनर्जी ने किया था। यह सिंध प्रान्त (पाकिस्तान में) के लरकाना जिले में स्थित है।

49. निम्नलिखित में से सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थल, सिंधु नदी के तट पर स्थित नहीं है?

(a) कोट-डिजी (b) मोहनजोदड़ो
(c) रोपड़ (d) चनहुदड़ों

SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : रोपड़, आधुनिक रुपनगर, सिंधु घाटी सभ्यता का ऐतिहासिक स्थल है जो पंजाब में सतलज नदी के किनारे स्थित है। यहां से मिट्टी के बर्तन, ताँबे की अंगुठियाँ कांस्य सेल्टूस, टेराकोटा केक, मानव के साथ कुत्तो को दफनाया जाना तथा तांबे की कुल्हाड़ी प्रमुख साक्ष्य प्राप्त हुए है। शेष सभी विकल्प में दिये गए शहर सिंधु नदी के तट पर स्थित हैं।

50. निम्न में से कौन-सा राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है?

(a) नागेश्वर (b) चान्हूदड़ो
(c) मांडा (d) कालीबांग

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : कालीबंगा राजस्थान में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है। यह हनुमानगढ़ जिले में सरस्वती (घग्घर) नदी के तट पर 4500 वर्ष पहले बसा हुआ था। कालीबंगा में जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं जो संसार से प्राचीनतम है। दीवारें ईंटो से बनती थी और इन्हें मिट्टी के गारे से जोड़ा जाता था। कालीबंगा से भूकम्प आने के प्राचीनतम् प्रमाण मिले है।

51. निम्नलिखित में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से जुताई वाले क्षेत्र के साक्ष्य मिले हैं?

(a) मोहनजोदड़ों (b) चन्हुदड़ों
(c) कालीबंगा (d) हड़प्पा

SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. सिंधु के पूर्व के क्षेत्र को संदर्भित करने के लिए छठीं-पाँचवीं शताब्दी बीसीई (BCE) में किस पुराने फारसी शब्द का उपयोग किया जाता था?

(a) तियान्झु (b) आर्यावर्त
(c) हिन्दू (d) होडु

SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-II)

Ans : (c) सिन्धु के पूर्व के क्षेत्र अर्थात भारतीय उपमहाद्वीप में रहने वाले लोगों को संदर्भित करने के लिए 6वीं – 5वीं शताब्दी बीसीई में पुराने फारसी शब्द 'हिन्दू' का उपयोग किया जाता था। सर्वप्रथम ईरानियों ने सिन्धु नदी के पूर्व में रहने वालों को 'हिन्दू' नाम दिया।

3. वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)

53. निम्न में से किस नदी का उल्लेख वैदिक साहित्य में 'वितस्ता' के रूप में किया गया है?

(a) व्यास (b) रावी
(c) चिनाब (d) झेलम

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-I

Ans. (d) : झेलम नदी का उल्लेख वैदिक साहित्य में 'वितस्ता' के रूप में किया गया है। इसका उद्गम स्थल शेषनाग झील है, जो जम्मू और कश्मीर में स्थित है।

54. निम्नलिखित में से कौन सा वेद संगीत से संबंधित है?

(a) सामवेद (b) ऋग्वेद
(c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : सामवेद से तात्पर्य है कि वह ग्रन्थ जिसके मन्त्र गाये जा सकते है और जो संगीतमयी हो। "साम" शब्द का अर्थ है 'गान'। सामवेद में संकलित मंत्रो को देवताओं की स्तुति के समय गाया जाता था। सामवेद में कुल 1549 ऋचायें है। जिनमें से 75 के अतिरिक्त शेष ऋग्वेद से ली गई है। इन ऋचाओं का गान सोमयज्ञ के समय उदगाता करते थे। 'सामवेद' की तीन महत्वपूर्ण शाखाएँ हैं– कौमुथ, जैमिनीय या तलवाकर एवम् राणायनीय।

55. निम्नलिखित में से कौन सा वेद सबसे पुराना है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

SSC MTS 18/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : भारत के प्राचीनतम् धर्म ग्रंथ वेद की संख्या चार- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद है। जिसमें से ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। ऋग्वेद को ऋषियों-मुनियों के द्वारा मौखिक रूप में वर्णित ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संकलन के रूप में जाना जाता है। इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं 10462 ऋचाऐं है।

- यजुर्वेद को मंत्रों तथा बलि विधि के लिए जाना जाता है।
- सामवेद को भारतीय संगीत का जनक कहा जाता है।
- अथर्ववेद में आयुर्वेद और चिकित्सा पद्धति का वर्णन है।

56. 'पुरुष सूक्त' किस वेद का एक मंत्र संग्रह (सूक्त) है?

(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : पुरुष सूक्त ऋग्वेद संहिता के दसवें मण्डल का एक प्रमुख सूक्त है, जिसमें एक विराट पुरुष की चर्चा हुई है और उसके अंगो का वर्णन हुआ है। इसको वैदिक ईश्वर का स्वरूप मानते हैं।

57. वैदिक कालीन 'चतुराश्रम' व्यवस्था के अनुसार, पारिवारिक अवधि के लिए निम्न में से किस पद का प्रावधान किया गया है?

(a) संन्यास (b) ब्रह्मचर्य
(c) वानप्रस्थ (d) गृहस्थ

SSC GD 29/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : वैदिक कालीन चतुराश्रम व्यवस्था के अनुसार मानव जीवन को चार आश्रमों में बाँटा गया है। ये चार है - ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यास। छान्दोग्य उपनिषद में तीन आश्रमों का उल्लेख है परन्तु जबालोपनिषद में चारों आश्रमों का उल्लेख मिलता है।
गृहस्थ आश्रम - इस समय मनुष्य को अपने सामाजिक और पारिवारिक जीवन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह चरण 25 वर्ष से शुरू होता है और 50 वर्ष तक रहता है। गृहस्थ व्यक्ति के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ मनुष्य को अपने पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों दोनों को सन्तुलित करना होता है।

58. वेद ऋषि कपिल का संबंध भारतीय दर्शन के _____ संप्रदाय से था।

(a) न्याय (b) वैशेषिक
(c) सांख्य (d) मीमांसा

SSC GD 09/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : भारत में पहली शताब्दी से पूर्व 6 प्रमुख आस्तिक एवं 3 प्रमुख नास्तिक दार्शनिक मतों का प्रतिपादन हो चुका था। आस्तिक मत को षडदर्शन सिद्धांत कहते है जिसमें सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांशा और वेदांत शामिल है।
सांख्य दर्शन के प्रर्वतक कपिल मुनि थे। इस दर्शन को भारत का प्राचीनतम दर्शन माना जाता है। इस दर्शन में प्रकृति को प्रथम तत्व माना गया है।

दर्शन	-	प्रर्वतक
योग	-	महर्षि पतंजलि
न्याय	-	महर्षि गौतम
वैशेषिक	-	महर्षि कणाद
मीमांसा	-	आचार्य जैमिनी
वेदांत	-	महर्षि बादरायण

59. ऋग्वेद, कितनी पुस्तकों (मंडलों) में विभाजित है?

(a) 5 (b) 10
(c) 16 (d) 13

SSC GD 13/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : ऋग्वेद - यह प्राचीनतम वैदिक ग्रंथ है, इसकी रचना सप्त सैंधव प्रदेश में हुई थी। इसमें 10 मण्डल, 1028 श्लोक और लगभग 10462 मंत्र है। 10वें मण्डल में पुरुषसूक्त का उल्लेख है, जिसमें चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) का उल्लेख है।

60. निम्नलिखित मे से कौन सा उपवेद ऋग्वेद से संबंधित है?

(a) शिल्पवेद (b) गंधर्ववेद
(c) आयुर्वेद (d) धनुर्वेद

SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : उपवेद वेदों से सम्बन्धित माने जाते हैं ये चार हैं।– आयुर्वेद, गन्धर्व वेद, धनुर्वेद और शिल्पवेद। आयुर्वेद ऋग्वेद का उपवेद है इसमें चिकित्सा सम्बन्धी ज्ञान का वर्णन है।

61. ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये कौन सी नदियाँ हैं?

(a) रावी और चिनाब (b) अलकनंदा और भागीरथी
(c) व्यास और सतलुज (d) गंगा और यमुना

SSC CGL (Tier-I) 13/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ऋग्वेद में ऋषि विश्वमित्र और देवी के रूप में पूजी जाने वाली दो नदियों के बीच संवाद के रूप में एक भजन है। ये नदियाँ व्यास और सतलुज हैं।

62. अथर्ववेद _____खण्डों का संग्रह है।
(a) 5 (b) 10
(c) 15 (d) 20

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-II)

Ans. (d) : अथर्ववेद 20 खण्डों का संग्रह है। 731 सूक्त व लगभग 6000 ऋचाएँ हैं। चाँदी का उल्लेख सर्वप्रथम इसी में मिलता है।

63. वैदिक साहित्य की रचना किस काल में हुई?
(a) 3500 ई. पू. से 2500 ई. पू. के बीच
(b) 3500 ई. पू. से 1000 ई. पू. के बीच
(c) 2500 ई. पू. से 500 ई. पू. के बीच
(d) 3500 ई. पू. से 1000 ई. पू. के बीच

SSC CPO (TIER-1) 2016

Ans : (a) ऋग्वैदिक साहित्य का रचना काल 1500 B.C से 600 B.C तक माना जाता है। किन्तु कुछ आधुनिक शोध में इस सभ्यता को 5000 B.C के पास दर्शाया जा रहा है। वेद, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद (वेदांत) क्रमशः वैदिक साहित्य के अन्तर्गत आते है। वैदिक साहित्य की रचना 1500 ई. पू. से 600 ई. पू. के बीच हुई है।

64. कौन सा वेद धार्मिक अनुष्ठानों से संबंध रखता है?
(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद

SSC CGL (TIER-1) 03-09-2016, 4.15 pm

Ans : (b) यजुर्वेद कर्मकाण्ड प्रधान ग्रन्थ है। यजु का अर्थ यज्ञ होता है। इसमें आर्यो के याज्ञिक नियमों एवं विधियों का उल्लेख मिलता है। इसके मन्त्रों के उच्चारण को करने वाले को अध्वर्यु कहते है।

ऋग्वेदः आर्यो के सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन का विषद वर्णन ऋग्वेद में मिलता है। ऋग्वेद के पाठ करने वाले पुरोहित को होतृ कहा जाता था।

सामवेद :- साम का अर्थ-गान से है। सामवेद भारतीय संगीत का जनक माना जाता है। सामवेद का पाठ करने वाले पुरोहित को उद्गाता कहा जाता था।

अथर्ववेदः- तंत्र, मंत्र, जादू, टोना, वशीकरण एवं उपचार सम्बन्धी औषधियों से सम्बन्धित सूक्तों एवं मंत्रों का संकलन है। इस वेद के पुरोहित ब्रह्मा जी थे।

65. निम्नलिखित में से किस नदी को वैदिक काल में पुरुषनी के नाम से जाना जाता था?
(a) चिनाब (b) सतलज
(c) व्यास (d) रावी

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : रावी नदी को वैदिक काल (ऋग्वैदिक काल) में परुष्णी के नाम से जाना जाता था। दसराज्ञ युद्ध का उल्लेख ऋग्वेद के 7 वें मंडल में है, यह युद्ध परुष्णी नदी के तट पर सुदास एवं दस जनों के बीच लड़ा गया, जिसमें सुदास विजयी हुआ। रावी नदी हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में रोहतांग दर्रे से निकलकर हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर तथा पंजाब होते हुए पाकिस्तान में चली जाती है।
अस्किनी को चिनाब, शतुद्रि को सतलज तथा विपाशा को व्यास के आधुनिक नाम से जाना जाता है।

66. रावी नदी का ऋग्वैदिक नाम क्या है?
(a) वितस्ता (b) अस्किनी
(c) शुतुद्री (d) परूष्णी

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-III)

Ans. (d) : ऋग्वैदिक काल में भारत की अनेक नदियों का उल्लेख मिलता है। जिनमें प्रमुख रूप से सतलज (शुतुद्री), व्यास (विपाशा), झेलम (वितस्ता), रावी (परुष्णी), गंगा, यमुना, सरस्वती (सबसे पवित्र नदी) चेनाब (अस्किनी) गंडक (सदानीरा) इत्यादि हैं। ऋग्वेद में गंगा का 1 बार, तथा यमुना का 3 बार उल्लेख मिलता है।

67. निम्नलिखित में से कौन साथ विद्वान आर्यो के 'तिब्बत होम थ्योरी' से संबंधित है?
(a) मैक डोनेल (b) मैक्स मूलर
(c) दयानन्द सरस्वती (d) बाल गंगाधर तिलक

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : आर्यो के उद्गम स्थान के बारे में कई विचार प्रचलित है–
दयानन्द सरस्वती–आर्यो का उद्गम स्थान तिब्बत था।
मैक्स मूलर–आर्यो का उद्गम स्थान मध्य एशिया था।
गाइल्स और मैकडॉनेल–आर्यो का उद्गम स्थान दक्षिण-पूर्वी यूरोप है।
बाल गंगाधर तिलक–आर्यो का उद्गम स्थान उत्तरी-ध्रुव है।

68. सांख्य दर्शन संप्रदाय की स्थापना ..... द्वारा की गई थी।
(a) कुमारिल भट्ट (b) कपिल
(c) गौतम (d) पतंजलि

SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : सांख्य दर्शन संप्रदाय की स्थापना 'कपिल' द्वारा की गई थी। सांख्य दर्शन भारतीय दर्शन के छः प्रकारों में से एक है, जो प्राचीनकाल में अत्यन्त लोकप्रिय था।

69. कुल कितने वेदांग हैं?
(a) दो (b) छह
(c) पांच (d) दस

SSC CHSL 21/10/2020 (Shift-II)

Ans. (b) : वेदों को भली-भाँति समझने के लिए 6 वेदांगों की रचना हुई-

1. शिक्षा	–	स्वर शास्त्र (Phonology) (नॉक)
2. ज्योतिष	–	ज्योतिष शास्त्र (Astrology)(आँख)
3. कल्प	–	अनुष्ठान शास्त्र (Ritual)(हाथ)
4. व्याकरण	–	व्याकरण शास्त्र (Grammar)(मुख)
5. निरूक्त	–	शब्द की उत्पत्ति का अध्ययन (Study of history of word) (कान)
6. छंद	–	कविता के छंद (Poetic meters)(पैर)

70. वेदांगों के संदर्भ में, निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'अनुष्ठान' को दर्शाता है?
(a) छंद (b) कल्प
(c) व्याकरण (d) शिक्षा

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-I)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. एक समय पर, वैदिक सभ्यता में राजा को 'गोपति' कहते थे जिसका अर्थ था-

(a) बह्माण्ड का स्वामी (b) प्रजा का स्वामी
(c) भूमि का स्वामी (d) मवेशियों का स्वामी

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : वैदिक युग में राजा को गोपति (गायों का स्वामी) कहा गया। वैदिक काल में गायों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। ऋग्वेद में गायों को अघन्या (मारना वर्जित) कहा गया है। गायों को पूज्य एवं पवित्र माना गया तथा धनी व्यक्ति को गोमत कहा गया है।

72. भारत में वैदिक सभ्यता ——— नदी के किनारे विकसित हुई थी।

(a) तापी (b) गोदावरी
(c) नर्मदा (d) सरस्वती

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : भारत में वैदिक सभ्यता सरस्वती नदी के किनारे विकसित हुई थी। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को नदियों की अग्रवती, नदियों की माता, वाणी, प्रार्थना एवं कविता की देवी, बुद्धि को तीव्र करने वाली और संगीत की प्रेरणादायी कहा गया है। सरस्वती नदी ऋग्वेद की सबसे पवित्र नदी मानी जाती थी। इसे नदीतमा (नदियों की माता) कहा गया है। सरस्वती नदी अब राजस्थान के रेगिस्तान में विलीन हो गई है।

73. वेद, उपनिषद, पुराण और धर्मसूत्र किस भाषा में लिखे गए हैं?

(a) हिन्दी (b) प्राकृत
(c) पाली (d) संस्कृत

SSC MTS 9-10-2017 (Shift-I)

Ans : (d) वेद, उपनिषद्, पुराण और धर्मसूत्र संस्कृत भाषा में लिखे गये हैं। भारत का सर्वप्राचीन धर्मग्रन्थ वेद है, जिसके संकलनकर्ता कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास को माना जाता है। वेद चार है- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद एवं सबसे बाद का वेद अथर्ववेद है।

74. चार वेदों में से सबसे पुराना वेद कौन-सा है?

(a) ऋग्वेद (b) सामवेद
(c) यजुर्वेद (d) अथर्ववेद

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-III)

Ans. (a) : ऋग्वेद सबसे पुराना वेद है। यह सनातन धर्म का सबसे आरम्भिक श्रोत है। वेदों की संख्या (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) 4 है। ऋग्वेद में 1028 सूक्त तथा 10462 ऋचाएं हैं। जिसमें देवताओं की स्तुति की गई है। इसमें देवताओं का आह्वान करने के लिए मंत्र दिया गया है।

75. ऋग्वेद में एक हजार से अधिक स्तुतियां शामिल की गई हैं, उन्हें क्या कहा जाता है ?

(a) श्रुति (b) मंडल
(c) सूक्त (d) स्मृति

SSC JE Mechanical – 23/03/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : ऋग्वेद की उत्पति संस्कृत भाषा के ऋक (स्तवन करना) शब्द से हुई है जिसका अर्थ छन्दों एवं चरणों से युक्त मंत्र जो देवताओं की स्तुति में गाये गये हैं। ऋग्वेद में एक हजार से अधिक (1028) स्तुतियां शामिल की गई हैं, उन्हें 'सूक्त' कहा जाता है।

- ऋग्वेद में- 10 मण्डल, 8 अष्टक, 64 अध्याय, 1017 मूल सूक्त, 11 बल खिल्य सूक्त, 1028 कुल सूक्त 10462 ऋचाएं शामिल हैं।

76. प्राचीन भारत में लोगों को कितने वर्णों में विभाजित किया था?

(a) 2 (b) 6
(c) 4 (d) 5

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-I)

Ans : (c) चतुर्वर्ण समाज की कल्पना का आदि स्रोत ऋग्वेद के 10वे मंडल में वर्णित पुरुषसूक्त है, जिसके अनुसार चार वर्ण (ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र) है। भारत का सबसे प्राचीन धर्मग्रन्थ वेद है, जिनके संकलन कर्ता महर्षि 'वेद व्यास' है। वेद चार है- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एंव अथर्ववेद।

77. ऋग्वेद को ..... पुस्तकों या मंडलों में विभाजित किया गया है।

(a) 34 (b) 10
(c) 8 (d) 12

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I)

Ans. : (b) वेद विश्व के प्राचीनतम साहित्य तथा हिन्दुओं के आधारभूत धर्मग्रन्थ हैं। वेद मुख्यतः चार है- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। ऋग्वेद को चारों वेदों में सबसे प्राचीन माना जाता है। इसे 10 मण्डलों (1028 सूक्तों) में विभाजित किया गया है जिनमें कुल 10462 ऋचाएं (मंत्र) है। यूनेस्कों ने ऋग्वेद की 1800 से 1500 ई.पू. की 30 पांडुलिपियों को सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल किया है।

78. ऋग्वेद पांडुलिपि किस वर्ष में यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल की गई थी?

(a) 2005 (b) 2006
(c) 2004 (d) 2007

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-II)

Ans. (d) : यूनेस्को ने ऋग्वेद की 30 पांडुलिपियों को 2007 में मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया।

79. वैदिक भजनों या मंत्रों के संग्रह को ..... कहा जाता है।

(a) ज्ञाति (b) बली
(c) विदथ (d) संहिता

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)

Ans. : (d) संहिता हिन्दू धर्म के पवित्रतम और सर्वोच्च धर्मग्रन्थ वेदों का मन्त्र वाला खण्ड है। ये वैदिक वांग्मय का पहला हिस्सा है जिसमें काव्य रूप में देवताओं की यज्ञ के लिए स्तुति की गयी है। इनकी भाषा वैदिक संस्कृत है। चार वेद होने के कारण चार संहिताएँ भी है। भाषाविद और इतिहासकार ऋग्वेद संहिता को पूरे विश्व के सबसे प्राचीन ग्रन्थों में से एक मानते हैं।

80. निम्नलिखित में से.....को छोड़कर अन्य सभी वैदिक देवकुल के प्रमुख देवता थे।

(a) दुर्गा (b) अग्नि
(c) इंद्र (d) सोम

(SSC 10+2 CHSL 29.01.17, 10 am)

Ans : (a) अग्नि, सोम, इंद्र वैदिक देवता थे, जबकि दुर्गा शाक्त धर्म से सम्बन्धित देवी थीं। वैदिक देवताओं की संख्या 33 बतायी गयी है। जिनमें अग्नि, सोम, बृहस्पति, रूद्र, इंद्र प्रजापति, पर्जन्य, द्यौस, वरूण, मित्र इत्यादि प्रमुख देवता थे। वैदिक काल में सबसे महत्वपूर्ण देवता इन्द्र थे उसके बाद अग्नि का स्थान था। वैदिक कालीन देवियों में ऊषा, अदिति, पृथ्वी, इला, सरस्वती, अरण्यानी, भारती इत्यादि प्रमुख थी।

81. 'सत्यमेव जयते' शब्द किस उपनिषद से लिया गया है?

(a) अक्षि उपनिषद (b) मुण्डक उपनिषद
(c) गरूड़ उपनिषद (d) महावाक्य उपनिषद

SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 10 am

Ans : (b) भारत के राष्ट्रीय प्रतीक पर उल्लिखित 'सत्यमेव जयते' शब्द मुंडकोपनिषद् से लिया गया है। जिसका अर्थ है। सत्य की ही विजय होती है। यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीक पर नीले देवनगरी लिपि में अंकित है इसे राष्ट्र पटल पर लाने और उसका प्रचार करने में पंडित महामना मदनमोहन मालवीय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत का आदर्श राष्ट्रीय वाक्य सत्यमेव जयते मुण्डकोपनिषद में उल्लिखित है। जिसका अर्थ - 'सत्य की सदैव विजय होती है।' भारत का यह राष्ट्रीय आदर्श वाक्य महान मौर्य सम्राट अशोक द्वारा सारनाथ (वाराणसी-यू.पी.) में स्थापित सारनाथ के अशोक स्तम्भ के शीर्ष से लिया गया है। यह स्तम्भ शीर्ष (भारत का) हमारे देश का राजचिन्ह भी है।
उपनिषदों की कुल संख्या 108 है। प्रश्न में उल्लिखित अक्षि, गरुण, महावाक्य नाम का कोई भी उपनिषद नहीं है।
मुण्डकोपनिषद में यज्ञ को टूटी हुई नौका के समान बतलाया गया है। तथा कहा गया है कि जो मनुष्य इनका अनुकरण करेगा वह बारम्बार जरामृत्यु को प्राप्त होगा।

82. भारत के राष्ट्रीय प्रतीक पर उल्लिखित 'सत्यमेव जयते' शब्द किस उपनिषद से लिए गए हैं?

(a) केन (केनोपनिषाद)
(b) मुंडक (मुंडकोपनिषद)
(c) कठ (कठोपनिषद)
(d) प्रश्न (प्रश्नोपनिषद)

SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-II)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. निम्नलिखित में से क्या वेदांग नहीं है?

(a) कल्प (b) छंद
(c) मुंडक (d) शिक्षा

SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : वेदों के अर्थ को अच्छी तरह से समझने में वेदांग काफी सहायक होते हैं। वेदांगों की कुल संख्या 6 है, जो इस प्रकार है- शिक्षा,कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष। वैदिक स्वरों के शुद्ध उच्चारण के लिए शिक्षा शास्त्र की रचना की गई, कल्प का अर्थ है कर्मकाण्ड अर्थात् विधिनियम, व्याकरण का कार्य भाषा को वैज्ञानिक शैली प्रदान करना है। निरुक्त का अर्थ है व्युत्पत्ति शास्त्र, छन्द पद्यों को चरणों में सूत्रबद्ध करने के लिए इसकी स्थापना की गयी।

84. ऋग्वेद का कौन-सा मंडल पूर्णतः सोम को समर्पित है?

(a) सातवाँ मंडल (b) आठवाँ मंडल
(c) नौवाँ मंडल (d) दसवाँ मंडल

SSC JE Civil - 24/01/2018 (Shift-II)

Ans. (c) : ऋग्वेद का नौवाँ मण्डल पूर्णतः सोम देवता को समर्पित है। इनका निवास स्थान हिमालय पर्वत की चोटी बताया गया है। ऋग्वेद के दसवें मण्डल में वर्णित पुरुष सूक्त में विराट पुरुष द्वारा चार वर्गों की उत्पत्ति का वर्णन मिलता है। इसमें कहा गया है कि ब्राह्मण परम-पुरुष के मुख से, क्षत्रिय उसकी भुजाओं से, वैश्य उसकी जाघों से एवं शूद्र उसके पैरों से उत्पन्न हुआ है। ऋग्वेद का आठवाँ मण्डल कण्वों व अंगिरस वंश से संबंधित है।

4. महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas)

85. निम्न में से कौन-सा प्राचीन भारत का पहला साम्राज्य है, जिसमें युद्ध के लिए बड़े पैमाने पर हाथियों का उपयोग किया जाता था?

(a) शुंग (b) चोल
(c) मगध (d) कुषाण

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : मौर्य शासन के उत्थान के पहले की दो सदियों में मगध साम्राज्य के विकास का दौर समकालीन ईरानी साम्राज्य के दौर के समान रहा है। मगध में बिंबिसार, अजातशत्रु और महापदमनंद जैसे महात्वाकांक्षी शासकों ने लगातार इसके विस्तार से इसे मजबूत किया। मगध के निकट लोहे भंडारों की उपस्थिति के कारण मगध की भौगोलिक स्थित लौह युग में उपयुक्त थी। साक्ष्य यह साबित करते हैं कि वैदिक काल के बाद मगध भारत का पहला साम्राज्य है, जिसमें युद्ध के लिए बड़े पैमाने पर हाथियों का उपयोग किया जाता था।

86. भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल के दौरान सातवीं और छठीं शताब्दी ईसा पूर्व में कितनी महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थीं?

(a) 11 (b) 13
(c) 17 (d) 16

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans : (d) गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक ग्राम पर हुआ था। गौतम बुद्ध के जीवनकाल के दौरान छठीं एवं सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में भारत में 16 महान शक्तियाँ (महाजनपद) अस्तित्व में थे जो निम्नवत् हैं-

महाजनपद		**राजधानी**
1. वत्स	→	कौशाम्बी
2. काशी	→	वाराणसी
3. अंग	→	चम्पा
4. मगध	→	गिरिव्रज (राजगृह)
5. वज्जि	→	वैशाली/मिथिला/ विदेह
6. कोशल	→	श्रावस्ती
7. अवन्ति	→	उज्जैन/महिष्मती
8. मल्ल	→	कुशावती/कुशीनारा
9. पांचाल	→	अहिच्छत्र/कांपिल्य
10. चेदि	→	शक्तिमती/सूक्तिवती
11. कुरू	→	इंद्रप्रस्थ
12. मत्स्य	→	विराटनगर
13. गान्धार	→	तक्षशिला
14. अश्मक	→	पोटन/पोटली (द. भारत में)
15. शूरसेन	→	मथुरा
16. कम्बोज	→	हाटक/राजपुर

87. निम्नलिखित में से कौन-सा राजशाही राज्यों में एक नहीं हैं जो कि सातवीं और छठी सदी के शुरू में ईसा पूर्व भारत में मौजूद है?

(a) मगध (b) वैशाली
(c) अवंती (d) कोशल

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans : (b) महाजनपद काल में वज्जि (वैशाली) व मल्ल (कुशावती) संघ थे ऐसे राज्यों का शासन राजा द्वारा न होकर गण/संघ द्वारा होता था, जबकि महाजनपद राजाओं द्वारा शासित होते थे परन्तु कुछ में अलग प्रकार की शासन व्यवस्था थी।

88. 16 महाजनपदों में से किसकी राजधानी तक्षशिला थी?

(a) कोशल (b) कुरु
(c) वज्जि (d) गांधार

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d) : बौद्ध ग्रन्थ अगुंत्तर निकाय एवं जैन ग्रन्थ भगवती सूत्र में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।

महाजनपद	**-**	**राजधानी**
कोशल	-	श्रावस्ती/अयोध्या
कुरु	-	इन्द्रप्रस्थ
वज्जि	-	विदेह एवं मिथिला
गांधार	-	तक्षशिला

89. कौन सा बौद्ध ग्रंथ 16 महाजनपदों का उल्लेख करता है?

(a) दीघ निकाय (b) सुत्त पिटक
(c) अंगुत्तर निकाय (d) विनय पिटक

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-II)

Ans : (c) बौद्ध ग्रन्थ अगुंत्तर निकाय तथा जैन ग्रन्थ भगवतीसूत्र में 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है। जबकि सुत्त पिटक में बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएं (जातक कथाएं) वर्णित है तथा बौद्ध धर्म के उपदेश संगृहीत है। विनयपिटक में भिक्षु और भिक्षुणियों के संघ एवं दैनिक जीवन सम्बन्धी आचार-विचार, नियम संगृहीत है। अभिधम्म पिटक में बौद्ध दार्शनिक सिद्धान्तों का वर्णन है। यह प्रश्नोत्तर के रूप में है।

90. प्रारंभ में राजगृह जो आधुनिक ____ के राजगीर का प्राकृत नाम है, जो मगध की राजधानी थी।

(a) बंगाल (b) उड़ीसा
(c) पंजाब (d) बिहार

(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans : (d) प्राचीन मगध साम्राज्य की राजधानी राजगृह (गिरिव्रज) बिहार में स्थित थी। मगध साम्राज्य के अंतर्गत आधुनिक बिहार के पटना, गया व शाहाबाद जिले के क्षेत्र सम्मिलित थे। सोलह महाजनपदों में से एक मगध साम्राज्य के रूप में आविर्भाव हर्यक वंश के शासन के साथ हुआ। इसके बाद शिशुनाग वंश व नन्द वंश का शासन हुआ। मगध के शक्तिशाली शासकों में बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदयिन, कालाशोक एवं महापद्मनंद माने जाते हैं।

91. प्राचीन भारत में महाजनपदों के शासक अपने क्षेत्र के _____ से 'भागा' नामक कर एकत्र करते थे।

(a) किसानों (b) चरवाहों
(c) शिल्पकारों (d) शिकारियों और एकत्रकों

SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : प्राचीन भारत में महाजनपदों के शासक अपने क्षेत्र के किसानों से 'भागा' नामक कर एकत्र करते थे। उस समय कृषि मुख्य व्यवसाय था। आमतौर पर जो उत्पादन किया जाता था, उसका 1/6 हिस्सा कर के रूप में वसूला जाता था।

92. निम्नलिखित में से कौन सा, 16 महाजनपदों में से एक नहीं था?

(a) कुरु (b) कामरूप
(c) कोशल (d) अंग

SSC GD 14/12/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : 16 महाजनपदों में 'कामरूप' शामिल नहीं था जबकि कोशल, कुरू तथा अंग 16 महाजनपदों में शामिल थे। इन 16 महाजनपदों मे मगध सबसे शक्तिशाली था।

93. प्राचीन चंपा शहर को _____महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

(a) काशी (b) मत्स्य
(c) अंग (d) वज्जि

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-II)

Ans. (c) : प्राचीन चंपा शहर को अंग महाजनपद की राजधानी माना जाता है।

5. मगध का उत्कर्ष (Emergence of Magadh)

94. मौर्य वंश ने निम्न में से किस राजवंश के बाद मगध पर शासन किया था?

(a) नंद राजवंश (b) शुंग राजवंश
(c) गुप्त राजवंश (d) कुषाण राजवंश

SSC GD 09/12/2021 (Shift-I)

Ans. (a) नन्दवंश का अन्तिम शासक घनानन्द था यह सिकन्दर का समकालीन था। चाणक्य की मदद से चन्द्रगुप्त मौर्य ने इसे युद्ध में पराजित किया और मगध पर एक नये राजवंश मौर्य वंश (322 ई. पू.–184 ई. पू.) की स्थापना की। चन्द्रगुप्त मौर्य मगध की राजगद्दी पर 322 ई. पूर्व में बैठा। चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई. पूर्व में सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म का अनुयायी था।

हर्यक वंश	-	544 ई. पू. – 412 ई. पू.
शिशुनाग वंश	-	412 ई. पूर्व – 344 ई. पू.
नन्द वंश	-	344 ई. पू. – 324 ई. पू.
मौर्यवंश	-	322 ई. पू. – 184 ई. पू.

95. बिंबिसार किस वंश के राजा थे?

(a) हर्यंक (b) मौर्य
(c) शुंग (d) नन्द

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) बिम्बिसार (544 ईसा पूर्व – 492 ईसा पूर्व) ने मगध में हर्यंक वंश की स्थापना की। उसने अंग राज्य को जीतकर अपने साम्राज्य का विस्तार किया यही विस्तार 'आगे चलकर' मौर्य साम्राज्य के विस्तार का भी आधार बना। पुराणों के अनुसार बिंबिसार को श्रेणिक कहा गया है। बिंबिसार ने मगध के यश और सम्मान को वैवाहिक संधियों और विजयों के माध्यम से काफी बढ़ाया। उसकी एक रानी कोशल के राजा प्रसेनजित की बहन थी।

मौर्य राजवंश–मौर्य राजवंश (322–184 ईसा पूर्व) प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली एवं महान राजवंश था इसने 137 वर्ष तक भारत में राज्य किया। इसकी स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उसके मंत्री कौटिल्य को जाता है।

शुंग वंश–शुंग वंश प्राचीन भारत का एक शासकीय वंश था जिसने मौर्य वंश के बाद शासन किया। इसका शासन उत्तर भारत में 184 ई.पू. से 75 ई. पू. तक यानि 109 वर्षों तक रहा।
नंद वंश–प्राचीन भारत का एक राजवंश था जिसने पाँचवीं–चौथी शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत के विशाल भाग पर शासन किया।

96. राजा अजातशत्रु _____वंश के शासक थे।
(a) मौर्य (b) शिशुनाग
(c) हर्यक (d) नंद
SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

97. हर्यंक वंश से मगध के पहले शासक ———— थे।
(a) बिम्बिसार (b) अशोक
(c) प्रसेनजित (d) अजातशत्रु
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : हर्यंक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की गद्दी पर 544 ई. पू. में बैठा था। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। बिम्बिसार ने गिरिव्रज (राजगृह) का निर्माण कर उसे अपनी राजधानी बनाया तथा इसने मगध पर 52 वर्षों तक शासन किया था। बिम्बिसार की हत्या उसके ही पुत्र अजातशत्रु ने कर दी तथा 492 ई. पू. में मगध की गद्दी पर बैठा।

98. निम्नलिखित में से कौन नंद वंश का अंतिम शासक था?
(a) घनानंद (b) पांडुका
(c) गोविषाणक (d) कैवर्त
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (a) : नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रांतक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (परशुराम का अवतार) कहा गया है उसने 'एकराट' और 'एकच्छत्र' की उपाधि धारण की। महापद्मनंद के आठ पुत्रों में घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसी के समय सिकन्दर (325 ई.पू.) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। ग्रीक लेखकों ने घनानंद को 'अग्रमीज' कहा है। 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से घनानंद की हत्या कर मौर्यवंश के शासन की नीव डाली।

99. हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु किस का पुत्र था?
(a) अनिरुद्ध (b) उदयिन
(c) बिंबिसार (d) नागा-दसक
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु, बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु 492 ई. पू. में अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके गद्दी पर बैठा। अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था तथा प्रारम्भ में वह जैन धर्म का अनुयायी था परन्तु बाद में इसने बौद्ध धर्म अपना लिया। इसने राजगृह में स्तूपों का निर्माण करवाया और 483 ई. पू. राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया।

100. प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक की नियुक्ति किसके दरबार में की गई थी?
(a) कृष्णदेव राय (b) बिम्बिसार
(c) अशोक (d) समुद्रगुप्त
SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की राजगद्दी पर 544 ई.पू. (बौद्ध ग्रंथों के अनुसार) में बैठा था। प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक मगध के सम्राट बिम्बिसार के राजवैद्य थे। महात्मा बुद्ध की सेवा में बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य 'जीवक' को भेजा था। इसके अतिरिक्त जब अवन्ति प्रदेश के राजा प्रद्योत पाण्डु रोग से ग्रसित थे तब भी बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को उनकी सेवा सुश्रुषा के लिए भेजा था। जीवक 7 वर्ष तक तक्षशिला में चिकित्सा शास्त्र का अध्ययन किया था। जीवक राजगृह की गणिका सालवती का पुत्र था लोक लाज के कारण उसकी माँ उसे राजगृह की गलियों में फेंक दिया था। जीवक को बिम्बिसार के पुत्र अभय ने शिक्षण हेतु तक्षशिक्षा भेजा वह बालरोग तथा शल्य चिकित्सा का विशेषज्ञ था। उसकी फीस 16000 कर्षापण थी। ऐसा माना जाता है कि बिम्बिसार का पुत्र अभय वैशाली की गणिका आम्रपाली का पुत्र था।

101. ग्रीक (यूनानी) लेखकों द्वारा किसे ''अग्रमीज'' या ''जैन्ड्रमीज'' कहा गया?
(a) अजातशत्रु (b) कालाशोक
(c) महापद्मनंद (d) धनानंद
SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d) : धनानंद नंद वंश का अन्तिम शासक था। यूनानी लेखकों ने इसे 'अग्रमीज' या 'जैन्ड्रमीज' कहा है। महापद्मनंद मगध साम्राज्य का सबसे शक्तिशाली शासक था। इसने पहली बार कलिंग की विजय की तथा वहाँ एक नहर भी खुदवाई, जिसका उल्लेख कलिंग शासक खारवेल ने अपने हाथीगुम्फा अभिलेख में किया है। व्याकरणाचार्य पाणिनि इसके मित्र थे।

102. नंद राजवंश का संस्थापक कौन था?
(a) धनानंद (b) महेंद्र
(c) महापद्म नंद (d) गजानंद
SSC JE Civil - 24/01/2018 (Shift-I)

Ans. (c) : नंद राजवंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में इसे सर्वक्षत्रान्तक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (दूसरे परशुराम का अवतार) कहा गया है। इसनें एकराट् और एकछत्र की उपाधि धारण की। ध्यातव्य है कि महापद्म नंद का पुत्र घनानंद सिकन्दर का समकालीन था तथा चन्द्रगुप्त मौर्य ने घनानदं की हत्या कर मौर्य वंश की स्थापना की थी। नंद शासक जैन मत के पोषक थे। धनानंद के जैन अमात्य शक्टाल तथा स्थूलभद्र थे।

103. निम्नलिखित में से किस राजवंश ने मगध साम्राज्य पर शासन नहीं किया था?
(a) नंद (b) हर्यक
(c) गुप्त (d) शिशुनाग
SSC JE Mechanical - 25/09/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : मगध साम्राज्य की उत्पत्ति 6वीं शताब्दी ई.पू. से चौथी शताब्दी के मध्य हुआ था। मगध उत्तर भारत में सबसे शक्तिशाली और समृद्ध साम्राज्य के रूप में उभरा। मगध साम्राज्य के संस्थापक 'जरासंध' और 'बृहद्रथ' थे। इसका विकास 'हर्यक वंश' के समय में शुरू हुआ, इसका विस्तार 'शिशुनाग' एवं 'नंद वंश' के समय हुआ और अंततः 'मौर्य वंश' के शासनकाल में मगध साम्राज्य अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुँच गया। मगध साम्राज्य पर 'गुप्त वंश' ने शासन कभी नहीं किया था।

104. अजातशत्रु.....का बेटा था।
(a) ब्रह्मदत्त (b) बिन्दुसार
(c) बिंबिसार (d) चेटक
(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 10 am)

Ans : (c) अजातशत्रु मगध का एक प्रतापी सम्राट एवं हर्यक वंश के महान शासक बिंबिसार का पुत्र था। उसने अपने पिता की हत्याकर राज्य प्राप्त किया था। अजातशत्रु ने अंग, लिच्छवि, वज्जि, कोशल तथा काशी जनपदों को अपने राज्य में मिलाकर एक विस्तृत सम्राज्य की स्थापना की थी। बुद्ध का महापरिनिर्माण इसके शासनकाल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटना थी।

105. निम्नलिखित में से कौन से शासक मगध साम्राज्य से संबंधित नहीं है?

(a) बिम्बिसार (b) अजातशत्रु
(c) राजाधिराज (d) महापद्म नंद

(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c)

सूची-I	—	सूची-II
राजा	—	राज्य
1. बिम्बिसार (544-492 ई.पू.)	—	मगध
2. अजातशत्रु (492-460 ई.पू.)	—	मगध
3. महापद्मनंद (344 ई.पू.)	—	मगध
4. राजाधिराज प्रथम (1044-1052 ई.)	—	चोल साम्राज्य

106. मगध एक शक्तिशाली महाजनपद होते हुए भी वैशाली (बिहार) में अपनी राजधानी वज्जि सहित प्रशासन के एक अन्य स्वरूप के अधीन था जो ____कहलाता था।

(a) लोकतंत्र (b) गण या संघ
(c) पंचायती (d) समाजवाद

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (b) मगध साम्राज्य ने 544 ई.पू. से 323 ई.पू. तक शासन किया। इस साम्राज्य में हर्यक वंश, शिशुनाग वंश और नंद वंश थे। वज्जि एक महाजनपद था जो आठ राज्यों का संघ था। इसकी राजधानी वैशाली थी। बुद्ध के समय में यह एक शक्तिशाली संघ था। हर्यक वंश के शासक अजातशत्रु ने वज्जि को मगध साम्राज्य में मिला लिया था।

107. चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में, मगध की राजधानी को —— स्थानांतरित कर दिया गया था।

(a) मथुरा (b) पाटलिपुत्र
(c) वाराणसी (d) पानीपत

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : बिहार की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। सम्राट अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने यहाँ साम्राज्य स्थापित कर अपनी राजधानी बनाई। जिससे पाटलिपुत्र सत्ता का केन्द्र बन गया। फाहियान ने अपने यात्रा वृतान्त मे उसका जीवन्त वर्णन किया और मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया।

6. जैन धर्म/बौद्ध धर्म/भागवत/शैव धर्म (Jainism/Buddhism/ Bhagvatism/Shaivism)

(i) जैन धर्म (Jainism)

108. भगवान महावीर को मोक्ष निम्न में से किस स्थान पर प्राप्त हुआ था?

(a) सोनागिरि (b) पावापुरी
(c) श्रवणबेलगोला (d) माउंट आबू

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। इनका जन्म 540/599 ई.पू. वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ था, जिसे आधुनिक बसाढ़ कहते है। बारह वर्ष की कठिन तपस्या के बाद महावीर को अंग देश के जृम्भिक ग्राम के निकट ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान (कैवल्य) प्राप्त हुआ। ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी ने अपना पहला उपदेश राजगृह में बितूलाचल पहाड़ी पर बराकर नदी के तट पर दिया।
महावीर की मृत्यु (मोक्ष की प्राप्ति) राजगृह के निकट पावापुरी में 72वर्ष की अवस्था में हुई।

109. _____ ज्ञातृक (या झात्रिक) {Jantrika (or Jhatrika} क्षत्रिय वंश के प्रमुख के पुत्र थे ।

(a) गौतम बुद्ध (b) ऋषभनाथ
(c) पार्श्वनाथ (d) वर्धमान महावीर

SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : वर्धमान महावीर जैन धर्म के 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर थे। महावीर का जन्म 540/599 ई.पू. में वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ था, जो कि वज्जि महाजनपद के अंतर्गत आने वाले ज्ञातृक गण (Jnatrika) के मुखिया थे। उनकी माता का नाम त्रिशला था, जो कि वैशाली के लिच्छवि नरेश चेटक की बहन थी।

110. किस भारतीय धर्म में 24 तीर्थंकर हुए थे?

(a) जैन (b) बौद्ध
(c) हिन्दू (d) सिक्ख

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am)

Ans : (a) जैन धर्म में कुल 24 तीर्थङ्कर या **वीतराग** हुए। तीर्थङ्कर उसे कहते हैं जो मानव को संसार रूपी सागर से पार उतारे। पूज्य होने के कारण तीर्थङ्करों को अर्हत भी कहा जाता है। एक से 22 तक तीर्थङ्करों की ऐतिहासिकता संदिग्ध है 23वें तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ तथा 24 वें तीर्थङ्कर महावीर स्वामी ऐतिहासिक पुरुष माने जाते है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थङ्कर ऋषभदेव/आदिदेव/केशरियानाथ का जन्म अयोध्या में इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय परिवार में हुआ था। वहीं 23वें तीर्थङ्कर पार्श्वनाथ काशी के राजा अश्वसेन के पुत्र थे। 24वें तीर्थङ्कर महावीर स्वामी का जन्म वज्जि गणराज्य के ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान सिद्धार्थ के यहाँ वैशाली (कुण्डग्राम) में हुआ था।

111. निम्नलिखित में से कौन सा धार्मिक समुदाय व्यावहारिक जीवन में दस सार्वभौमिक गुणों का पालन करके आत्मशुद्धि और उत्थान के लिए प्रतिवर्ष 'पर्युषण पर्व' मनाता है?

(a) पारसी समुदाय (b) हिंदू समुदाय
(c) सिख समुदाय (d) जैन समुदाय

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (d) 'पर्युषण पर्व' जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा मनाया जाता है। इस पर्व का मुख्य आधार जीवन के नैतिक मूल्यों को धारण करना, सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलना है। इस समुदाय के लोग क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, तप, त्याग, आकिचन्य और ब्रह्मचर्य गुणों का पालन करते है।

112. भगवान महावीर का जन्म वर्तमान समय के किस राज्य में हुआ?

(a) पंजाब (b) गुजरात
(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

SSC JE Electrical 10.12.2020 (Shift-II)

Ans (d) : जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम (बिहार) के ज्ञातृक कुल के प्रधान सिद्धार्थ के यहां 540/599 ईसा पूर्व में हुआ था। इनकी माता का नाम त्रिशला तथा पत्नी का नाम यशोदा था। 30 वर्ष की अवस्था में गृहत्याग के बाद 12 वर्ष की कठोर तपस्या के बाद महावीर को जृम्भिकग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे एक साल के वृक्ष के नीचे 'कैवल्य' (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ इनकी मृत्यु पावापुरी में 468/527 ई.पू. में हुई। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे।

113. जैन धर्म के पहले तीर्थकर कौन थे?

(a) महावीर स्वामी (b) अजितनाथ
(c) ऋषभदेव (d) पार्श्वनाथ

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)

Ans. (c) : जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए हैं। तीर्थंकर जैन धर्म में उसके संस्थापक एवं जितेन्द्रिय तथा ज्ञान प्राप्त महात्माओं की उपाधि थी। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव एवं चौबीसवें तीर्थकर महावीर स्वामी थे। जैन महात्माओं को निर्ग्रन्थ (बन्धनरहित) तथा जैन संस्थापकों को तीर्थंकर कहा गया। तीर्थंकर दो शब्दों 'तीर्थ' और 'कर' से मिलकर बना है। तीर्थ का अर्थ उन विविध नियमों से है जो मनुष्य को इस भवसागर से पार उतार दे। ऋग्वेद में ऋषभदेव और अरिष्टनेमि का उल्लेख मिलता है।

114. संथारा.....समुदाय का एक धार्मिक संस्कार है।

(a) सिक्ख धर्म (b) ज्यू धर्म
(c) जैन (d) बौद्ध धर्म

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)

Ans : (c) संथारा या अन्वर्थकी या निष्प्रतिकारमरण्वैकुण्ठ सल्लेखना, जैन समुदाय का एक धार्मिक संस्कार है। जैन धर्म में इसका अर्थ उपवास द्वारा प्राण त्याग करना है। संथारा श्वेताम्बरों में प्रचलित है जबकि दिगम्बर इस परम्परा को सल्लेखना कहते है। चन्द्रगुप्त मौर्य, राष्ट्रकूट नरेश इन्द्र चतुर्थ तथा विद्वान हेमचन्द्र अपने जीवन के अन्तिम समय में इसी पद्वति के द्वारा मृत्यु का वरण किया था।

115. कैवल्य कौन-से धर्म से सम्बन्धित है?

(a) बौद्ध (b) जैन
(c) हिन्दू (d) सिक्ख

SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 10 am

Ans : (b) कैवल्य जैन धर्म से सम्बन्धित है। जैन धर्म में कैवल्य को सर्वोच्च एवं पूर्ण ज्ञान कहते हैं जो केवल तीर्थङ्कर को ही प्राप्त होगा। जैन धर्म में अज्ञान से पूर्ण ज्ञान की ओर बढ़ते समय 14 गुणस्थान (चरणों) से गुजरना पड़ता है इसमें 13वाँ चरण ज्ञान का है यह जिसे प्राप्त होगा वह 'अर्हत्' कहलायेगा। एक अर्हत् को जव सिद्धान्त देने की क्षमता प्राप्त हो जाती है तो उसे कैवल्य की प्राप्ति होगी तथा अव वह तीर्थङ्कर कहलायेगा। महावीर स्वामी को गृहत्याग के 12 वर्ष पश्चात 42 वर्ष की अवस्था में जृम्भिक ग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी (उज्जुवालिया) वर्तमान वराकर नदी के तट पर समगा गृहस्थ के खलिहान में शालवृक्ष के नीचे कैवल्य की प्राप्ति हुई।

116. जैनियों द्वारा अपने पवित्र ग्रन्थों के लिए सामूहिक रूप से किस शब्द का प्रयोग किया जाता है?

(a) प्रबंध (b) अंग
(c) निबन्ध (d) चरित

SSC CGL (TIER-1) 10-09-2016, 10 am

Ans : (b) जैनियों द्वारा अपने पवित्र ग्रन्थों के लिए सामूहिक रूप से जैन आगम (साहित्य) शब्द का प्रयोग किया जाता है। इसके अन्तर्गत 12 अंग 12 उपांग, 6 छेदसूत्र, 4 मूलसूत्र 10 प्रकीर्णक, 2 चूलिका सूत्र, नान्दीसूत्र एवं अनुयोगद्वार को सम्मिलित किया जाता है। अंगों एवं उपांगों पर जो भाष्य लिखे गये है वे निर्युक्ति, चूर्णि, एवं टीका, कहलाते है। क्योकि विकल्प में आगम शब्द का उल्लेख नहीं है इसलिए अंग माना जा सकता है।

117. प्रथम और चौथे जैन तीर्थंकर के जन्म स्थान के रूप में मान्यता प्राप्त पवित्र शहर का नाम बताइये ———

(a) वाराणसी (b) द्वारका
(c) अयोध्या (d) गया

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव और चतुर्थ तीर्थंकर अभिनंदनाथ का जन्म स्थान अयोध्या (उत्तर प्रदेश) था। विदित है कि जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए तथा 24 वें एवं अन्तिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे।

118. जैन दर्शन शास्त्र के अनुसार, 'जिन' शब्द का अर्थ —— होता है।

(a) ईश्वर (b) विजेता
(c) बंधनों से मुक्ति (d) योग्य

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : जैन दर्शन के अनुसार 'जिन' शब्द का अर्थ विजेता होता है।

119. महावीर के शिक्षाए, जो कि लगभग 1500 वर्ष पूर्व लिखी गई थी, वर्तमान में कहाँ उपस्थित हैं?

(a) मुम्बई, महाराष्ट्र
(b) भोपाल, मध्य प्रदेश
(c) वल्लभी, गुजरात
(d) कोलकाता, पश्चिम बंगाल

SSC MTS 7-10-2017 (Shift-I)

Ans. (c) : महावीर जैन धर्म के चौबीसवे तीर्थकर है। महावीर का जन्म करीब ढाई हजार साल पहले वैशाली राज्य के कुण्डलपुर ग्राम में हुआ था। महावीर की शिक्षाएं, आज भी बल्लभी गुजरात में उपस्थित है जो लगभग 1500 वर्ष पूर्व लिखी गई थी।

(ii) बौद्ध धर्म (Buddhism)

120. कहा जाता है कि प्रथम बौद्ध परिषद को द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया था।

(a) पोरस (b) अशोक
(c) अजातशत्रु (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : बौद्ध सभायें–

सभा	समय	स्थान	अध्यक्ष	शासनकाल
प्रथम बौद्ध संगीति	483 ई.पू.	राजगृह	महाकश्यप	अजातशत्रु
द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ई.पू.	वैशाली	सर्वकामी	कालाशोक
तृतीय बौद्ध संगीति	251 ई.पू.	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ बौद्ध संगीति	ई. की प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन	वसुमित्र/ अश्वघोष	कनिष्क

121. प्राचीन बौद्ध ग्रंथ निम्न में से किस भाषा में लिखे गये थे?

(a) पालि (b) अपभ्रंश
(c) प्राकृत (d) संस्कृत

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : पालि एक अप्रचलित प्राकृत है। बौद्ध धर्म का वैधानिक साहित्य 'पालि' भाषा में है जिसे त्रिपिटक कहते है। तीनों पिटक हैं- विनयपिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्मपिटक।

122. ..... की पालक माता, महाप्रजापति गौतमी ऐसी महिला थी, जिन्हें भिक्षुणी के रूप में चुना गया था?

(a) बिन्दुसार (b) अर्जुन
(c) बुद्ध (d) अशोक

SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : महात्मा बुद्ध की मौसी (पालनकर्ता) महाप्रजापति गौतमी पहली महिला थी, प्रिय शिष्य आनन्द के कहने पर जिन्हें भिक्षुणी के रूप में चुना गया था।

123. अपने महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अंतिम उपदेश कहाँ दिया था?

(a) वैशाली (b) लुंबिनी
(c) कुशीनगर (d) सारनाथ

SSC GD 03/12/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : महापरिनिर्वाण से पहले बुद्ध ने अन्तिम उपदेश वैशाली में दिया था। कुशीनगर में रामाभर स्तूप का निर्माण बुद्ध की राख के एक हिस्से के साथ किया गया था; जहाँ उनका दाह संस्कार हुआ था।

124. गौतम बुद्ध कौन-से गणराज्य के थे?

(a) शिबी (b) शाक्य
(c) सौरसेना (d) शबारा

SSC CGL (TIER-1) 10-09-2016, 4.15 pm

Ans : (b) गौतम बुद्ध शाक्य गणराज्य के निवासी थे। शाक्य गणराज्य बौद्ध काल में उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर भाग तथा नेपाल के तराई वाले भाग में स्थित था। कपिलवस्तु इसकी राजधानी थी। गौतम बुद्ध के पिता शुद्धोधन शाक्य गणराज्य के गणमुख्य थे। शाक्य गण से सम्बन्धित होने के कारण ही इनका वंश शाक्य वंश कहलाया। शाक या सागौन वृक्षों की अधिकता के कारण ही इस गणतंत्र का नाम शाक्य गणतंत्र पड़ा।

125. गौतम बुद्ध की मृत्यु के तत्काल बाद किस बौद्ध परिषद को आयोजित किया गया था?

(a) चौथी (b) तीसरी
(c) दूसरी (d) पहली

(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)

Ans : (d) महात्मा बुद्ध के परिनिर्वाण के अल्प समय के पश्चात् ही उनके उपदेशों को संग्रहीत करने, उनका पाठन करने आदि के उद्देश्य से संगीति (सम्मेलन) की प्रथा चल पड़ी। इन्हें धम्म संगीति कहा जाता है। संगीति का अर्थ है साथ-साथ गाना।

प्रथम बौद्ध संगीति–समय–483 ई. पू., स्थान–राजगृह, अध्यक्ष–महाकस्सप, शासनकाल–अजातशत्रु। दो पिट्टकों सुत्त एवं विनय का संकलन हुआ।

द्वितीय बौद्ध संगीति–समय–383 ई.पू., स्थान–वैशाली, अध्यक्ष–सर्वकामी, शासनकाल–कालाशोक। बौद्ध धर्म, स्थाविर एवं महासंघिक में विभक्त हो गया। (मानसिक विभाजन)

तृतीय बौद्ध संगीति–समय–251 ई.पू., स्थान–पाटलिपुत्र, अध्यक्ष–मोग्गलिपुत्ततिस्स, शासनकाल–अशोक। अभिधम्मपिटक का संकलन

चतुर्थ बौद्ध संगीति– समय - प्रथम शताब्दी, ई.पू., स्थान–कुण्डलवन, अध्यक्ष वसुमित्र/अश्वघोष, शासनकाल–कनिष्क बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान में विभक्त हो गया।

126. तीसरी बौद्ध संगीति किस शहर में आयोजित की गयी थी?

(a) तक्षशिला में (b) रंगून में
(c) पाटलिपुत्र में (d) श्रावस्ती में

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-II)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

127. बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ किस भाषा में लिखे गए थे?

(a) संस्कृत (b) मागधी
(c) प्राकृत (d) पालि

SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d) : पालि साहित्य में मुख्यतः बौद्ध धर्म के संस्थापक भगवान बुद्ध के उपदेशों का संग्रह है। बौद्ध धर्म के अधिकांश ग्रंथ पालि भाषा में लिखे गए थे। बौद्ध धर्म का मूल आधार चार आर्य सत्य है जो इस प्रकार है– दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध तथा दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा। भगवान बुद्ध के अनुसार आष्टांगिक मार्ग ही दुःख निरोध गामिनी प्रतिपदा है। अष्टांगिक मार्ग के अनुशीलन से व्यक्ति निर्वाण की ओर अग्रसर होता है।

128. बौद्ध धर्म महायान और हीनयान में किस शासक के शासनकाल के दौरान विभाजित हुआ था?

(a) कनिष्क (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
(c) अशोक (d) इनमें से कोई नहीं

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : कुषाण वंश के शासक कनिष्क के शासनकाल के दौरान चतुर्थ बौद्ध संगीत का आयोजन कश्मीर के कुण्डलवन में हुआ। इसके अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायो हीनयान एवं महायान में विभाजित हुआ। ध्यातव्य है कि जिन अनुयायियों ने बिना किसी परिवर्तन के बुद्ध के मूल उपदेशों को स्वीकार किया वे हीनयानी कहलाये, ये लोग रूढ़िवादी व निम्नमार्गी थे एवं बुद्ध को महापुरुष मानते थे और भगवान के रूप में उनकी पूजा नही करते थे। बौद्ध धर्म के कठोर तथा परपंरागत नियमों मे परिवर्तन करने वाले महायानी कहलाये।

129. 'स्तूप शब्द गौतम बुद्ध के जीवन की निम्नलिखित किस घटना से संबंधित है?

(a) मृत्यु (b) प्रथम उपदेश
(c) जन्म (d) गृह-त्याग

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : बुद्ध की मृत्यु के बाद उनके शरीर (अस्थिअवशेष) को आठ भागों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक भाग पर स्तूप बनवाये गये। अतःस्तूप इनकी मृत्यु से संबंधित है। ध्यातव्य है कि 483 ई. पू. में 80 वर्ष की अवस्था में कुशीनगर में बुद्ध की मृत्यु हो गयी। इस घटना को बौद्ध ग्रन्थों में 'महापरिनिर्वाण' की संज्ञा दी गयी। जबकि 29 वर्ष की अवस्था में जब इन्होंने गृह त्याग किया तो इसे 'महाभिनिष्क्रमण' कहा गया है।

130. 'त्रिपिटक' धर्म ग्रन्थ का संबंध किस धर्म से है?

(a) हिन्दू (b) जैन
(c) पारसी (d) बौद्ध

SSC CGL (TIER-1) 06-09-2016, 10 am
SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)

Ans : (d) तीन भागो में विभाजित त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है। त्रिपिटक में महात्मा बुद्ध के बुद्धत्व (ज्ञान) प्राप्त करने से लेकर महापरिनिर्वाण तक दिये हुए प्रवचनों का संकलन किया गया है। सुत्तपिटक में बुद्ध के उपदेश तथा विचार मिलते हैं, विनयपिटक में बौद्ध संघ के नियम एवं विधान है तथा अभिधम्मपिटक में बौद्ध दर्शन की जानकारी मिलती है। यह पालि भाषा में लिखा गया है जबकि हिन्दुओं का प्रमुख ग्रन्थ-गीता जैनों का आगम तथा पारसीयों का जिन्द अवेस्ता है।

131. गौतम बुद्ध के उपदेश मुख्य रूप से कहाँ पाए जाते हैं ?

(a) अभिधम्म पिटक (b) सुत्त पिटक
(c) विनय पिटका (d) तीसराना

SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

132. त्रिपिटक ..... की पवित्र पुस्तकें हैं।

(a) सिक्ख धर्म (b) ज्यू धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) मुस्लिम

(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 10 am)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

133. किस स्मारक से, गौतम बुद्ध ने दुनिया के लिए बौद्ध धर्म के अपने दिव्य ज्ञान का प्रचार किया था?

(a) हुमायूँ का मकबरा (b) महाबोधि मंदिर समूह
(c) कुतुब मीनार (d) लाल किला परिसर

(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) महाबोधि मन्दिर समूह या महाबोधि विहार, बोध गया में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विहार है। भगवान बुद्ध ने यही पर ज्ञान प्राप्त किया और दुनिया में अपने दिव्य ज्ञान का प्रसार किया। जातक कथाओं में उल्लेखित बोधि वृक्ष भी यहां है। यह मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनावाया गया था। यूनेस्को द्वारा 2002 में इसे विश्व धरोहर घोषित किया।

134. बुद्ध के उपदेश किस भाषा में हैं?

(a) हिंदी (b) उर्दू
(c) पालि (d) हिब्रू

(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 4.15 pm)

Ans : (c) बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिया था। यह शिक्षित समुदाय की भाषा होने के साथ राजभाषा थी। यह भाषा मूलतः मागधी भाषा ही थी, इसके उदाहरण कच्चायन-व्याकरण में देखने को मिलते हैं। डॉ. ओल्डनबर्ग और ई. मूलर का मत है कि पालि भाषा का उद्गम स्थान कलिंग है।

135. निम्न में से कौन-सा 'सुत्त पिटक' का एक हिस्सा है?

(a) धम्मसंगणि (b) मनुस्मृति
(c) दीपवंस (d) मज्झिम निकाय

SSC CPO-SI 25/11/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : प्राचीन बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक कहा जाता है। जो सुत्तपिटक, विनयपिटक, अभिधम्म पिटक के नाम से जाने जाते है। सुत्तपिटक में बौद्ध धर्म के सिद्धान्त शिक्षाएं तथा उपदेश संग्रहित हैं। इसे बौद्ध धर्म का एनसाइक्लोपीडिया कहा जाता है। त्रिपिटकों में यह सबसे बड़ा व श्रेष्ठतम है। सुत्तपिटक के पाँच निकाय हैं।

(1) दिघ्घनिकाय (2) मज्झिम निकाय
(3) संयुक्त निकाय (4) अंगुत्तर निकाय
(5) खुद्दक निकाय

136. महायान पाठ किस धर्म से सम्बन्धित है?

(a) जैन धर्म (b) सिख धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) इनमें से कोई नहीं

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-II)

Ans. (c) : बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे इनका जन्म 563 ईसा पूर्व कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। चतुर्थ बौद्ध संगीति के बाद बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान और महायान में विभाजित हो गया था।

137. हीनयान स्कूल का सबसे महत्वपूर्ण काम कौन सा है?

(a) पंचतंत्र (b) महावस्तु
(c) अष्टाध्यायी (d) जेंद अवेस्ता

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-I)

Ans : (b) महावस्तु एक महत्वपूर्ण बौद्ध ग्रंथ है, इसे भगवान बुद्ध के जीवन को केन्द्र बनाकर छठी शताब्दी ईसा पूर्व के इतिहास को प्रस्तुत किया गया है। हीनयान स्कूल का मुख्य उद्देश्य 'महावस्तु' के आधार पर शिक्षा देना है, ध्यातव्य है कि गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व में कपिलवस्तु के लुम्बिनी ग्राम में हुआ था। बौद्ध धर्म के तीन रत्न है- बुद्ध, धम्म व संघ।

138. गौतम बुद्ध का जन्म कहँ हुआ था?

(a) सारनाथ (b) लुम्बिनी
(c) कुशीनगर (d) बोध गया

SSC MTS 08/08/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : बुद्ध को गौतम बुद्ध 'महात्मा बुद्ध' आदि नामों से जाना जाता है। इनका जन्म 563 ई.पू. लुम्बिनी नामक गाँव में हुआ था। गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था। इनकी मृत्यु कुशीनगर के मल्ल गणराज्य में हुई थी।

139. 'चार आर्य सत्य' की अवधारणा निम्नलिखित धर्मों में से किसकी है?

(a) जैन धर्म (b) सिख धर्म
(c) हिन्दू धर्म (d) बौद्ध धर्म

SSC MTS 06/08/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : 'चार आर्य सत्य की अवधारणा बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है। चार आर्य सत्य निम्नलिखित हैं-

दुःख – जीवन में दुःख है।
दुःख समुदाय – दुःख का कारण है।
दुःख निरोध – दुःख से छुटकारा है।
दुख निरोध गामिनी प्रतिपदा – दुःख से छुटकारा पाने का उपाय है।

140. बौद्ध स्थल वैशाली और नालंदा निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित हैं?

(a) तेलंगाना (b) बिहार
(c) ओडिशा (d) छसीत्तगढ़

SSC CHSL 19/10/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : वैशाली बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है यह अत्यन्त प्राचीन नगर है, जिसका महात्मा बुद्ध से निकट सम्बन्ध रहा है, यह गंगा घाटी का नगर है जो आज के बिहार एवं बंगाल-प्रान्त के बीच सुशोभित है, इसका दूसरा नाम विशाल भी था। इसकी स्थापना महातेजस्वी विशाल नामक राजा ने की थी। जो भारतीय

परम्परा के अनुसार इक्ष्वाकु वंश में उत्पन्न हुए थे। इसकी पहचान मुजफ्फरपुर जिले में स्थित आधुनिक बसाढ़ से की जाती है यहाँ की प्रशासनिक भाषा मैथिली व हिन्दी थी। बुद्ध के समय में तथा उनसे पूर्व लिच्छवी गणराज्य की राजधानी यहाँ थी।

नालंदा– भारतीय इतिहास नालंदा एक शैक्षिक राज्य के रूप में वर्णित है। दुनिया के इस सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय के रूप में प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक योग्यताओं के कारण प्रसिद्ध था। इसकी स्थापना 5वीं शताब्दी में हुई थी। भगवान बुद्ध के बार-बार यहाँ आने से इसका विशेष महत्त्व है।

141. अष्ट महास्थान का तात्पर्य बुद्ध के जीवन से जुड़े आठ महत्वपूर्ण स्थानों से है। निम्न में से कौन-सा स्थान उनमें से एक नहीं है?

(a) लुम्बिनी (b) सारनाथ
(c) रायगढ़ (d) बोध गया

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : महात्मा बुद्ध से जुड़े आठ स्थान लुम्बिनी, गया, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, संकिशा, राजगृह और वैशाली को बौद्ध ग्रंथो में अष्टमहास्थान के नाम से जाना गया। अतः दिये गये विकल्पों में से रायगढ़ अष्टमहास्थान से संबंधित नहीं है।

142. कनिष्क के शासनकाल के दौरान, निम्नलिखित में से किस स्थान को चौथे बौद्ध परिषद् के स्थल के लिए चुना गया था?

(a) तक्षशिला (b) वैशाली
(c) पाटलिपुत्र (d) कश्मीर

SSC JE Electrical -26/09/2019 (Shift-I)

Ans. (d) : चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कुषाण सम्राट कनिष्क के शासनकाल में हुई। यह संगीति कश्मीर के कुण्डलवन में आयोजित की गई थी इस संगीति के अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इस संगीति में बौद्ध धर्म दो शाखाओं हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। इस सभा में महासंघिकों का बोलबाला था तथा इसी संगीति में विभाषाशास्त्र नामक एक अन्य ग्रंथ की रचना हुई। इसी समय में बौद्धों ने संस्कृत के रूप में भाषा को अपना लिया।

(iii) शैव/वैष्णव धर्म (Shaivism/Vaishnavism)

143. .....एक ब्रह्मांडीय नर्तक के रूप में हिन्दू भगवान शिव का चित्रण है, जो तांडवम नामक अपने दिव्य नृत्य का प्रदर्शन करते हैं।

(a) मुरुगन (b) नटराज
(c) विष्णु (d) वेंकटेश्वर

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)

Ans : (b) नटराज शिवजी का एक अन्य नाम है। नटराज शिव का स्वरूप न सिर्फ उनके सम्पूर्ण काल एवं स्थान को दर्शाता है, अपितु यह बिना किसी संशय स्थापित करता है कि ब्रह्माण्ड में स्थित सारा जीवन, उनकी गति कम्पन्न तथा ब्रह्माण्ड से परे शून्य की निःशब्दता सभी कुछ एक शिव में निहित है। नटराज दो शब्दों के समावेश से बना है। नट (अर्थात् कला) और राज। इस स्वरूप में शिव कलाओं के आधार हैं। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है।

144. त्रिमूर्तियों में सृष्टिकर्ता देवता होने के बाद भी आजकल किस देवता की पूजा बहुत कम की जाती है?

(a) सूर्य (b) ब्रह्मा
(c) चंद्र (d) वायु

(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) त्रिमूर्ति के अंतर्गत गुप्तकाल में ब्रह्मा, विष्णु, और महेश (शिव) की पूजा आरंभ हुई। धार्मिक समन्वय की यह उदार भावना गुप्तकाल की विशेषता थी। गुप्त सम्राट वैष्णव धर्म के अनुयायी थे किन्तु उनकी धार्मिक सहिष्णुता की भावना से शैव धर्म एवं ब्रह्मा की पूजा में भी समान प्रगति हुई। वर्तमान समय में विष्णु एवं शिव की पूजा समाज में विशेष रूप से प्रचलित है परन्तु ब्रह्मा जी की पूजा उपेक्षित है। ब्रह्मा जी का मंदिर राजस्थान के पुष्कर में स्थित है।

145. प्रारंभिक भक्ति आन्दोलनों में से एक नयनारों के नेतृत्व में हुआ जो ____ के भक्त थे।

(a) शिव (b) विष्णु
(c) सूर्य (d) ब्रह्मा

(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)

Ans : (a) प्रारम्भिक भक्ति आन्दोलन में से एक नायनारों के नेतृत्व में किया गया आन्दोलन शैव धर्म से सम्वन्धित था। नयनार सन्तों की संख्या 63 बतायी गयी है। जिनमें अप्पार, तिरुज्ञान, सम्बन्दर सुन्दरमूर्ति, मणिक्कवाचगर आदि के नाम उल्लेखनीय है। इनमें अप्पार जिसका दूसरा नाम तिरुनाबुक्करशु भी मिलता है पल्लव नरेश महेन्द्रवर्मन प्रथम का समकालीन था। पल्लव राजाओं का शासनकाल नयनारों (शैव) तथा आलवरों (वैष्णव) के भक्ति-आन्दोलन के लिए विशेष रूप में उल्लेखनीय है।

146. पशुपति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन थे?

(a) लकुलीश (b) बसव
(c) अभिनव (d) मत्स्येंद्रनाथ

SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)

Ans. (a) : लकुलीश पशुपति सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे। इन्हें शिव का 28वाँ अवतार माना जाता है, इस सम्पद्राय के अनुयायी लकुड़ धारण करते हैं।

7. मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

147. मौर्य साम्राज्य का संस्थापक निम्न में से कौन था?

(a) बृहद्रथ मौर्य (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) अशोक (d) बिन्दुसार

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (b) : चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ई. पू. में मौर्यवंश की नींव रखी और विशाल मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। चन्द्रगुप्त का साम्राज्य उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कर्नाटक तक तथा पूर्व में बंगाल से लेकर उत्तर-पश्चिम मे फारस (वर्तमान ईरान) तक फैला हुआ था। चंद्रगुप्त के शासन में चाणक्य को प्रधानमंत्री का पद प्राप्त था। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना की थी, जिसमें प्रशासनिक नियमों का उल्लेख किया गया है।

148. निम्नलिखित में से किसने 1837 में पहली बार ब्राह्मी लिपि को समझा था?

(a) दयाराम साहनी (b) अलेक्जेंडर कनिंघम
(c) जॉन मार्शल (d) जेम्स प्रिंसेप

SSC MTS 26/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : ब्राह्मी लिपी एक प्रचीन लिपी है जिससे कई एशियाई लिपियों का विकास हुआ है। प्राचीन लिपी के उत्कृष्ट उदाहरण सम्राट अशोक (असोक) द्वारा ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में बनवायें गये शिलालेखो के रूप में अनेक स्थानों पर मिलते है।

* अशोक प्रथम शासक थे, जिसने अभिलेखों के माध्यम से प्रजा को सम्बोधित किया।
* सर्वप्रथम 1837ई. में 'जेम्स प्रिंसेप' ने अशोक के अभिलेखों को 'ब्राह्मी' लिपि में पढ़ने में सफलता प्राप्त की थी। अशोक की पहचान 'प्रियदर्शी' के रूप में हुई।

149. निम्नलिखित में से कौन सी लिपि, सभी आधुनिक भारतीय लिपियों की जननी मानी जाती है?

(a) हड़प्पा (b) ब्राह्मी
(c) देवनागरी (d) बंगाली-असमिया

SSC MTS 07/10/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : ब्राह्मी लिपि को भारत की अधिकांश लिपियों की जननी माना जाता है। इसका सर्वप्रथम प्रयोग सम्राट अशोक के लेखों में हुआ। 5 वीं सदी ई. पूर्व से 350 ईसा पूर्व तक इसका एक रूप तथा इसकी दो धारा-उत्तरी व दक्षिणी मिलती है।

- उत्तरी धारा में गुप्त लिपि, कुटिल लिपि, शारदा और देवनागरी लिपि है।
- दक्षिणी धारा में तेलुगु, कन्नड़, तमिल, कलिंग, आदि लिपियां हैं।

150. मौर्य राजवंश का अंतिम शासक कौन था?

(a) देववर्मन (b) शतधनवन
(c) बृहद्रथ (d) सम्प्रति

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : मौर्यवंश का अंतिम शासक बृहद्रथ (184 ई.पू.) था। वह एक अयोग्य शासक था। उसने राजकाज एवं सैनिक मामलों में कोई दिलचस्पी नहीं लिया, वरन अपना सारा समय वह भोग-विलास में व्यतीत करता था। इसका लाभ उठाकर बृहद्रथ के सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने उसकी हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।

151. निम्न के बाद सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया था।

(a) कलिंग के युद्ध (b) बक्सर के युद्ध
(c) हल्दीघाटी के युद्ध (d) तराइन के युद्ध

SSC MTS 13/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : सम्राट अशोक (273-236 ईसा पूर्व) मौर्य वंश का तीसरा शासक था। कलिंग की विजय (261 ई. पू.) के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया। अशोक धम्म की नीति में विश्वास रखता था। उसकी लुम्बिनी की यात्रा और लुम्बिनी को कर से छूट देने का वर्णन रुम्मिनदेई स्तम्भ शिलालेख में किया गया है।

152. निम्नलिखित में से कौन सा शासक मौर्य राजवंश से संबंधित नहीं था?

(a) अशोक (b) चन्द्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) बिंबिसार

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : बिंबिसार मौर्य राजवंश से सम्बन्धित नहीं था। मगध साम्राज्य समय के साथ तीन राजवंशों के शासन को समाहित करता है। (1) हर्यक वंश (2) शिशुनाग वंश (3) नन्द वंश, इसमें पहला और महत्वपूर्ण राजवंश हर्यक वंश था जिसकी स्थापना बिम्बिसार ने की। बौद्ध इतिहास के अनुसार बिंबिसार ने 52 वर्षों तक शासन किया। बाकी सभी शासक मौर्य राजवंश से सम्बन्धित हैं।

153. राजा अशोक की उस पुत्री का नाम क्या था जिसे उसने एक बौद्ध मिशनरी के कर्तव्यों को निभाने की जिम्मेदारी दी थी?

(a) पद्मावती (b) चारुमती
(c) संघमित्रा (d) असंघमित्रा

SSC MTS 22/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : संघमित्रा राजा अशोक की पुत्री थी जिसे एक बौद्ध मिशनरी के कर्तव्यों को पूरा करने के लिय नियुक्त किया गया था। अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र के साथ संघमित्रा को श्रीलंका (सिंहल द्वीप तथा ताम्रपर्णी के नाम से भी ज्ञात) में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये भेजा था।

154. निम्नलिखित में से किस राजा ने प्राचीन भारत में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) दशरथ

SSC CHSL 19/04/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्यवंश की नींव रखी। चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से मगध साम्राज्य पर अपना आधिपत्य किया, इससे पूर्व नंदवंश के राजा धनानंद का शासन था। नंदवंश के पतन के बाद विशाल मौर्य साम्राज्य का उद्भव हुआ जो 322 ई0 पू0 से 184 ई0 पू0 तक रहा। इसने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र को बनाया जिसे वर्तमान में पटना (बिहार) के नाम से जाना जाता है।

155. निम्न में से किस शासक ने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए पत्थर की सतहों पर अपने संदेश उत्कीर्णित किए थे?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त प्रथम
(c) बिन्दुसार (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC CHSL 19/04/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : अशोक ने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए पत्थर की सतहों पर अपने संदेश उत्कीर्ण करवाये। अशोक के लगभग 40 अभिलेख प्राप्त हुए हैं। ये ब्राह्मी, खरोष्ठी आरमेइक एंव ग्रीक लिपियों में लिखे गये है।

156. अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या निम्न में से किसके द्वारा की गई थी?

(a) विष्णुवर्धन (b) कुलशेखर वर्मन
(c) पुष्यमित्र शुंग (d) महेन्द्रवर्मन

SSC GD 14/12/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : मौर्य वंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने 184 ईसा पूर्व में कर दी और मगध साम्राज्य पर शुंग वंश की नीवं रखी। शुंगवंश के अंतिम शासक देवभूति की हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में कर दी तथा मगध साम्राज्य पर कण्व वंश की स्थापना की। मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य था।

157. सम्राट अशोक के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) अशोक का संबंध मौर्य वंश से था
(b) अशोक विश्व के इतिहास में एकमात्र ऐसे राजा है, जिन्होंने युद्ध जीतने के बाद विजय का त्याग कर दिया था
(c) अशोक ने जिस साम्राज्य पर शासन किया उसकी स्थापना उसके दादा ने की थी

(d) चाणक्य नामक एक बुद्धिमान व्यक्ति (जिसे कौटिल्य भी कहा जाता है) ने अशोक का विरोध किया था

SSC GD 24/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : घनानंद को पराजित करने के लिए चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य से सहायता प्राप्त की थी। इसके पश्चात चाणक्य (विष्णुगुप्त / कौटिल्य) चन्द्रगप्त मौर्य का प्रधानमंत्री बना। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र नामक पुस्तक की रचना की, जिसका संबंध 'राजनीति' से है। चाणक्य चन्द्रगुप्त मौर्य का समकालीन था, न कि अशोक का समकालीन। अशोक का संबंध मौर्य वंश से है। चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिन्दुसार हुआ था बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक हुआ। अशोक ने 261 ई. पू. में कलिंग विजय के पश्चात युद्ध का त्याग कर दिया था।

158. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प मौर्य साम्राज्य के शासकों के सही कालानुक्रमिक क्रम को दर्शाता है?

(a) बिंदुसार - चंद्रगुप्त - अशोक - बृहद्रथ
(b) चंद्रगुप्त - बिंदुसार - अशोक - बृहद्रथ
(c) बृहद्रथ - चंद्रगुप्त - बिंदुसार - अशोक
(d) अशोक - बृहद्रथ - चंद्रगुप्त - बिंदुसार

SSC GD 16/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : मौर्य राजंवश (322 – 184 ईसा पूर्व) प्राचीन भारत का एक शक्तिशाली राजवंश था। मौर्य राजंवश ने 138 वर्ष भारत में शासन किया। इसकी स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उसके मंत्री चाणक्य (कौटिल्य) को दिया जाता है। सम्राट अशोक के कारण ही मौर्य साम्राज्य सबसे महान एवं शक्तिशाली बनकर विश्वभर में प्रसिद्ध हुआ।

मौर्य राजवंश के शासकों की सूची-

→ चन्द्रगुप्त मौर्य - 322 - 298 ईसा पूर्व
→ बिन्दुसार मौर्य - 298 - 273 ईसा पूर्व
→ अशोक महान - 273 - 236 ईसा पूर्व
→ बृहद्रथ मौर्य - 187 - 184 ईसा पूर्व

159. अशोक के कंधार अभिलेखों की खोज किस वर्ष में की गई थी ?

(a) 1956 (b) 1960
(c) 1958 (d) 1954

SSC GD 06/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : कंधार का द्विभाषी शिलालेख, सम्राट अशोक द्वारा 260 ईसापूर्व में शिला पर दो भाषाओं (ग्रीक तथा आरमाइक) में उत्कीर्ण कराया गया प्रसिद्ध शिलालेख है। यह अशोक द्वारा निर्मित पहला शिलालेख है जो उसके शासन के 10 वें वर्ष में उत्कीर्ण कराया था। इसकी खोज सन 1958 में हुई थी।

160. भारत के प्राचीन इतिहास के संदर्भ में, अशोक स्तंभ का संबंध निम्नलिखित में से किस स्थान से है?

(a) चत्रु (b) खजुराहो
(c) मांडू (d) सांची

SSC GD 24/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : भारत के प्राचीन इतिहास के सन्दर्भ में, अशोक स्तंभ सांची (मध्यप्रदेश) में स्थित है।

161. चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में _____ के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

(a) नंदों (b) मल्लों
(c) कुरु (d) पांचालों

SSC CGL (Tier-I) 21/04/2022 (Shift-III)

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की सहायता से मगध में नंदों के साम्राज्य को उखाड़ फेंका और 322 ईसा पूर्व में गौरवशाली मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

162. सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था?

(a) अशोक (b) सम्प्रति
(c) चंद्रगुप्त मौर्य (d) दशरथ

SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-III)

Ans. (c) : सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध में, सेल्यूकस ने चंद्रगुप्त मौर्य शासक के विरुद्ध युद्ध लड़ा था।

163. गुजरात मे ——— झील वस्तुतः एक कृत्रिम जलाशय है जो मौर्यो के शासन के दौरान बनायी गयी थी।

(a) पुष्कर (b) लोनार
(c) लोकटक (d) सुदर्शन

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : सुदर्शन झील गुजरात के गिरिनार क्षेत्र में स्थित है। इस झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के आदेश से उसके गिरिनार में नियुक्त राज्यपाल 'पुष्यगुप्त वैश्य' ने करवाया था। सम्राट अशोक के महामात्य 'तुषास्प' ने इस झील का पुनर्निर्माण करवाकर उसे मजबूती प्रदान की थी। बाद के समय में स्कन्दगुप्त ने बड़ी उदारता के साथ धन खर्च किया और इस झील पर एक बाँध का निर्माण करवाया। जूनागढ़ शिलालेख से शक शासक रूद्रदामन द्वारा सुदर्शन झील पुनर्निर्माण का उल्लेख मिलता है।

164. अशोक को आरंभिक भारत का सर्वप्रसिद्ध शासक माना जा सकता है, जिन्होंने ____ वर्तमान के तटीय उड़ीसा पर विजय प्राप्त की थी।

(a) पाटलिपुत्र (b) प्रयाग
(c) तक्षशिला (d) कलिंग

(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)

Ans : (d) शासक बनने के बाद सम्राट अशोक ने एकमात्र युद्ध कलिंग के साथ आखिरी युद्ध लड़ा। कलिंग वर्तमान में महानदी एवं गोदावरी के पूर्वी तट पर स्थित है जिसका अधिकतम क्षेत्र ओडिशा के अन्तर्गत आता है। रोमिला थापर का कहना है कि अशोक की नजर कलिंग के समृद्ध व्यापार पर थी। इस युद्ध का उल्लेख 13वें शिलालेख में किया गया है। कलिंग युद्ध अशोक के राज्याभिषेक के 8 वर्ष बाद 261 ई.पू. में हुआ। इस युद्ध में भीषण रक्तपात एवं हृदयविदारक दृश्य देखकर अशोक ने अपनी विजय नीति बदली। अशोक विजय घोष के स्थान पर धम्म विजय एवं धम्म घोष की नीति अपनाई। इस युद्ध का वर्णन अशोक के तेरहवें शिलालेख में मिलता है।

165. मौर्य साम्राज्य की राजधानी कहाँ स्थित थी?

(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली
(c) लुम्बिनी (d) गया

SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 4.15 pm

Ans : (a) मौर्य राजवंश (322-184 ई.पू.) की स्थापना का श्रेय चन्द्रगुप्त मौर्य और उनके मंत्री कौटिल्य को दिया जाता है, जिन्होंने नन्द वंश के सम्राट घनानन्द को पराजित कर मौर्य वंश की स्थापना की। चन्द्रगुप्त ने इसकी राजधानी के रूप में पाटलिपुत्र (आज के पटना शहर के पास) के रूप में चुना है।

166. धनानंद को हराकर मौर्य साम्राज्य की स्थापना किसने की?

(a) कुणाल (b) अशोक
(c) चंद्रगुप्त (d) बिंदुसार

SSC GD 03/03/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : छठी शताब्दी ईसापूर्व में मगध उत्तर भारत का एक महत्वपूर्ण शक्तिशाली राज्य था। चौथी शताब्दी ई.पू. के समय मगध में नंदवंश के शासक घनानंद का शासन था। मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने राजनीतिक गुरू चाणक्य (कौटिल्य) की सहायता से धनानंद को पराजित कर मौर्य वंश की नींव डाली। कौटिल्य द्वारा लिखित 'अर्थशास्त्र' से मौर्य प्रशासन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

167. नीचे दिए गए विकल्पों में उल्लेखित विदेशी यात्रियों में से, भारत आने वाला सबसे पहला विदेशी यात्री कौन था?

(a) ह्वेनसांग (b) इत्सिंग
(c) मेगस्थनीज (d) फाह्यान

SSC JE Electrical 28.10.2020 (Shift-I)

Ans (c) : भारत आने वाला प्रथम विदेशी यात्री मेगस्थनीज था। मेगस्थनीज यूनान का एक राजदूत था जो चन्द्रगुप्त के दरबार में आया था। इसने अपनी पुस्तक इण्डिका में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति के विषय में लिखा है।

168. इनमें से कौन सा मौर्य शासक बौद्ध धर्म का अनुयायी बना?

(a) बृहद्रथ (b) चंद्रगुप्त
(c) समुद्रगुप्त (d) अशोक

SSC CHSL 19/10/2020 (Shift-I)

Ans. (d) : बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक महान हुआ जो 269 ई.पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा, इससे पहले वह अवन्ती का राज्यपाल था, मास्की व गुर्जरा अभिलेख में अशोक का नाम अशोक मिला, पुराणों के अनुसार अशोक को अशोकवर्धन कहा गया है। अशोक अपने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष लगभग 261 ई.पू. में कलिंग पर आक्रमण किया और कलिंग की राजधानी तोसली पर अधिकार कर लिया। टालमी द्वितीय ने पाटलिपुत्र में डायानोसियस नामक एक राजदूत को अशोक के दरबार में भेजा था, अशोक को उपगुप्त नामक बौद्ध भिक्षु ने अशोक को बौद्ध धर्म की दीक्षा दी। अशोक बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा था, भारत में शिलालेखों का प्रचलन सर्वप्रथम अशोक ने किया तथा अपना संदेश जनता तक पहुँचाने की कोशिश की, इनके ज्यादातर अभिलेख प्राकृत एवं ब्राह्मी लिपि में है।

169. निम्नलिखित में से किस शासक ने सार्वजनिक स्थानों पर अपनी राजाज्ञाएँ स्थापित करवाई?

(a) चंद्रगुप्त–II ने (b) चंद्रगुप्त मौर्य ने
(c) अशोक ने (d) समुद्रगुप्त ने

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : अशोक (बिन्दुसार का पुत्र) महान के द्वारा अपने शासन की सुदृढ़ता को आम जन मानस तक पहुँचाने के लिये सार्वजनिक स्थानों पर अपनी राजाज्ञाएँ स्थापित करवायी। अशोक के शिलालेख पत्थर, खम्भे, पत्थर की पहिया आदि पर वर्णित किये गये। कर्नाटक के रायचूर जिले से प्राप्त शिलालेख में अशोक को देवताओं के प्रिय (देवानाप्रिय एवं प्रियदर्शी) नाम से सम्बोधित किया गया है। ध्यातव्य है कि सर्वप्रथम 1837 ई0 में जेम्स प्रिंसेप ने अशोक के दिल्ली टोपरा अभिलेख को पढ़ने में सफलता पायी जबकि सबसे पहले 1750 ई0 में टीफेन्थैलर द्वारा खोजा गया अभिलेख दिल्ली मेरठ अभिलेख था।

170. निम्नलिखित में से कौन पहला शासक था जिसने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए अपना संदेश पत्थर की सतहों, प्राकृतिक चट्टानों और पॉलिश किए गए स्तंम्भों पर उत्कीर्ण किया था ?

(a) बिम्बिसार (b) अशोक
(c) बिन्दुसार (d) चंद्रगुप्त मौर्य

SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक महान सम्राट हुआ, जो 269 ईसा पूर्व में मगध की राजगद्दी पर बैठा। अशोक पहला शासक था जिसने अपनी प्रजा और अधिकारियों के लिए अपना संदेश पत्थर की सतहों, प्राकृतिक चट्टानों और पॉलिश किए गये स्तंभों पर उत्कीर्ण किया था। अशोक के शिलालेखों की संख्या 14 है, इस शिलालेख पर वर्णित अभिलेख को पढ़ने में सबसे पहली सफलता (1873 में) जेम्स प्रिंसेप को मिली।

171. कलिंग नरेश खारवेल का संबंध निम्नलिखित किस राजवंश से था?

(a) महामेघवाहन वंश (b) हर्यक वंश
(c) रठ-भोजक वंश (d) सातवाहन वंश

SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : वर्तमान ओडिशा राज्य का अधिकांश भाग प्राचीन काल में कलिंग नाम से प्रसिद्ध था। खारवेल महामेघवाहन वंश का शासक था। कलिंग पर इसी का शासन था। राजा खारवेल जैनधर्म का संरक्षक था। हाथीगुंफा अभिलेख में खारवेल के वंश का नाम चेदि है। इस अभिलेख में नंदवंशीय शासक महापदमनंद द्वारा कलिंग में नहर खुदवाए जाने का उल्लेख है।

172. यूनानी राजदूत मेगस्थनीज इनमे से किस शासक के दरबार में था?

(a) अशोक (b) चंद्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) चाणक्य

SSC JE Civil - 24/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : यूनानी शासक सेल्यूकस निकेटर ने चन्द्रगुप्त मौर्य को एक संन्धि के तहत एरिया, अराकोसिया, जैड्रोशिया एवं पेरीपेनिसदाई क्षेत्र चन्द्रगुप्त को सौपें एवं मेगस्थनीज को अपने राजदूत के रूप में चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा। ध्यातव्य है कि मेगस्थनीज द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तक 'इण्डिका' है। मेगस्थनीज के ग्रंथ इण्डिका से चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रशासन की जानकारी प्राप्त होती है। हालाँकि यह ग्रन्थ अपने मूल रूप में उपलब्ध नहीं है, फिर भी इसके उद्धरण अनेक यूनानी लेखकों एरियन, स्ट्रैबो, प्लूटार्क, प्लिनी, जस्टिन एवं डायोडोरस आदि के उद्धरणों में प्राप्त होते हैं। इण्डिका एक अन्य यूनानी लेखक एरियन की भी कृति मानी जाती है।

173. कलिंग का युद्ध वर्ष .....में लड़ा गया था।

(a) 161 ई. पू. (b) 261 ई. पू.
(c) 361 ई.पू. (d) 461 ई.पू.

(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 10 am)
(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 10 am)

Ans : (b) शासक बनने के बाद सम्राट अशोक ने एकमात्र युद्ध कलिंग के साथ आखिरी युद्ध लड़ा। कलिंग वर्तमान में महानदी एवं गोदावरी के पूर्वी तट पर स्थित है जिसका अधिकतम क्षेत्र उड़ीसा के अन्तर्गत आता है। रोमिला थापर का कहना है कि अशोक की नजर कलिंग के समृद्ध व्यापार पर थी। इस युद्ध का उल्लेख 13वें शिलालेख में किया गया है। कलिंग युद्ध अशोक के राज्याभिषेक के 8 वर्ष बाद 261 ई.पू. में हुआ। इस युद्ध में भीषण रक्तपात एवं हृदयविदारक दृश्य देखकर अशोक ने अपनी विजय नीति बदली। अशोक विजय घोष के स्थान पर धम्म विजय एवं धम्म घोष की नीति अपनाई। इस युद्ध का वर्णन अशोक के तेरहवें शिलालेख में मिलता है।

174. अशोक का जौगड़ शिलालेख किस राज्य में अवस्थित है?

(a) गुजरात (b) आन्ध्र प्रदेश
(c) ओडिशा (d) उत्तराखण्ड

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)

Ans. (c) : जौगड़, ओडिशा के गंजाम जिले में अवस्थित है। यहाँ से अशोक का चतुर्दश शिलालेख प्राप्त हुआ है जिसमें अशोक द्वारा कलिंग की प्रजा के प्रति पुत्रवत् व्यवहार करने का आदेश दिया गया है। इसकी खोज 1850 ई. में वाल्टर इलियट ने किया था।

175. चन्द्रगुप्त (322–298 ई.पू.) किस वंश का शासक था?

(a) मौर्य (b) मेवाड़
(c) मुगल (d) पेश्वास

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 4.15 pm)

Ans : (a) चन्द्रगुप्त मौर्य ने नंदवंश के शासक घनानंद को पराजित कर मौर्य वंश की स्थापना की। चन्द्रगुप्त मौर्य 322 ई. पू. में मगध की गद्दी पर बैठा। चन्द्रगुप्त मौर्य ने जैनी गुरु भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा ली थी। इसका प्रधानमंत्री चाणक्य (कौटिल्य/विष्णुगुप्त) था, जिसने राजनीति से सम्बन्धित पुस्तक ''अर्थशास्त्र'' लिखी। सेल्यूकस निकेटर का राजदूत मेगस्थनीज चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था, जिसने ''इंडिका'' नामक पुस्तक लिखी। चन्द्रगुप्त मौर्य ने 298 ई. पू. श्रवणबेलगोला में सल्लेखना (जैन विधि द्वारा उपवास) विधि द्वारा अपने प्राण को त्याग दिया।

176. चन्द्रगुप्त मौर्य ..... के प्रबल अनुयायी थे।

(a) सिख धर्म (b) जैन धर्म
(c) बौद्ध धर्म (d) ज्यू धर्म

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 4.15 pm)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

177. चन्द्रगुप्त मौर्य _____ में पैदा हुए थे।

(a) 340 ई.पू. (b) 563 ई.पू.
(c) 189 ई.पू. (d) 99 ई.पू.

(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) मौर्य वंश के संस्थापक तथा भारतीय सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य का जन्म 340 ई. पू. बिहार में हुआ था। चन्द्रगुप्त पूरे भारत को एक साम्राज्य के अधीन लाने में सफल रहे। इनका शासन काल 322 ई.पू. से 298 ई. पू. तक माना जाता है। अपने जीवन के अन्तिम दिनों में चन्द्रगुप्त, स्वामी भद्रबाहु से जैन धर्म की दीक्षा लेकर उसके साथ ही श्रवणबेलगोला चले गये एवं चंद्रगिरी पहाड़ पर रहने लगे।

178. बिन्दुसार किसका पुत्र था?

(a) अशोक (b) अकबर
(c) चंद्रगुप्त (d) शिवाजी

(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm)

Ans : (c) बिन्दुसार मौर्य वंश का शासक था। यह चन्द्रगुप्त मौर्य का पुत्र था। जो 298 ईसा पूर्व में मगध की राजगद्दी पर बैठा। यह आजीवक सम्प्रदाय का अनुयायी था। इसे शत्रु विनाशक के नाम से भी जाना जाता हैं। जैन ग्रंथों में बिन्दुसार को सिंहसेन कहा गया हैं। बिंदुसार ने सीरिया के शासक एण्टियोकस प्रथम से मदिरा, सूखे अंजीर एवं एक दार्शनिक की मांग की थी। डाइमेकस सीरिया के शासक एण्टियोकस प्रथम का राजदूत था जो बिन्दुसार के दरबार में आया था। बिन्दुसार का उत्तराधिकारी अशोक था।

179. अशोक किस राजवंश के राजा थे?

(a) प्रद्योत (b) हर्यक
(c) मौर्य (d) नंद

(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 4.15 pm)
(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 10 am)

Ans : (c) सम्राट अशोक मौर्य राजवंश के महान सम्राट थे। सम्राट अशोक ने ईसा पूर्व 273 ई. पू. से 232 ई. पू. तक उत्तर में हिन्दुकुश की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी के दक्षिण मैसूर तक तथा पूर्व में बांग्लादेश से पश्चिम में अफगानिस्तान, ईरान तक सम्पूर्ण भारत पर शासन किया था। सम्राट अशोक को अपने विस्तृत साम्राज्य से कुशल प्रशासक तथा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भी जाना जाता है। सम्राट अशोक ने संपूर्ण एशिया में तथा अन्य महाद्वीपों में भी बौद्ध धर्म का प्रचार किया। सम्राट अशोक के शासन की जानकारी उनके द्वारा लगवाए गए विभिन्न स्तंभ एवं शिलालेखो से मिलती है।

180. महान अशोक (273-232 ई.पू.) किस वंश के शासक थे

(a) मेवाड़ (b) मुगल
(c) मौर्य (d) पेशवा

(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

181. चंद्रगुप्त मौर्य पाटलिपुत्र में पैदा हुआ था, जो अब .....में है।

(a) छत्तीसगढ़ (b) मध्य प्रदेश
(c) उत्तर प्रदेश (d) बिहार

(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 10 am)

Ans : (d) चन्द्रगुप्त मौर्य जिस पाटलिपुत्र में पैदा हुए थे उस पाटलिपुत्र को अब पटना के नाम से जाना जाता है। पटना, भारत में बिहार प्रान्त की राजधानी है। हर्यंक वंशीय शासक उदयिन ने पाटलिपुत्र (कुसुमपुर) की स्थापना की थी।

182. सांची में स्थित बौद्ध स्मारकों का निर्माण किसने किया था?

(a) मुगल राजवंश (b) मौर्य राजवंश
(c) गुप्त राजवंश (d) चोल राजवंश

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)

Ans : (b) सांची मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित हैं। यह बौद्ध स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है। मौर्य सम्राट अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 8वें वर्ष (261 ई. पू.) में कलिंग पर आक्रमण किया। कलिंग युद्ध में हुई क्षति तथा नरसंहार से उसका मन अपने कृत्यों को लेकर व्यथित हो उठा। इसके बाद अशोक ने बौद्ध धर्म अपना लिया। सांची का महान मुख्य स्तूप अशोक ने तीसरी शदी ई. पू. में बनवाया था। इसके केन्द्र में अर्द्धगोलाकार निर्मित ढॉचे में बुद्ध के अवशेष रखे गये थे।

183. कलिंग युद्ध के पश्चात् सम्राट अशोक ने किस धर्म को स्वीकार किया था?

(a) जैन (b) बौद्ध
(c) इसाई (d) जूदाइज्म

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)

Ans : (b) कलिंग के युद्ध के पश्चात अशोक ने बौद्धधर्म को स्वीकार किया। अशोक अपने भाई सुसीम के पुत्र न्यग्रोथ के वचन सुनकर बौद्ध धर्म की ओर आकर्षित हुआ और उपगुप्त के द्वारा बौद्ध धर्म में दीक्षित किया गया। अशोक ने राज्याभिषेक के दसवें वर्ष के पश्चात बोधगया तथा 21वें वर्ष लुम्बिनी की यात्रा की थी।

184. चाणक्य को.....नाम से भी जाना जाता था।

(a) राजसेखर (b) तेजस्वी
(c) कौटिल्य (d) वात्सायन

(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 10 am)

Ans : (c) चाणक्य को कौटिल्य और विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है। यह मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री एवं गुरू थे। इनके द्वारा रचित ग्रन्थ 'अर्थशास्त्र' है जो एक राजनीति का ग्रंथ है।

185. चाणक्य किसके प्रमुख सलाहकार थे ?

(a) बाबर (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) अकबर (d) कौटिल्य

(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 10 am)

Ans : (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

186. अशोक के शिलालेख पर किस लिपि का प्रयोग किया गया था?

(a) ब्राह्मी (b) देवनागरी
(c) गुरमुखी (d) संस्कृत

SSC CGL (TIER-1) 02-09-2016, 4.15 pm

Ans : (a) अशोक के अभिलेखों को सबसे पहले 1750 में टी. फेन्थैलर ने खोजा था। अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम 1837 में कलकत्ता टकसाल के अधिकारी एवं एशियाटिक सोसाइटी के सचिव जेम्स प्रिन्सेप ने पढ़ा था।
अशोक के शिलालेखों में कुल चार लिपियों ब्राह्मी, खरोष्ठी, आर्माइक एवं यूनानी का प्रयोग हुआ है। अशोक के स्तम्भ लेख एवं गुहालेखों में केवल ब्राह्मी लिपि का प्रयोग हुआ है। अशोक के अभिलेखों की भाषा प्राकृत थी।
खरोष्ठी लिपि- शहबाजगढ़ी एवं मानसेहरा
आर्माइक लिपि- लघमान एवं तक्षशिला
द्वि-भाषिक अभिलेख- कन्दहार का शरेकुना अभिलेख इसमें यूनानी एवं आर्माइक दोनों लिपियों का एक साथ प्रयोग हुआ है।
अशोक पहला भारतीय शासक था जिसने अभिलेखों के सहारे सीधे अपनी प्रजा को सम्बोधित किया।

187. मौर्य प्रशासन के अंतर्गत 'सीताध्यक्ष'_____के अधिकारी थे।

(a) कृषि के (b) आयात कर (कस्टम) के
(c) शाही हरम के (d) खानों के

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)

Ans : (a) मौर्य साम्राज्य के प्रशासन का स्वरूप केन्द्रीकृत था। अर्थशास्त्र के आधार पर प्रशासन के सभी पहलुओं में राजा का विचार एवं आदेश सबसे ऊपर था। चाणक्य के अनुसार राज्य के सात अवयव हैं- राजा, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, बल, तथा मित्र। प्रशासनिक सुविधा के लिए केन्द्रीय प्रशासनिक तंत्र को अनेक भागों में विभक्त किया गया था। (1). पण्याध्यक्ष (वाणिज्य अध्यक्ष) (2). सीताध्यक्ष (राजकीय कृषि विभाग का अध्यक्ष) (3). सूनाध्यक्ष (बूचड़खाने का अध्यक्ष) आदि प्रमुख थे।

188. अशोक का समकालीन मिस्त्र का राजा कौन था?

(a) एलेक्जेंडर
(b) एन्टिओकस
(c) मगस
(d) टॉलेमी-II

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans : (d) अशाके का समकालीन मिस्त्र का राजा ऑलेमी-II था।

189. सारनाथ में स्थित.....स्तूप का निर्माण महान मौर्य सम्राट अशोक ने किया था, यह भारत में स्थित प्रमुख बौद्ध संरचनाओं में से एक है।

(a) धौली (b) धमेख
(c) भरहुत (d) ललितगिरि

SSC CGL (Tier-I) – 10/06/2019 (Shift-I)

Ans : (b) सारनाथ में स्थित धमेख स्तूप का निर्माण महान मौर्य सम्राट अशोक ने करवाया था। यह भारत में स्थित प्रमुख बौद्ध संरचनाओं में से एक है। महान अशोक, बिन्दुसार का पुत्र था। मास्की एवं गुर्जरा अभिलेख में अशोक का नाम अशोक मिलता है। अशोक ने ब्राम्ही, खरोष्ठी, ग्रीक एवं अरमाइक लिपि में बहुत से अभिलेखों का निर्माण स्तूपों पर कराया जो निम्न है- शाहवाजगढ़ी, मानसेहरा कालसी, गिरनार, धौली, एर्रागुडी, सोपारा आदि है।

190. निम्नलिखित में से कौन-से स्तंभ शैलकर्तित स्तंभों को दर्शाते हैं?

(a) अकामिनियन स्तंभ (b) गोथिक स्तंभ
(c) मौर्य स्तंभ (d) फारसी स्तंभ

SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : मौर्यकालीन कला को दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता है दरबारी कला और लोक कला। दरबारी कला स्तम्भों और उनके शीर्षों में अभिव्यक्त हुई जिसमें शैलकर्तित स्तम्भ को दिखाता है। फाह्यान (399-414 ई.) ने अशोक के छः स्तंभ एवं ह्वेनसांग (629-645 ई.) ने बारह स्तम्भों को देखा था।

191. निम्नलिखित में से किसे 'देवानाम प्रिय' के नाम से जाना जाता है?

(a) अशोक (b) अमोघवर्ष
(c) कनिष्क (d) खारवेल

SSC CHSL (Tier-I) –11/07/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : अशोक प्राचीन भारत में मौर्य राजवंश का तीसरा राजा था। अशोक को 'देवानाम प्रिय' एवं 'प्रियदर्शी' आदि नामों से भी जाना जाता है। उसके समय मौर्य साम्राज्य उत्तर में हिन्दुकुश की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी के दक्षिण तथा मैसूर (कर्नाटक) तक तथा पूर्व में बंगाल से पश्चिम में अफगानिस्तान तक पहुँच गया था। मास्की एवं गुर्जरा अभिलेखों में 'अशोक' का नाम अशोक ही मिलता है जबकि पुराणों में अशोक को 'अशोकवर्धन' कहा गया है।

8. मौर्योत्तर साम्राज्य (Post- Mauryan Empire)

192. निंगथौजा राजवंश द्वारा भारत के किस राज्य पर शासन किया गया था?

(a) मणिपुर (b) हरियाणा
(c) गुजरात (d) असम

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : निंगथौजा वंश के द्वारा 'मणिपुर' पर शासन किया गया है। यह मणिपुर के पूववर्ती राज्य के सबसे लम्बे समय तक शासन करने वाले राजवंशों में से एक था। इसकी स्थापना 33 ई.पू. राजा नोंगडा लरेन पखंगाबा ने की थी।

193. शुंग वंश का संस्थापक कौन था?

(a) पुष्यमित्र (b) जयद्रथ
(c) कुणाल (d) बृहद्रथ

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)

Ans. (a) : शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था। पुष्यमित्र शुंग मौर्यो का सेनापति था। उसने मौर्य के अन्तिम शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग द्वारा सत्ता प्राप्ति की तिथि 184 ई.पू. मानी जाती है। पुराणों के अनुसार उसका शासनकाल 36 वर्ष का था अर्थात् उसने 148 ई.पू. तक शासन किया। पुष्यमित्र शुंग उज्जैन का एक ब्राह्मण था इसके पुरोहित एवं प्रधानमंत्री महर्षि पतंजलि थे जिन्होंने दो बार अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन करवाया था। इण्डो यूनानी शासक मिनांडर को इसने पराजित किया था और भरहुत स्तूप का निर्माण भी करवाया था।

पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी– अग्निमित्र → वसुज्येष्ठ →वसुमित्र → भद्रक → भागवत → देवभूति

देवभूति अंतिम शासक था इसकी हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में करके कण्व वंश की स्थापना की थी।

194. किस राजा ने ओड़िशा में उदयगिरि की पहाड़ियों में हाथीगुंफा (हाथी गुफ़ा) शिलालेख का उत्कीर्णन करवाया था?

(a) गालवेय ने (b) खारवेल ने
(c) शोभनाराजा ने (d) वादुका ने

SSC CPO-SI – 09/12/2019 (Shift-II)

Ans : (b) कलिंग राजा खारवेल ने ओड़िशा में उदयगिरि की पहाड़ियों में हाथी गुम्फा (हाथी गुफा) शिलालेख का उत्कीर्णन करवाया था।

इसी अभिलेख से सर्वप्रथम 'भारत वर्ष' का जिक्र मिलता है।

प्रमुख अभिलेख	**शासक**
जूनागढ़ (गिरनार) अभिलेख	रूद्रदामन
प्रयाग स्तम्भ अभिलेख	समुद्रगुप्त
ग्वालियर अभिलेख	प्रतिहार नरेश राजा भोज

● अभिलेखों का अध्ययन 'इपीग्राफी' कहलाता है।

195. निम्नलिखित में से कौन कनिष्क के राजवैद्य थे?

(a) वासुमित्र (b) नागार्जुन
(c) चरक (d) पतन्जली

SSC CGL (TIER-1) 03-09-2016, 4.15 pm

Ans : (c) चरक कनिष्क के राज वैद्य थे इनके द्वारा रचित 'चरक संहिता' एक प्रसिद्ध आयुर्वेद ग्रन्थ है। आचार्य चरक ने आचार्य अग्निवेश के अग्निवेश तन्त्र में कुछ स्थान तथा अध्याय जोड़कर उसे नया रूप दिया, जिसे आजकल हम चरक संहिता के नाम से जानते है।

196. निम्नलिखित में से कौन शासक कुषाण वंश से था?

(a) कडफिसेस I (b) विक्रमादित्य
(c) पुष्यमित्र (d) दन्ति दुर्ग

SSC CPO (TIER-1), 2016

Ans : (a) कुजुल कडफिसेस कुषाण वंश का प्रथम शासक था। इसके प्रारंभिक सिक्कों के मुख्य भाग पर यूनानी राजा हर्मियस की आकृति और पृष्ठ भाग पर स्वयं उसकी आकृति उत्कीर्ण है। इसने रोमन सिक्कों की नकल करके ताँबे के सिक्के ढलवाए उसके सिक्कों पर 'धर्मथिदस' तथा धर्मथित उत्कीर्ण है। महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी।

ध्यातव्य है कि भारत में सर्वप्रथम सोने के सिक्कों का प्रवर्तन कुषाण शासक विम कडफिसस ने किया था। वह शैव मतानुयायी था और इसने महेश्वर की उपाधि धारण की थी। इसके सिक्कों पर शिव, नन्दी तथा त्रिशूल की आकृतियाँ उत्कीर्ण मिलती हैं।

197. कुषाण शासक कनिष्क के सम्बन्ध में गलत कथन चुनें–

(a) तृतीय बौद्ध परिषद् उसके शासनकाल के दौरान आयोजित की गई थी।
(b) उनके साम्राज्य की राजधानी गंडारा में पुर्वपुरा में स्थित थी।
(c) चरक कनिष्क के समकालीन थे।
(d) हुविष्का कनिष्क की उत्तराधिकारी थी।

SSC JE Civil 11.12.2020 (Shift-II)

Ans. (a) :

बौद्ध संगीति	**स्थान**	**शासनकाल**	**अध्यक्ष**
प्रथम (483 ई.पू.)	राजगृह	अजातशत्रु (हर्यक वंश)	महाकस्सप
द्वितीय (383 ई.पू.)	वैशाली	कालाशोक (शिशुनाग वंश)	सर्वकामी (साबकमीर)
तृतीय (251 ई.पू.)	पाटलिपुत्र	अशोक (मौर्य वंश)	मोग्गलिपुत्त तिस्य
चतुर्थ	कश्मीर (कुण्डलवन)	कनिष्क (कुषाण वंश)	वसुमित्र एवं अश्वघोष (उपाध्यक्ष)

अतः विकल्प (a) गलत है जबकि अन्य सभी सही है।

198. निम्नलिखित में से कौन कुषाण वंश का शासक नहीं था?

(a) वासुदेव (b) वसिश्क
(c) नहपान (d) हुविष्क

SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-II)

Ans. (c) वासुदेव प्रथम, कनिष्क द्वितीय, वशिष्क, कनिष्क तृतीय, वासुदेव प्रथम तथा हुविष्क आदि कुषाण वंश के शासक थे जबकि नहपान पश्चिमी क्षत्रपों का एक महत्वपूर्ण शासक था, जो उत्तर-पश्चिमी भारत में इंडो-सीथियन के वंशज थे। उन्होंने पहली या दूसरी शताब्दी के दौरान शासन किया। अतः नहपान कुषाण वंश का शासक नहीं था।

199. विक्रम संवत् कब आरंभ हुआ था?

(a) ई.पू. 57 में (b) ई.पू. 55 में
(c) ई.पू. 50 में (d) ई.पू. 47 में

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 06/03/2020 (Shift-I)

Ans : (a) मालवा के शासक विक्रमादित्य ने शकों को पराजित करने के उपलक्ष्य में 57 ई. पू. में विक्रम संवत का प्रचलन किया, विक्रम संवत को कृत संवत और मालवा संवत कहा जाता है।

शक संवत 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया था, जबकि 319 ई. में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा गुप्त संवत का प्रारम्भ किया गया था।

200. निम्नलिखित शासकों में से किसके लिए 'एका ब्राह्मण' प्रयुक्त हुआ है?

(a) खारवेल (b) सुशर्मन
(c) पुष्यमित्र सुंग (d) गौतमीपुत्र शातकर्णी

SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-I)

Ans. (d) : गौतमी पुत्र शातकर्णी आन्ध्र सातवाहन वंश का 23वां एवं सबसे महान शासक था। इसके समय में इनकी माता बलश्री का नासिक अभिलेख प्राप्त हुआ जिसमें इसे एक मात्र ब्राह्मण या 'एका ब्राह्मण' कहा गया है। इसने 'वेणकटक स्वामी' की उपाधि धारण की तथा वेणकटक नामक नगर की स्थापना की। ध्यातव्य है कि आन्ध्र सातवाहन वंश की स्थापना 'सिमुक' ने की थी। गौतमीपुत्र शातकर्णी शक महाक्षत्रप नहपान का समकालीन था। इसने समीपवर्ती प्रदेशों से शक

शासन का अन्त किया था। नासिक जिले के 'जोगलथम्बी' नामक गाँव से सन् 1906 ई0 में 13,250 सिक्कों का एक ढेर प्राप्त हुआ था। ये सब सिक्के एक शक क्षत्रप नहपान के हैं। इनमें से लगभग दो तिहाई सिक्कों पर गौतमीपुत्र का नाम भी अंकित है जिससे यह सूचित होता है कि गौतमीपुत्र सातकर्णी ने नहपान को परास्त कर उसके सिक्कों पर अपनी छाप लगवाई थी। अवन्ति, अश्मक, सौराष्ट्र आदि जिन अनेक प्रदेशों को सातकर्णी ने अपने अधीन किया था, वे पहले छहरात कुल के शक क्षत्रप नहपान के अधीन थे।

201. निम्न में से किस राज्य में गोट्टीप्रोलू नामक पुरातात्विक स्थल स्थित है, जो एक प्राचीन काल के समुद्री व्यापार केंद्र का प्रमाण प्रदान करता है?

(a) आंध्र प्रदेश (b) केरल
(c) तमिलनाडु (d) ओडिशा

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (a) : आंध्र प्रदेश राज्य में गोट्टीप्रोलू नामक पुरातात्विक स्थल है, जो एक प्राचीन काल में समुद्री व्यापार केन्द्र का प्रभाव प्रदान करता है। यह तिरुपति और नेल्लोर से लगभग 80 किमी. की दूरी पर स्वर्णमुखी नदी के एक वितरिका के दाहिने किनारे पर स्थित है।

9. विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions)

202. सिंकदर ने हाइडेस्पीज के युद्ध में.....को हराया था?

(a) पोरस (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) हेराकल्स (d) युडेमस

(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 10 am)

Ans : (a) हाइडेस्पीज की लड़ाई सिकंदर और राजा पोरस के बीच 326 ई.पू. झेलम नदी के तट पर लड़ी गयी थी। लड़ाई के परिणामस्वरूप ग्रीक जीत गए और मेसोडोनियन साम्राज्य भारत के दरवाजे तक पहुँचा। पोरस की हार का कारण उसकी सेना की हाथी बने।

203. प्रथम हूण आक्रमण कब हुआ था?

(a) 358 ई. (b) 458 ई.
(c) 558 ई. (d) 658 ई.

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 4.15 pm)

Ans : (b) हूण मध्य एशिया की एक खानाबदोश जाति थी। यह जाति अपने समय में सबसे बर्बर जातियों में गिनी जाती थी। हूणों ने 458 ई. में भारत पर स्कन्दगुप्त के समय पहला आक्रमण किया था। इसका उल्लेख भीतरी स्तम्भ लेख में मिलता है। इस आक्रमण का नेतृत्व खुशनेवाज ने किया था। गुप्त काल में हूणों ने पंजाब तथा मालवा पर अधिकार कर लिया था। मथुरा से हूणों के सिक्के भी प्राप्त हुए हैं।

204. ..... ने राजा हान–हो–ती से युद्ध किया था, जो चीन के हान राजवंश के राजा थे और द्वितीय प्रयास में उसे हराया था।

(a) कनिष्क (b) चंद्रगुप्त मौर्य
(c) बिंदुसार (d) अशोक

SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : कनिष्क ने हान राजवंश के राजा हान-हो-ती के साथ युद्ध किया था तथा अपने साम्राज्य का विस्तार मध्य एशिया (उज्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, चीन का सिक्यांग एवं कांसू प्रान्त अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान) और समस्त उत्तर भारत तक किया था। कनिष्क के समय में कश्मीर के कुण्डलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ तथा इसी बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। ध्यातव्य है कि कनिष्क के समय में दो नवीन कला शैलियों का जन्म हुआ जिसे गान्धार एवं मथुरा कला शैली कहा जाता है। गान्धार कला शैली का केन्द्र बिन्दु गांधार था इसलिए इसका नाम गांधार कला शैली पड़ा। इसे इण्डोग्रीक शैली या ग्रीक बुद्धिष्ट शैली भी कहा जाता है। मथुरा कला शैली का जन्म कनिष्क के समय मथुरा में हुआ। इस शैली में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग होता है। बुद्ध की प्रथम मूर्ति इसी कला शैली में निर्मित हुई।

10. गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

205. वाकाटक साम्राज्य की महारानी, प्रभावती गुप्त, कुबेरनागा और _____ की बेटी थी।

(a) कुमार गुप्त (b) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(c) स्कन्दगुप्त (d) चन्द्रगुप्त

SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : वाकाटक वंश की स्थापना 255 ई0 में विन्ध्य शक्ति ने की थी। इस वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक राजा प्रवरसेन प्रथम था। अपने शासनकाल में उसने सम्राट की उपाधि धारण की तथा चार अश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया। ध्यातव्य है कि वाकाटक राजा रुद्रसेन द्वितीय का विवाह गुप्त वंश के शासक समुद्रगुप्त की पौत्री तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्त से हुआ था।

206. 'प्रयाग प्रशस्ति' ——— में संकलित की गई थी।

(a) हिन्दी (b) पाली
(c) संस्कृत (d) प्राकृत

SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : इलाहाबाद प्रशस्ति इसे 'प्रयाग प्रशस्ति' के नाम से भी जाना जाता है। समुद्रगुप्त का एक स्तंभ है जो इलाहाबाद में है तथा यह संस्कृत में लिखा गया है। इसकी रचना हरिषेण ने की थी। गुप्तकाल के राजनीतिक इतिहास के बारे में जानने के लिए यह महत्वपूर्ण अभिलेख स्रोतों में से एक है।

207. ___प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था।

(a) अहिच्छत्र (b) चंपा
(c) ताम्रलिप्त (d) श्रावस्ती

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : ताम्रलिप्त प्राचीन भारत का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर था। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में स्थित तामलुक नामक स्थान ही प्राचीन समय में ताम्रलिप्त के नाम से प्रसिद्ध था। गुप्तकाल में जावा, सुमात्रा आदि दक्षिणी पूर्वी देशों तथा सिंहल के लिए व्यापारिक जहाज यहाँ से आते जाते थे। यहाँ एक प्रसिद्ध शिक्षा केन्द्र था। फाह्यान, हुएनसांग, इत्सिंग आदि ने यहाँ रहकर अध्ययन किया था।

208. गुप्त शासकों के अधीन प्रशासन के संदर्भ में 'भुक्ति' शब्द का अर्थ था।

(a) एक जासूस (b) एक प्रांत
(c) एक गांव (d) मृत्यु दण्ड

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (b) : गुप्तकाल में प्रशासनिक व्यवस्था के अन्तर्गत साम्राज्यों का विभाजन 'भुक्तियों' में हुआ था, जिसे प्रांत (Province) कहा जाता था। भुक्ति में उपरिक या उपरिक महाराज नामक अधिकारी की नियुक्ति की जाती थी तथा भुक्तियों (प्रान्तो) का विभाजन अनेक जिलों में किया गया था, जिन्हें विषय कहा जाता था। विषय के

सर्वोच्च अधिकारी को विषयपति या कुमारामात्य कहा जाता था तथा इसके कार्यालय को अविठान कहा जाता था। विषयपति को सलाह एवं सहायता देने के लिए एक परिषद भी होती थी। जिसके प्रमुख को 'नगरपति' कहा जाता था। ज्ञातव्य है कि गुप्तकाल में सीमान्त प्रदेशों के प्रशासक को 'गोप्ता' कहा जाता था। इस प्रकार से उल्लेखनीय है कि गुप्त काल में विकेन्द्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था का समायोजन किया गया था।

209. गुप्त साम्राज्य का पहला शासक कौन था?

(a) कुमारगुप्त-1 (b) चंद्रगुप्त-1
(c) रामगुप्त (d) समुद्रगुप्त

SSC Stenographer – 15/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई.) गुप्तवंश का प्रथम महान शासक था। वह गुप्त साम्राज्य का प्रथम स्वतंत्र शासक था, जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह कर अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया। इस विवाह की स्मृति में चन्द्रगुप्त कुमारदेवी प्रकार के सोने के सिक्के चलायें, जिन पर एक ओर चन्द्रगुप्त तथा कुमारदेवी का चित्र तथा दूसरी ओर दुर्गा का चित्र अंकित था।

- चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319-20 ई. में गुप्त संवत् की स्थापना की थी।

210. गुप्त प्रशासन के संदर्भ में, 'विथि शब्द _____को संदर्भित करता है।

(a) राजा का निजी रक्षक (b) प्रशासनिक इकाई
(c) गजवाहक इकाई (d) सैनिक

SSC MTS 05/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : गुप्त, कुषाणों के सामंत थे जो मौर्यों के बाद उत्तर भारत के सबसे बड़े साम्राज्य के रूप में उभरे। गुप्तकालीन प्रशासनिक पद्धति विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था पर आधारित थी। गुप्त प्रशासन के संदर्भ में 'विथि' शब्द का अर्थ प्रशासनिक इकाई है। गुप्त साम्राज्य में, राजा को उसके प्रशासन में एक समुदाय और समूह द्वारा निर्देशित किया जाता था जिसमें एक मुख्यमंत्री और एक सेनापति शामिल होते थे।

211. निम्नलिखित में से किस गुप्त शासक ने लिच्छवी वंश की लड़की से विवाह किया था?

(a) समुद्रगुप्त (b) श्री गुप्त
(c) चंद्रगुप्त-I (d) रामगुप्त

SSC MTS 08/10/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई0) भारतीय इतिहास के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजाओं में से एक था, जिसे गुप्त वंश का प्रथम वास्तविक संस्थापक माना जाता है। वह गुप्त शासक घटोत्कच का पुत्र था, जिसने एक गुप्त संवत 319 ई. चलाया। उसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की और लिच्छिवी राज्य की राजकुमारी 'कुमार देवी' के साथ विवाह कर लिच्छिवियों की सहायता से शक्ति बढ़ाई।

212. 319 ई. से 550 ई. के बीच किस राजवंश ने भारत पर शासन किया था?

(a) मौर्य राजवंश (b) होयसल राजवंश
(c) मगध राजवंश (d) गुप्त राजवंश

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : शुंग वंश के पतन के बाद सनातन संस्कृति की एकता को फिर से एकजुट करने का श्रेय गुप्त वंश के राजाओं को जाता है। गुप्त वंश की वास्तविक स्थापना 319 ई. के लगभग चंद्रगुप्त प्रथम ने की थी और 550 ई. तक यह वंश शासन करता रहा। पुराणों के अनुसार गुप्तों का उदय प्रयाग और साकेत के बीच संभवत: कौशाम्बी में हुआ था।

213. निम्नलिखित में से कौन चंद्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी था?

(a) समुद्रगुप्त (b) विक्रमादित्य
(c) चंद्रगुप्त द्वितीय (d) घटोत्कच

SSC GD 18/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था। समुद्रगुप्त गुप्त वंश के चौथे राजा थे एवं उनके साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। समुद्रगुप्त एक कुशल योद्धा था। इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने उसे भारत का नेपोलियन कहा।

214. निम्नलिखित में से महाराजाधिराज की उपाधि धारण करने वाले प्रथम गुप्त सम्राट कौन थे ?

(a) चंद्रगुप्त प्रथम (b) चंद्रगुप्त द्वितीय
(c) समुद्रगुप्त (d) रामगुप्त

SSC GD 29/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : चन्द्रगुप्त प्रथम को गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। उन्होंने सर्वप्रथम 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की तथा पाटलिपुत्र को राजधानी बनाया तथा 319 में 'गुप्त संवत' की स्थापना की।

215. गुप्त राजवंश का वह पहला शासक निम्नलिखित में से कौन था जिसने महाराज - अधिराज की पदवी धारण की थी?

(a) चंद्रगुप्त (b) रामगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) स्कन्दगुप्त

SSC GD 29/11/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : गुप्त वंश का पहला शासक जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की वह चन्द्रगुप्त प्रथम था। वह गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक था। वह प्रथम गुप्त शासक था जिसने स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन कराया इसके पृष्ठ भाग पर दुर्गा की आकृति उत्कीर्ण है। उसने लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया था। राजा रानी प्रकार, विवाह प्रकार तथा लिच्छवी प्रकार के स्वर्ण सिक्के जारी किए थे।

216. ——— साम्राज्य के शासनकाल को भारतीय सभ्यता का स्वर्ण युग कहा जाता है।

(a) बुद्ध (b) हर्ष
(c) गुप्त (d) पोरस

SSC GD 09/03/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : गुप्त साम्राज्य की नींव रखने वाला शासक श्री गुप्त था। श्री गुप्त ने ही 275 ई. में गुप्त वंश की स्थापना की थी। मौर्य काल के बाद गुप्तकाल को भी भारतीय इतिहास का स्वर्णिम युग माना जाता है। गुप्त वंश की जानकारी वायु पुराण से प्राप्त होती है। गुप्तकाल की राजकीय भाषा संस्कृत थी। ये भी माना जाता है कि दशमलव प्रणाली की शुरूआत तथा मंदिरों का निर्माण कार्य भी गुप्तकाल से ही शुरू हुआ था।

217. महाराजाधिराज की उपाधि लेने वाला प्रथम गुप्त शासक कौन था?

(a) चन्द्रगुप्त I (b) समुद्रगुप्त
(c) कुमारगुप्त (d) स्कन्दगुप्त

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)

Ans. (a) : कुषाणों के पतन के बाद उत्तर भारत में अनेक छोटे–छोटे राज्यों का उदय हुआ। ऐसे ही समय में मगध में गुप्त राजवंश का उदय हुआ। ये कुषाणों के सामंत थे। गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था। इसने 'महाराज' की उपाधि धारण की। इसके बाद

घटोत्कच शासक हुआ तथा इसने भी महाराज की उपाधि धारण की। गुप्तवंश का वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम था जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी। इसे एक नया संवत् गुप्त संवत चलाने का श्रेय दिया जाता है। गुप्त संवत् 319 ई. में शुरू किया गया था। इसने लिच्छवि राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह किया तथा इसका साम्राज्य आधुनिक बिहार और उ.प्र. तक माना जाता है।

218. गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था?

(a) पुरुगुप्त (b) विष्णु गुप्त
(c) स्कंद गुप्त (d) कुमार गुप्त

SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-II)

Ans. (b) : गुप्त वंश का अन्तिम शासक विष्णु गुप्त था, जो 550 ई. तक शासन करता रहा। नालन्दा से प्राप्त एक मुद्रा लेख में विष्णु गुप्त का लेख मिलता है। गुप्त वंश का संस्थापक 'श्री गुप्त' था किन्तु चन्द्रगुप्त प्रथम (319-350 ई.) ने गुप्त साम्राज्य को प्रतिष्ठा प्रदान की एवं इसे ही गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। इसने एक नया संवत् 'गुप्त संवत्' चलाया। गुप्त वंश में सर्वप्रथम इसने ही स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन करवाया था।

नोट– आयोग ने विकल्प (c) को अपने संशोधित उत्तर में सही माना है। जो निराधार है।

219. किस साम्राज्य को हिन्दुत्व का स्वर्ण युग माना जाता है?

(a) मौर्य (b) मुगल
(c) गुप्त (d) चोल

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) गुप्त वंश की स्थापना श्रीगुप्त (240–280 ई.) ने की थी। गुप्त वंश के शासकों में चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, कुमार गुप्त आदि प्रमुख शासक हुए। सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण गुप्तकाल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण काल कहा जाता है।

220. भारत के इतिहास में किसके शासनकाल को भारत का स्वर्णिम युग कहा जाता है?

(a) मुगल साम्राज्य (b) मराठा साम्राज्य
(c) गुप्त सामाज्य (d) मौर्य साम्राज्य

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

221. आर्यभट्ट और कालीदास किस 'गुप्त' शासक के दरबार में थे?

(a) कुमारगुप्त I (b) चन्द्रगुप्त II
(c) समुद्रगुप्त (d) स्कन्दगुप्त

SSC CGL 03-09-2016, 1.15 pm

Ans : (b) चन्द्रगुप्त द्वितीय को चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। आर्यभट्ट और कालिदास, चन्द्रगुप्त II के राज्य दरबार से संबन्धित थे। अनुश्रुतियों के अनुसार चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबार में नौ विद्वानों की एक मण्डली निवास करती थी जिसे नवरत्न कहा गया है। इनमें कालिदास, धनवन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, बेताल भट्ट, घटकर्पर, वारामिहिर, वररूचि जैसे विद्वान शामिल थे।

222. घटोत्कच (जिसने 290-305 ई. में राज्य किया था) किस साम्राज्य का राजा था?

(a) गुप्त साम्राज्य (b) कण्व साम्राज्य
(c) शुंग साम्राज्य (d) मौर्य साम्राज्य

SSC CGL 03-09-2016, 1.15 pm

Ans : (a) समुद्रगुप्त के प्रयाग प्रशस्ति में गुप्त वंशावली का विवरण है। इस अभिलेखीय साक्ष्य के अनुसार गुप्त साम्राज्य का संस्थापक श्रीगुप्त था। श्री गुप्त का उत्तराधिकारी उसका पुत्र घटोत्कच (280-319) था।

223. निम्नलिखित में से कौन गुप्तकालीन शासक था?

(a) विम कडफ़िसेस (b) कनिष्क
(c) धनानंद (d) विक्रमादित्य

SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-I)

Ans : (d) समुद्रगुप्त के पश्चात गुप्त वंशावली में चुन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य (375-415 ई.) का उल्लेख मिलता है। चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के शासनकाल में 'गुप्त साम्राज्य अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचा। उसने वैवाहिक सम्बन्ध और युद्ध विजय दोनों तरह से अपने साम्राज्य की सीमा का विस्तार किया। चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के ही शासनकाल में चीनी यात्री फाहियान (399-412 ई.) भारत आया था।

224. गुप्त वंश के अंतिम स्वीकृत सम्राट ———— थे।

(a) समुद्रगुप्त (b) विष्णुगुप्त
(c) अशोक (d) बिम्बिसार

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : इस प्रश्न के विकल्प के अनुसार गुप्त वंश का अंतिम स्वीकृत सम्राट विष्णुगुप्त था जिसने 543 ई. से 550 ई. तक शासन किया। गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त को माना जाता है। गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है। गुप्त वंश की जानकारी हमें वायुपुराण से प्राप्त होती है तथा इसकी राजकीय भाषा संस्कृत थी।

225. गुप्त शासकों ने ——— नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल-कर था।

(a) कर (b) हलिवकर
(c) हिरण्य (d) शुल्क

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)

Ans. (b) : गुप्त शासकों ने हलिवकर या हलदण्ड नाम का जुर्माना लगाया था, जो हल रखने वाले प्रत्येक कृषक द्वारा भुगतान किया जाने वाला एक हल कर था। आर्थिक उपयोगिता के आधार पर गुप्त काल में निम्न प्रकार की भूमि थी-

1. क्षेत्र–कृषि करने योग्य भूमि
2. वास्तु–वास करने योग्य भूमि
3. सारा–पशुओं के चारा योग्य भूमि
4. खिल–ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी।
5. अप्रहत–ऐसी भूमि जो जंगली होती थी।

226. चीनी यात्री 'शुंग युन' भारत कब आया था?

(a) 510 ई. (b) 518 ई.
(c) 525 ई. (d) 528 ई.

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : चीनी यात्री शुंग-युन 518 ई. में भारत आया और उसने अपने तीन वर्षों की यात्रा में बौद्ध ग्रन्थों की प्रतियाँ प्राप्त की। ध्यातव्य है कि फाह्यान, ह्वेनसांग तथा इत्सिंग भी चीनी यात्री थे जिन्होंने भारत की यात्रा की। फाह्यान, चन्द्रगुप्त द्वितीय 'विक्रमादित्य' (375-415 ई.) के दरबार में आया। ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में (629 ई. के लगभग) भारत आया था। भारत आने वाले चीनी यात्री–

(क) फाह्यान – भारत में आने वाला यह प्रथम चीनी यात्री था, जो चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के समय भारत की यात्रा की। इसने 15 वर्षों तक बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन किया।
(ख) शुंग युन – यह 518 ईस्वी में भारत आया। इसने बंगाल व बिहार की तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक स्थितियों का वर्णन किया।
(ग) इत्सिंग – यह 671–693 ईस्वी तक भारत में रहा। यह चीनी बौद्ध यात्री था जो नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहा तथा त्रिपिटकों की 400 प्रतियाँ अपने साथ ले गया।
(घ) माल्वेन लिन – 7वीं शताब्दी में भारत आया। इसने हर्षवर्धन की पूर्वी भारत आक्रमण अभियान का वर्णन किया है।
(ङ) चाउ-जू-कुआं - यह 1125–1254 ईस्वी तक भारत में रहा। इसने अपनी रचना में चू–फान–ची में 13वीं शताब्दी के चीनी–अरबी व्यापार पर प्रकाश डाला है।

227. छठीं शताब्दी के शुरूआत में भारत की यात्रा पर आने वाले चीनी तीर्थयात्री ..... थे।
(a) ह्वेनसांग (b) फाहियान
(c) शुंग युन (d) इत्सिंग
SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-II)

Ans : (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. गुप्तोत्तर साम्राज्य (Post- Gupta Empire)

228. भारतीय सम्राट हर्ष की जीवनी, 'हर्षचरित' (हर्ष के कार्य), _____ ने लिखी थी।
(a) बाणभट्ट (b) स्वामी शिवानंद
(c) वाल्मीकि (d) रबीन्द्रनाथ टैगौर
SSC MTS 06/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : हर्षवर्धन (606 ई- 647 ई.)- हर्षवर्धन पुष्पभूति वंश का सर्वाधिक प्रतापी राजा था। उन्होंने अपने दरबार में कादम्बरी और हर्षचरित (हर्ष के कार्य) के रयियता बाणभट्ट, सूर्यशतक के रचयिता मयूर तथा चीनी विद्वान ह्वेनसांग (सी-यू-की का रचयिता) को आश्रय प्रदान किया था।

229. राजा शशांक, जिनके विरुद्ध हर्षवर्धन ने युद्ध की घोषणा की थी, ...साम्राज्य के शासक थे।
(a) कान्यकुब्ज (b) जूनागढ़
(c) मगध (d) गौड़
SSC MTS 14/10/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : शंशाक, बंगाल का हिन्दू राजा था जिसने सातवीं शताब्दी के अन्तिम चरण में बंगाल पर शासन किया तथा गौड़ राजवंश की स्थापना की। मालवा के राजा देवगुप्त से दुरभिसन्धि करके हर्षवर्धन की बहन राज्यश्री के पति कन्नौज के मौखरी राजा गृहवर्मन को मार डाला जिसकी खबर सुनकर हर्षवर्धन ने शशांक से युद्ध की घोषणा कर दी थी।

230. बाणभट्ट ने राजा _____ की जीवनी लिखी।
(a) चंद्रगुप्त मौर्य (b) हर्षवर्धन
(c) समुद्रगुप्त (d) अशोक
SSC GD 23/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : बाणभट्ट सम्राट हर्ष वर्धन के दरबारी कवि थे। हर्षचरित एवं कादम्बरी इनके द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तके हैं। हर्षचरित में इन्होंने हर्षवर्द्धन के जीवन चरित्र का वर्णन किया है, जबकि कादम्बरी एक प्रसिद्ध उपन्यास है। हर्षचरित ऐतिहासिक विषय पर गद्य-काव्य लिखने का प्रथम सफल प्रयास था। यह भारत में उपलब्ध प्राचीनतम जीवनचरित है।

231. हर्षचरित कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि ——— द्वारा संस्कृत में रचित है।
(a) कंबन (b) जिनसेन
(c) बाणभट्ट (d) दंडी
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (c) : 'हर्षचरित' कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है, जो उनके दरबारी कवि बाणभट्ट द्वारा संस्कृत में रचित है। उनका दूसरा ग्रंथ कादम्बरी है, जिसे दुनिया का पहला उपन्यास माना जाता है। कादम्बरी पूर्ण होने से पहले ही बाणभट्ट की मृत्यु हो गई तथा इस उपन्यास को बाद में उनके पुत्र भूषणभट्ट ने पूरा किया।

232. उस चीनी तीर्थयात्री का नाम बताईये जो बौद्ध ग्रंथों की तलाश में भारत आया था ?
(a) फा–हिएन (b) ह्वैन त्सांग
(c) फा–त्सिंग (d) वांग–दायुआन
(SSC J.E. 04.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) सम्राट हर्ष के शासन काल में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था। वह लगभग 629 ई. से लेकर 645 ई. तक भारत रहा। वह नालन्दा के बौद्ध विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए और भारत से बौद्ध ग्रंथ बटोर कर ले जाने के लिए भारत आया था। ह्वेनसांग के अनुसार बौद्ध धर्म के लोग 18 सम्प्रदायों में बंटे हुए थे। उसके अनुसार नालन्दा विश्वविद्यालय का भरण पोषण 100 गाँवों के राजस्व से होता था।

233. चालुक्य शासक पुलकेशिन की हर्षवर्धन पर विजय का वर्ष ..... था।
(a) 612 ईस्वी (b) 618 ईस्वी
(c) 622 ईस्वी (d) 634 ईस्वी
SSC JE Civil - 25/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : एहोल अभिलेख से पता चलता है कि चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय का हर्षवर्धन से नर्मदा नदी के तट पर युद्ध हुआ जिसमें हर्षवर्धन पराजित हुआ। सैकड़ों राजाओं को जीतने के बाद इसने 'परमेश्वर' की उपाधि धारण की थी। ध्यातव्य है कि एहोल अभिलेख एक प्रशस्ति के रूप में है तथा इसकी भाषा संस्कृत है, लिपि दक्षिणी ब्राह्मी हैं। इसकी रचना रविकीर्ति ने की थी। ध्यातव्य है कि बादामी/वातापी के चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम था।

234. राजा हर्षवर्धन ने अपने भाई ——— की मृत्यु के बाद थानेश्वर और कन्नौज के सिंहासन पर प्रभुत्व स्थापित किया।
(a) सूर्यवर्धन (b) राज्यवर्धन
(c) चंद्रवर्धन (d) इंद्रवर्धन
SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : हर्षवर्धन के पिता प्रभाकरवर्धन की मृत्यु (605 ई.) के बाद हर्षवर्धन का बड़ा भाई राज्यवर्धन राजा हुआ, परन्तु मालवा नरेश देवगुप्त और गौंड नरेश शशांक की दुरभिसंधि के कारण वह मारा गया। हर्षवर्धन 606 ई. में गद्दी पर बैठा और अपनी बहन राज्यश्री का विंध्याटवी से उद्धार किया तथा थानेश्वर का अपने राज्य में विलय किया, देवगुप्त से मालवा छीन लिया और शशांक को गौंड भगा दिया। हर्ष को 'साहित्यकार सम्राट' कहा जाता है क्योंकि उसने तीन नाटक प्रियदर्शिका, रत्नावली तथा नागानन्द की रचना की।

235. किसके शासनकाल में चीनी यात्री ह्वेन सांग भारत आये थे?

(a) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (b) समुद्रगुप्त
(c) चन्द्रगुप्त प्रथम (d) हर्षवर्धन

SSC CGL (Tier-I) – 07/06/2019 (Shift-III)

Ans : (d) ह्वेनसांग हर्षवर्धन के शासन काल में भारत (629-645 ई.) आया था। वह भारत में 16 वर्षों तक रहा तथा बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण किया। ह्वेनसांग का भ्रमण वृतान्त सि-यू-की नाम से प्रसिद्ध है। चीन से आने वाले अन्य प्रमुख यात्री फाहियान, चन्द्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के समय में, शुंगयुन व इत्सिंग सातवीं शताब्दी में भारत आये थे।

236. राजा हर्ष ने अपनी राजधानी.....से..... स्थानान्तरित की थी।

(a) थानेसर, कन्नौज (b) दिल्ली, देवगिरी
(c) कम्बोज, कन्नौज (d) वालाभी, दिल्ली

SSC CGL (TIER-1) 09-09-2016, 1.15 pm

Ans : (a) हर्षवर्धन (606-647 ई.) (वर्द्धन वंश) ने उत्तरी भारत में अपना एक सुदृढ साम्राज्य स्थापित किया था वह अंतिम हिन्दू सम्राट था, जिसने पंजाब छोड़कर शेष समस्त उत्तरी भारत पर राज्य किया। शशांक की मृत्यु के उपरांत वह बंगाल को जीतने में समर्थ हुआ। हर्षवर्धन के शासन काल का इतिहास मगध से प्राप्त दो ताम्रपत्रों, राजतरंगिणी, चीनी यात्री ह्वेनसांग के विवरण और हर्ष एवं बाण भट्ट द्वारा रचित संस्कृत काव्य ग्रंथो में प्राप्त है। इसने अपनी राजधानी थानेश्वर से कन्नौज स्थानान्तरित की थी।

12. दक्षिण भारतीय राजवंश (South Indian Dynasty)

237. निम्न में से कौन-सा राजवंश, संगम साहित्य में वर्णित 'तीन ताज वाले राजाओं' (मुवेंटार) में से एक नहीं था?

(a) चेर (b) पल्लव
(c) पाण्ड्य (d) चोल

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I

Ans. (b) : संगम साहित्य में वर्णित तीन ताज वाले राजाओं में - चेर, चोल तथा पाण्ड्य थे।

संगम युग से तात्पर्य दक्षिण भारत (कृष्णा एवं तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) के आरंभिक इतिहास का वह युग है, जब तमिल कवियों द्वारा बड़ी संख्या में तमिल कविताओं की रचना की गयी। संगम शब्द कवियों के समागम का साथ आने का स्थल है। तीन संगम मदुरै के पाण्ड्य शासकों के संरक्षण में विभिन्न स्थलों पर आयोजित किये गये। इस साहित्य का सृजन काल 300 ई.पू. से 300 ई. के मध्य माना जाता है।

238. निम्न में से किस कवि ने उत्तरवर्ती चालुक्य शासक विक्रमादित्य VI की जीवनी लिखी?

(a) संध्याकर नंदी (b) बल्लाल
(c) वाक्पति (d) बिल्हण

SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-II

Ans. (d) : बिल्हण कल्याणी के चालुक्यवंशीय शासक विक्रमादित्य षष्ठ (1076-1126) की राजसभा में एक कश्मीरी राजकवि और विद्वान थे। इन्होंने विक्रमादित्य VI की जीवनी 'विक्रमांकदेव चरित' की रचना की। बिल्हण ने 'विक्रमांकदेव चरित' में अपने आश्रय दाता सम्राट का जीवन चरित अत्यंत सरस ढंग से प्रस्तुत किया है।

239. विक्रमादित्य VI, जिनके दरबारी कवि बिल्हण ने उनकी जीवनी लिखी थी, ... राजवंश के शासक थे।

(a) राष्ट्रकूट (b) पल्लव
(c) चालुक्य (d) गंगा

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : विक्रमादित्य षष्ठ (1076 से 1126 ई.) कल्याणी के चालुक्य वंश का अंतिम महान शासक था। इन्होंने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की थी। बिल्हण कल्याणी के चालुक्य वंशी शासक विक्रमादित्य षष्ठ की राजसभा में निवास करते थे। उनकी सुप्रसिद्ध रचना विक्रमांकदेवचरित है, जिसमें उन्होंने अपने आश्रयदाता सम्राट का जीवन चरित अत्यन्त सरस ढंग से प्रस्तुत किया है।

240. चालुक्य राजवंश ने वातापी में शासन किया जो आधुनिक समय में ..... भारतीय राज्य में है।

(a) केरल (b) गुजरात
(c) कर्नाटक (d) तमिलनाडु

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-I)

Ans. (c) : चालुक्य के वातापी वंश की स्थापना पुलकेशिन प्रथम ने की थी। महाकूट अभिलेख के अनुसार इससे पूर्व दो और शासकों के नाम जयसिंह एवं रणराग भी आते हैं लेकिन ये स्वतंत्र शासक नहीं थे बल्कि कदम्ब शासकों के अधीन सामंत थे। चालुक्यों की मूल शाखा का उदय स्थल वातापी बादामी (बीजापुर, कर्नाटक) में हुआ था। चालुक्य वंश के उत्तर में हर्षवर्धन तथा दक्षिण में पल्लव वंश का राज था।

241. बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उद्भव हुआ जिसका नेतृत्व बासवन्ना (1106–68) नामक एक ब्राह्मण ने किया जो प्रारंभ में जैन मत को मानने वाले थे और.....राजा के दरबार में मंत्री थे–

(a) चोल (b) चालुक्य
(c) मौर्य (d) गुप्त

(SSC J.E. 02.03.17, 10:00 am)

Ans : (b) गुरू बासव अथवा बासवन्ना एक दार्शनिक एवं समाज सुधारक थे। गुरू बासवन्ना दक्षिणी भारत के कल्याणी के कलचुरी साम्राज्य में प्रधानमंत्री थे। इन्होंने अपने वचनों में (कन्नड़ भाषा में पवित्र भजन) शैवधर्म के आध्यात्मिक स्वरूप को प्रकाशित किया। इन्होंने जाति, धर्म, के आधार पर भेदभाव का विरोध किया। अपने आंदोलनों में इन्होंने ईश्वर की सार्वभौमिक अवधारणा एवं निराकार स्वरूप पर बल दिया।

वास्तव में वासवन्ना कल्याणी के कलचुरी वंश के राजा विज्जल देव के प्रधानमंत्री थे जो दिए गये विकल्पों में नहीं है। परन्तु आयोग ने इसका उत्तर (b) चालुक्य माना है।

242. रानी रुद्रमादेवी का संबंध निम्नलिखित में से किस राजवंश से था?

(a) वाकाटक (b) काकतीय
(c) पश्चिमी गंगा (d) चोल

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-III)

Ans. (b) : रुद्रमा देवी वारंगल के काकतीय वंश की रानी थी। इनका जन्म गणपति देव के यहां हुआ था। राजा गणपति के कोई पुत्र नहीं था इसलिए पिता की मृत्यु के पश्चात् रुद्रमा देवी ने शासन किया। जब इन्होंने शासन संभाला उस समय वह मात्र 14 वर्ष की थी।

243. रानी रुद्रमा देवी ..... राजवंश की प्रसिद्ध शासक थी।

(a) पांड्य (b) काकतीय
(c) चोल (d) चेर

SSC MTS 11/10/2021 (Shift-I)

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

244. बादामी किस वंश की सबसे पुरानी राजधानी थी?

(a) चालुक्य राजवंश (b) शुंग राजवंश
(c) पल्लव राजवंश (d) मौर्य राजवंश

SSC MTS 12/10/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : चालुक्य राजवंश का उदय 6वीं से 12वीं शताब्दी के मध्य दक्षिणी और मध्य भारत के बड़े हिस्से में हुआ। चालुक्य राजवंश की मुख्यतः तीन शाखाएँ थीं– जिनकी राजधानी क्रमशः–

शाखाएँ		राजधानी
बादामी/वातापी के चालुक्य (मूल शाखा)	–	बादामी
वेंगी के चालुक्य (पूर्वी शाखा)	–	वेंगी (पहले) राजमुंद्री (बाद में)
कल्याणी के चालुक्य (पश्चिमी शाखा)	–	मान्यखेत

245. गौतमीपुत्र सातकर्णि दूसरी शताब्दी ईस्वी में _____ साम्राज्य के महानायक शासक थे।

(a) चेर (b) राष्ट्रकूट
(c) चोल (d) सातवाहन

SSC MTS 14/10/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : सातवाहन वंश, प्राचीन भारत का एक महारथी-मरहट्टी (मराठा) राजवंश है। सातवाहन वंश की स्थापना 60 ई.पू. में राजा सिमुक ने की थी। प्रतिष्ठान (गोदावरी नदी के तट पर) सातवाहन वंश की राजधानी थी, जो यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में थी। इनकी राजकीय भाषा प्राकृत व लिपि ब्राह्मी थी।

246. चोल शिलालेखों में तिरूनामट्टुक्कानी को '_____' के रूप में वर्णित किया गया है।

(a) ब्राह्मणों को भेंट की गई जमीन
(b) गैर-ब्राह्मण किसान मालिकों की जमीन
(c) जैन संस्थाओं को दान की गई जमीन
(d) मंदिरों को भेंट की गई जमीन

SSC MTS 02/11/2021 (Shift-I)

Ans. (d) : चोल शिलालेखों में दान की गई भूमि को अन्य नामों से जाना जाता था जैसे- मन्दिरों को भेंट की गई जमीन को देवदान या तिरुनामट्टुक्कनी कहा जाता है'। ब्राह्मणों को भेंट की गई जमीन को ब्रह्मदेय तथा स्कूल को दी गई जमीन को शालाभोग के नाम से जाना जाता था।

247. चालुक्य राजवंश, भारत के _____ भाग का एक प्रमुख साम्राज्य था।

(a) दक्षिणी (b) उत्तरी
(c) पश्चिमी (d) पूर्व

SSC CHSL 16/04/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : चालुक्य साम्राज्य की स्थापत्य कला के प्राचीनतम साक्ष्य बौद्ध धर्म से है, जिनका विकास तीसरी ईस्वी से सातवीं ईस्वी तक हुआ तथा इन्होंने दक्षिणी और मध्य भारत के बड़े हिस्से पर शासन किया।

248. निम्नलिखित में से कौन, चोल राजवंश का संस्थापक था?

(a) राजेंद्र I (b) राजेंद्र II
(c) विजयालय (d) राजाराज

SSC GD 14/12/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : चोल वंश की स्थापना 9वीं शताब्दी विजयालय (850–871 ई.) ने की थी। इसने तंजावुर को अपनी राजधानी बनाया तथा नरकेसरी की उपाधि धारण की थी। चोलों का स्वंतत्र राज्य आदित्य प्रथम ने स्थापित किया। पल्लवों पर विजय पाने के पश्चात आदित्य प्रथम ने कोदण्डराम की उपाधि धारण की। स्थानीय स्वशासन चोल शासन की मुख्य विशेषता थी।

249. तंजावुर का राजराजेश्वर मंदिर निम्न में से किस देवता को समर्पित करता है?

(a) भगवान कृष्ण (b) भगवान शिव
(c) भगवान राम (d) भगवान गणेश

SSC GD 26/11/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : तंजावुर का राजराजेश्वर मंदिर 1010 ईस्वी में राजराज चोल प्रथम द्वारा बनवाया गया था। बृहदेश्वर मंदिर को राजराजेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह भगवान शिव को समर्पित है।

250. चोल शिलालेखों में विद्यापीठों के लिए उपहार में दी गई भूमि का उल्लेख किस नाम से किया गया है?

(a) तिरुनमट्टकनी (b) वेल्लनवगाई
(c) पल्लीछंदम (d) शालभोग

SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)

Ans. (d) : नौवीं शताब्दी में चोलवंश की स्थापना विजयालय (848-871 ई.) ने की थी। इसकी राजधानी तंजौर थी। राजराज प्रथम, राजेन्द्र प्रथम, राजेन्द्र II इस वंश के महान शासक थें। स्थानीय स्वशासन चोल काल की प्रमुख विशेषता थी। चोल अभिलेखों में भूमि की विभिन्न कोटियों का उल्लेख मिलता है–

वेल्लनवगाई – गैर-ब्राह्मण किसान स्वामी की भूमि
ब्रह्मदेय – ब्राह्मणों को उपहार दी गई भूमि
शाला भोग – किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए भूमि
देवदान/तिरुनमटुक्कनी – मंदिर को उपहार में दी गई भूमि
पल्लिच्चंदम – जैन संस्थानों को दान दी गई भूमि

251. _____ स्थापत्य कला की एक शैली है जिसमें नागर और द्रविड़ शैली के तत्वों का समावेश है।

(a) प्रशस्ति (b) संहिता
(c) वेसर (d) तोरण

SSC GD 08/12/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : नागर और द्रविड़ शैली के मिश्रित रूप को वेसर शैली कहते हैं। इस शैली को चालुक्य शैली भी कहा जाता है। वेसर शैली के मंदिरो का आकार आधार से शिखर तक गोलाकार (वृत्ताकार) या अर्द्ध गोलाकार होता है। वृंदावन का वैष्णव मंदिर इस शैली में बना है।

252. कदमाई _____ राजवंश के तहत भू-राजस्व का एक रूप था ।

(a) चोल (b) कुषाण
(c) चालुक्य (d) गुप्त

SSC GD 30/11/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : कदमाई चोल राजवंश के तहत एक भू-राजस्व कर था। यह इस अवधि के दौरान मौजूद 400 करों में से एक था। चोल वंश की स्थापना 9 वीं शताब्दी में विजयालय (848 - 870 ई.) ने की थी। विजयालय ने 'नरकेसरी' की उपधि धारण की। चोल वंश की राजधानी तंजावुर थी।

253. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रकूट वंश का शासक था?

(a) समुद्रगुप्त (b) ध्रुव
(c) अशोक (d) कनिष्क

SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)

Ans. (b) : ध्रुव राष्ट्रकूट वंश का शासक था। इसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया। ध्रुव को धारवर्ष' भी कहा जाता है तथा निरूपम भी।

254. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रकूट साम्राज्य के दंतिदुर्ग का उत्तराधिकारी बना?

(a) गोविंदा-III (b) कृष्ण-I
(c) कुलशेखर-III (d) इंद्र-III

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)

Ans. (b) : कृष्ण प्रथम दंतिदुर्ग का उत्तराधिकारी बना। इसने वेंगी के विष्णुवर्धन और मैसूर के गंगा राजा को भी हराया।

255. दक्षिण के चोल शासकों के प्रभाव का काल था :

(a) 17वीं शताब्दी ईसवी सन्
(b) 9वीं शताब्दी ईसवी सन्
(c) 19वीं शताब्दी ईसवी सन्
(d) 9वीं शताब्दी ईसा पूर्व

SSC GD 22/02/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : चोल पल्लव के सामंत थे। चोल साम्राज्य की स्थापना विजयालय चोल ने की, जो पल्लवो के एक सामंती सरदार थे। विजयालय ने 9वीं शताब्दी (850-871) ईस्वी में चोल वंश की स्थापना की। विजयालय ने नरकेसरी की उपाधि धारण की थी तथा निशुम्भसूदनी मंदिर का निर्माण करवाया था। चोल वंश के प्रमुख शासक विजयालय, आदित्य प्रथम, परातंक प्रथम, राजराज प्रथम आदि थे।

256. तीसरी शताब्दी में वाकाटक वंश का संस्थापक कौन था?

(a) रूद्रसेना (b) विन्ध्यशक्ति
(c) प्रवरसेना (d) नागभट्ट

SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-I)

Ans : (b) वाकाटक वंश की स्थापना 255 ई. में विन्ध्यशक्ति नामक व्यक्ति ने की थी। इसमें 255 ई. से 275 ई. तक शासन किया। अजंता अभिलेख में इसे 'वंश केतु' कहा गया है।

257. चालुक्य वंश के संस्थापक कौन था?

(a) पुलकेसिन-I (b) कीर्तिवर्मन
(c) नरसिम्हवर्मन (d) मंगलसा

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-II)

Ans : (a) चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम था 'इसने इस वंश की स्थापना 543 ई. में किया था। इसकी राजधानी वातापी थी। इसके वंशजों को 'बादामी का चालुक्य' कहा जाता है। इस वंश के प्रमुख शासक पुलकेशिन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेशिन द्वितीय, विक्रमादित्य आदि थे। इस वंश का सबसे प्रतापी राजा पुलकेशिन द्वितीय था। एहोल अभिलेख का संबंध पुलकेशिन द्वितीय से है।

258. बादामी चालुक्यों के बादामी जाने से पहले उनकी राजधानी ..... थी।

(a) हुबली (b) पट्टाकल
(c) बीजापुर (d) ऐहोल

SSC CGL (Tier-I) – 06/06/2019 (Shift-I)

Ans. (d) : बादामी चालुक्यों के बादामी जाने से पहले उनकी राजधानी ऐहोल थी। यह मालप्रभा नदी के तट पर सांस्कृतिक दृष्टि से चालुक्यों के लिए महत्वपूर्ण राजधानी थी। ऐहोल के प्राचीन स्मारको को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया गया है। यहां के प्रमुख स्मारको में दुर्गा मन्दिर, लाडखान मन्दिर, तथा रावण पहाड़ी गुफा आदि को सम्मिलित किया गया। यही से पुलकेशिन द्वितीय का 634 ई. का एक अभिलेख भी प्राप्त हुआ है।

259. चालुक्यों की पहली राजधानी कहाँ थी?

(a) मद्रास (b) ऐहोल
(c) हैदराबाद (d) काँचीपुरम

SSC MTS 9-10-2017 (Shift-I)

Ans : (b) चालुक्य वंश की पहली राजधानी ऐहोल थी, इस वंश के प्रमुख शासकों में पुलकेशिन प्रथम, कीर्तिवर्मन, पुलकेशिन-II व विक्रमादित्य थे। रविकीर्ति द्वारा लिखित ऐहोल अभिलेख का सम्बन्ध पुलकेशिन द्वितीय से है। ऐहोल कर्नाटक राज्य के बागलकोट जिले में एक प्राचीन मंदिर समूह के लिए प्रसिद्ध स्थल है। वादामी के चालुक्य शासक निम्न है।

जयसिंह → रणराग → (1) पुलकेशिन I (वंश का संस्थापक) → (2) कीर्तिवर्मन (3) मंगलेश → (4) पुलकेशिन II ।

260. वह कौन-सा चोल शासक था, जो 'गंगा विजेता (Victor of the Ganges)' के नाम से प्रसिद्ध है?

(a) विजयालय चोल (b) राजेंद्र चोल प्रथम
(c) गण्डरादित्य चोल (d) परान्तक चोल प्रथम

SSC CHSL 13/10/2020 (Shift-II)

Ans. (b) : चोल शासक राजेन्द्र चोल प्रथम 'गंगा विजेता' की उपाधि धारण की थी। चोल वंश दक्षिण भारत में 11वीं शताब्दी का समृद्ध राज्य था। जिनका शासन कृष्णा और कावेरी नदियों के बीच क्षेत्र पर था। ज्ञातव्य है कि 850 ई. में विजयालय चोल ने चोल राजवंश की स्थापना की थी। विजयालय ने 'नरकेसरी' की उपाधि धारण की। राजराज प्रथम का उत्तराधिकारी उसका पुत्र राजेन्द्र प्रथम था। उसने गंगैकोण्डचोलपुरम की उपाधि धारण की थी। चोल कालीन प्रशासन एक केन्द्रीय प्रशासन था इनका प्रशासन निम्न रूप में विभाजित था।

राष्ट्र → मण्डलम् → कोट्टम या वलनाडु → नाडु → ग्राम

261. निम्नलिखित में से ऐसी कौन सी एकमात्र सही जोड़ी है जैसी चोल शिलालेखों द्वारा वर्णित की गई है?

(a) पल्लिचंदम-जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि
(b) ब्रह्मादेय-मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि
(c) शालाभोग-ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि
(d) वेल्लनवगाई-ब्राह्मण कृषक स्वामियों की भूमि

SSC CGL (Tier-I)-2019 – 09/03/2020 (Shift-III)

Ans. (a) : चोल शिलालेखों में वर्णित भूमियाँ इस प्रकार हैं-
पल्लिच्चंदम–जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि
ब्रह्मादेय–ब्राह्मणों को दान/उपहार में दी गई भूमि
शालाभोग–स्कूलों के रख-रखाव के लिए दी गई भूमि
वेल्लनवगाई–गैर-ब्राह्मण किसानों को दी गई भूमि

262. वेट्टी, _____शासकों द्वारा जबरन श्रम के रूप में एकत्र किया गया कर था।

(a) नंद (b) पल्लव
(c) चालुक्य (d) चोल

SSC GD 03/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : वेट्टी चोल शासकों द्वारा जबरन श्रम के रूप में एकत्र किया गया कर था। यह आम लोगों से वसूला जाता था। आम लोग बिना किसी मजदूरी के राजा एवं उनके अधीनस्थ जमीदारों के लिए काम करने के लिए विवश थे।

263. निम्नलिखित में से कौन–से पल्लव राजा ने चालुक्य राजा पुल्केसिन II को पराजित करके और उनका वध करके 'वातापीकोण्ड' का खिताब हासिल किया?

(a) नरसिंह वर्मन I (b) महेन्द्र वर्मन I
(c) परमेश्वर वर्मन I (d) नन्दी वर्मन I

SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 1.15 pm

Ans : (a) महेन्द्र वर्मन– I के बाद उसका पुत्र नरसिंह वर्मन– I कांची की राजगद्दी पर बैठा। नरसिंह वर्मन– I पल्लव वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली राजा था उसने अपने पिता के पराजय का बदला लिया। उसने पल्लवों की सैन्य शक्ति को पुनः संगठित कर उत्तर दिशा में विजय यात्रा आंरभ की और चालुक्य सम्राट पुलकेशिन– II को 3– युद्धो में (1परिमाल,2शूरमार 3मणिमंगलम) परास्त किया। वातापी जीतने के उपलक्ष्य में वातापीकोण्ड (वातापी का विजेता) एवं महामल्ल। मामल्य की उपाधि अपने नाम के साथ जोड़ ली।

264. शाही चोलाओं के अधीन राजस्व प्रशासन के संबंध में 'शालाभोग' शब्द का क्या अर्थ था?

(a) विद्यालय के रखरखाव के लिए दान की गई भूमि
(b) एक नया बसा हुआ गाँव
(c) किसी योद्धा को दान की गई भूमि
(d) सिंचाई सुविधाओं के रखरखाव के लिए दान की गई भूमि

SSC CPO-SI – 11/12/2019 (Shift-I)

Ans : (a) शाही चोलाओं के अधीन राजस्व प्रशासन के संबंध में 'शालाभोग' शब्द का अर्थ था, किसी विद्यालय के रखरखाव के लिए दान की गई भूमि। चोल वंश के काल में भूमि के प्रकार निम्न थे।

265. श्रीलंका पर विजय प्राप्त करने वाला चोल वंश का सबसे पहला राजा कौन था?

(a) कुलोत्तुंग I (b) राजेन्द्र I
(c) राजेन्द्र II (d) विक्रम चोल

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)

Ans. (b) : राजेन्द्र प्रथम (1015-1044 ई.) चोल वंश का शासक था। इसने संपूर्ण श्रीलंका को जीतकर वहां के शासक महेन्द्र पंचम को बन्दी बनाकर को चोल राज्य लाया। इसने पाल शासक महीपाल को पराजित किया तथा 'गगैंकोण्डचोल' की उपाधि धारण की। इसने कावेरी नदी के किनारे 'गंगैकोण्डचोलपुरम' नामक नयी राजधानी की स्थापना की। राजेन्द्र प्रथम की उपलब्धियों का वर्णन 'तिरुवालगांडु' और 'करंदाई' अभिलेख में मिलता है। श्रीलंका पर विजय प्राप्त करने वाला प्रथम चोल शासक राजराज प्रथम था। उसने उत्तरी श्रीलंका पर अधिकार करके उसका नाम मुम्माडि चोलमंडलम रखा था।

13. सीमावर्ती राजवंश (पाल /सेन/ कश्मीर/कामरूप)

266. भारत के किस क्षेत्र में 'कामरूप' एक प्राचीन नाम है?

(a) बिहार (b) राजस्थान
(c) कर्नाटक (d) असम

SSC CGL 08-09-2016, 10 am

Ans : (d) आधुनिक असम का प्राचीन नाम कामरूप था। कामरूप को प्रागज्योतिषपुर के नाम से भी पुकारा गया है जो कि वर्मन वंश की राजधानी थी।

267. वर्मन राजवंश के भास्करवर्मन ने ..... क्षेत्र पर शासन किया।

(a) कामरूप (b) उज्जैन
(c) वैशाली (d) मगध

SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-II)

Ans. (a) : भास्करवर्मन (600-650) वर्मन वंश से संबद्ध थे और 'कामरूप साम्राज्य' के शासक थे। 'कामरूप' भास्करवर्मन के अधीन भारत के सबसे उन्नत राज्यों में से एक था। कामरूप असम का पहला ऐतिहासिक राज्य था।

268. उस भारतीय राज्य की पहचान करें, जिसे महाकाव्य काल में 'प्राग्ज्योतिषपुर (Pragjyotisha)' के रूप में जाना जाता था?

(a) असम (b) ओड़िशा
(c) बिहार (d) केरल

SSC CHSL 04/08/2021 (Shift-I)

Ans. (a) : असम राज्य को महाभारत (महाकाव्य) काल में प्राग्ज्योतिषपुर के रुप में जाना जाता था। असम को कामरुप के नाम से भी जाना जाता था। वर्तमान में यह पूर्वोत्तर भारत का एक प्रमुख राज्य है।

269. नौवीं शताब्दी में प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी?

(a) सामंत सेन (b) बल्लाल सेन
(c) धर्मपाल (d) गोपाल

SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-II)

Ans. (c) : विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंशी राजा धर्मपाल ने की, यह वर्तमान बिहार के भागलपुर में है। इसके लेखों में इसे 'परमसौगत' कहा गया है। इसकी राजसभा में प्रसिद्ध बौद्ध लेखक 'हरिभद्र' निवास करता था। पालवंश का संस्थापक 'गोपाल' था।

270. नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालयों के संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे?

(a) धर्मपाल (b) मिहिरभोज
(c) गोपाल (d) लक्ष्मण सेन

SSC GD 03/12/2021 (Shift-III)

Ans. (a) : धर्मपाल पाल वंश का शासक था। पाल वंश की स्थापना 750 ई. में गोपाल ने की थी। इस वंश ने बिहार और अखण्डित बंगाल पर लगभग 750 से 1161 ई. तक शासन किया। धर्मपाल गोपाल के बाद शासक बना तथा साम्राज्य विस्तार के साथ-साथ कई विहारों को दान दिया तथा पुनरूद्धार कराया। उसने प्रसिद्ध विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना भागलपुर (बिहार) में किया था तथा नालंदा विश्वविद्यालय का पुनरूद्धार कराया और व्यय के लिये 200 ग्रामों को दान में दिया था।

271. ओदन्तपुरी शिक्षा केन्द्र निम्नलिखित में से किस राज्य में अवस्थित था.....।

(a) बंगाल (b) गुजरात
(c) बिहार (d) तमिलनाडु

SSC JE Civil - 22/01/2018 (Shift-I)

Ans. (c) : ओदन्तपुरी शिक्षा केंन्द्र बिहार में अवस्थित था। गोपाल ने ओदन्तपुरी (बिहार) के प्रसिद्ध बौद्ध मठ का निर्माण करवाया था। ध्यातव्य है कि धर्मपाल एक बौद्ध अनुयायी था। इसे लेखों में 'परमसौगात' कहा गया है। आठवीं सदी के मध्य में बंगाल और बिहार में पाल वंश के संस्थापक गोपाल (750–770 ई.) ने यहाँ एक महाविहार की स्थापना की थी अनुवर्ती पाल राजाओं ने इस विहार तथा महाविद्यालय को दान दिये थे। यह एक महत्वपूर्ण विद्या केन्द्र बन गया था। ओदंतपुरी की समृद्ध काल में यहाँ एक हजार विद्यार्थी शिक्षा पाते थे। दूर–दूर से विद्यार्थीगण शिक्षा पाने के लिए यहाँ रहते थे। यहाँ का सर्वप्रथम विद्यार्थी दीपंकर था, जो बाद में विक्रमशिला महाविद्यालय का प्रधान आचार्य बना और जिसने तिब्बत जाकर वहाँ लामा संस्था की स्थापना की। (धर्मपाल को भी परमसौगात कहा गया है)

272. पाल राजवंश का संस्थापक कौन था?

(a) धर्मपाल (b) महिपाल
(c) गोपाल (d) रामपाल

SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : पाल राजवंश के संस्थापक गोपाल थे। इस राजवंश ने बिहार और बंगाल पर लगभग 750 ई. से 1161 ई. तक शासन किया। वह बंगाल का पहला बौद्ध राजा था और वह बिहार के ओदंतपुरी में एक मठ का निर्माण किया था। उसका उत्तराधिकारी धर्मपाल ने अपने शासन काल में सम्राज्य का विस्तार किया और कुछ समय तक कनौज, उत्तर प्रदेश तथा उत्तर भारत पर भी उसका नियंत्रण रहा।

273. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना एक पाल राजा ..... की गई थी।

(a) राजेन्द्र चोल (b) पुलकेशिन
(c) मिहिर भोज (d) धर्मपाल

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : विक्रमशिला प्राचीन भारत का एक प्रमुख उच्च शिक्षा का केन्द्र था। यह शिक्षा केन्द्र उत्तरी मगध (वर्तमान में बिहार के भागलपुर जिले) में स्थित है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंश के प्रसिद्ध सम्राट धर्मपाल ने 8वीं शताब्दी में की थी। यहाँ पर बौद्ध धर्म एवं दर्शन के अतिरिक्त न्याय, तत्व, ज्ञान एवं व्याकरण का भी अध्ययन कराया जाता था।

274. पाल साम्राज्य का प्रथम शासक कौन था?

(a) गोपाल (b) विवयनाथन
(c) धर्मपाल (d) भास्करन

(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 1.15 pm)

Ans : (a) पाल वंश का संस्थापक गोपाल था। इसने मुंगेर को अपनी राजधानी बनाया। गोपाल बौद्ध अनुयायी था। इसने ओदन्तपुरी मठ की स्थापना की। पाल वंश के महान शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। कन्नौज के लिए त्रिपक्षीय संघर्ष पाल वंश, गुर्जर प्रतिहार वंश एवं राष्ट्रकूट वंश के बीच हुआ। इसमें पाल वंश की ओर से सर्वप्रथम धर्मपाल शामिल हुआ था। गौड़ीरीति नामक साहित्यिक विद्या का विकास पाल शासकों के समय हुआ था।

275. विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना ———— ने की थी।

(a) बिम्बिसार (b) अशोक
(c) धर्मपाल (d) चंद्रगुप्त-I

SSC CHSL (Tier-I) –08/07/2019 (Shift-I)

Ans. (c) : विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल वंश के महान शासक धर्मपाल ने की थी। यह विश्वविद्यालय बिहार राज्य के भागलपुर जिले में स्थित है। पाल वंश का संस्थापक गोपाल था। प्राचीन काल में बौद्ध शिक्षा के प्रमुख केन्द्र थे- नालंदा, वल्लभी, विक्रमशिला। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमार गुप्त-I ने की थी।

14. राजपूत काल (Rajput Period)

276. चंदेल राजवंश के किस राजा ने कंदरिया महादेव का निर्माण करवाया था?

(a) यशोवर्मन (b) विजयपाल
(c) विद्याधर (d) धंगदेव

SSC GD 22/11/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : शिव की स्तुति में बनाए गए कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण चंदेल राजवंश के राजा धंगदेव द्वारा 999 ई. में किया गया था।

277. किस राजवंश ने कन्नौज (कान्यकुब्ज) को अपनी राजधानी बनाया?

(a) सेन राजवंश (b) पाल राजवंश
(c) प्रतिहार राजवंश (d) चोल राजवंश

SSC CHSL 15/04/2021 (Shift-II)

Ans. (c) अग्निकुल के राजपूतों में सर्वाधिक प्रसिद्ध प्रतिहार वंश था जो गुर्जरों की शाखा से सम्बन्धित होने के कारण इतिहास में गुर्जर-प्रतिहार कहा जाता है। इस वंश के शासकों के क्रम में वत्सराज के पश्चात उनके पुत्र नागभट्ट द्वितीय (800-833 ई.) राजा हुआ। ग्वालियर लेख में इनकी उपलब्धियों का वर्णन मिलता है। उन्होंने कन्नौज पर आक्रमण कर वहाँ के शासक चक्रायुध को पराजित कर कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया। गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम (730-756 ई.) था।

278. जब हार निश्चित हो जाती थी, तो ——— पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके।

(a) मराठा (b) सिख
(c) मुगल (d) राजपूत

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (d) : शाका और जौहर प्रथाएँ राजपूतों में प्रचलित थीं। शाका अनुष्ठान पुरुषों और जौहर अनुष्ठान राजपूत महिलाओं द्वारा किया जाता था। जब हार निश्चित हो जाती थी, तो राजपूत पुरुषों को 'शाका' (या 'शक') नामक एक अनुष्ठान करना होता था, जो कि उनकी अंतिम लड़ाई थी जिससे वे वापस नहीं आ सके। यह जौहर होने के एक दिन बाद किया जाता था जिसमें योद्धा केसरिया रंग की पगड़ी पहनकर मैदान में उतरते थे जो भारतीय संस्कृति में बलिदान का प्रतीक है।

279. _____ शासकों ने खजुराहो में अपनी धार्मिक राजधानी स्थापित की थी।

(a) चोल (b) चंदेल
(c) मौर्य (d) गुप्त

SSC CGL (Tier-I) – 19/06/2019 (Shift-III)

Ans. (b) : चन्देल शासकों ने खजुराहो में अपनी धार्मिक राजधानी स्थापित की थी। चन्देल वंश के शासकों का बुन्देलखण्ड (पूर्वनाम-जेजाकभुक्ति) के इतिहास में विशेष योगदान है क्योंकि चंदेलों का उदय बुन्देलखण्ड क्षेत्र में ही हुआ था। प्रारंभ में इनकी राजधानी कालिंजर (महोबा) थी। राजा धंग ने अपनी राजधानी कालिंजर से खजुराहो में स्थानान्तरित की थी।

280. निम्न में से कौन, मारवाड़ के राजपूत साम्राज्य से संबंध नहीं रखता था?

(a) राणा कुंभा (b) मालदेव
(c) राव चंदा (d) राव जोधा

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I)

Ans. : (a) जोधपुर रियासत जिसे मारवाड़ रियासत के नाम से भी जाना जाता था। वर्ष 1250 से लेकर 1949 तक अस्तित्व में रही। लगभग 90554 किमी.^{2} में फैली यह राजपूतों की सबसे बड़ी रियासत थी। इस रियासत के संस्थापक एवं प्रथम शासक राव-जोधा थे। शासक राव भालदेव ने शेरशाह सूरी के आक्रमण को विफल किया था। राव चन्द्र सेन ने मुगलों के साथ युद्ध में इस रियासत का अधिकांश क्षेत्र खो दिया था। जबकि महाराणा कुम्भा सन् 1433 से 1468 तक मेवाड़ रियासत के शासक थे। महाराणा कुंभा को चित्तौड़ दुर्ग का आधुनिक निर्माता कहा जाता है। 1303 में अलाउद्दीन के विरूद्ध राजपूतों ने प्रथम शाका किया था तथा राजपूत रानियों ने रानी पद्मिनी के साथ जौहर किया था।

281. निम्नलिखित में से किस प्रतिहार शासक ने वर्तमान भोपाल शहर बसाया था?

(a) विजयसेन (b) मिहिर भोज
(c) राज्यपाल (d) महेंद्र भोज

SSC CHSL (Tier-I) –08/07/2019 (Shift-I)

Ans. (b) : मिहिर भोज प्रतिहार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रतापी राजा था। इसने वर्तमान भोपाल शहर बसाया था। प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम था। मिहिर भोज ने 49 वर्षों तक (836 ई. से 885 ई.) तक शासन किया। यह भगवान विष्णु का उपासक था। प्रतिहार वंश का अन्तिम शासक यशपाल था।

282. पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गौरी को युद्ध में वर्ष —— में हराया परन्तु अगले वर्ष उसके घर गया।

(a) 1176 (b) 1191
(c) 1163 (d) 1182

SSC CHSL 26/10/2020 (Shift-I)

Ans. (b) : शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी 1173 ई. में गौर का शासक नियुक्त किया गया। वर्ष 1175 में उसने भारत पर प्रथम आक्रमण (मुल्तान) किया तथा 1189 ई. में भटिंडा का किला जीत लिया। इसी किले को लेकर पृथ्वीराज चौहान एवं मोहम्मद गोरी के मध्य 1191 ई. में तराइन का प्रथम युद्ध लड़ा गया जिसमें गोरी की पराजय हुयी। गोरी ने पुनः 1192 ई. में भटिंडा पर आक्रमण किया तथा पृथ्वीराज और उसके मध्य युद्ध हुआ जिसे तराइन का द्वितीय युद्ध कहा गया। इस युद्ध में पृथ्वीराज की हार हुयी तथा सुरसती नदी के किनारे उसे पकड़ लिया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

283. निम्नलिखित में से कौन पृथ्वीराज चौहान का दरबारी कवि था?

(a) भगवान दास (b) चंदबरदाई
(c) बिल्हण (d) आसंग

SSC JE Mechanical - 25/09/2019 (Shift-II)

Ans. (b) : चंदबरदाई दिल्ली के हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के मित्र, सखा तथा राजकवि और हिन्दी के आदि महाकवि थे। चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का सम्मान प्राप्त है। पृथ्वीराज रासो की रचना पृथ्वीराज के युद्ध वर्णन के लिए हुई है। इसमें उनके वीरतापूर्ण युद्धों और प्रेम प्रसंगों का वर्णन है।

284. निम्नलिखित में से कौन प्रतिहर वंश के महानतम शासक थे?

(a) नागभट्ट (b) रामभद्र
(c) मिहिर भोज (d) सामंतसेन

SSC MTS 09/08/2019 (Shift-II)

Ans. (c) : मिहिर भोज या भोज प्रथम (836-885) का शासनकाल प्रतिहार साम्राज्य के लिये स्वर्णकाल माना गया है। मिहिरभोज वैष्णव धर्मानुयायी था। उसने आदिवाराह तथा प्रभास जैसी उपाधियां धारण की जो उसके द्वारा चलाये गये चाँदी के 'द्रम्म' सिक्कों पर भी अंकित है। परमार शासक भोज की मृत्यु पर कहा जाता है अद्यधारा निराधारा निरालम्बा सरस्वती पंडिता खण्डिता सर्वे, भोज राजे दिवंगते।

285. मिहिर भोज ..... का शासक था।

(a) राष्ट्रकूट (b) चोल
(c) प्रतिहार (d) चालुक्य

SSC CGL (Tier-I) – 04/06/2019 (Shift-III)

Ans. (c) : 'मिहिरभोज' गुर्जर प्रतिहार वंश का सर्वाधिक प्रतापी एवं महान शासक था। उसने 836 से 885 तक 49वर्ष तक शासन किया। मिहिर भोज विष्णु भगवान के भक्त थे तथा कुछ सिक्कों पर 'आदिवाराह' अंकित है।

286. पृथ्वीराज चौहान ने.....से विवाह किया था, वह उसके शत्रु जयचन्द गहडवाल की बेटी थी।

(a) कृष्णावती (b) पूर्ववती
(c) संयुक्ता (d) सौम्यवती

(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)

Ans : (c) पृथ्वीराज चौहान ने अपने शत्रु जयचंद गहड़वाल की पुत्री संयोगिता (संयुक्ता) का उसके स्वयंवर से अपहरण करके उससे विवाह किया। इसके पश्चात पृथ्वीराज ने मुहम्मद गोरी को युद्ध में परास्त किया। इस घटना का वर्णन पृथ्वीराज के दरबारी कवि चंदबरदाई की रचना 'पृथ्वीराज रासो' में मिलता है।

287. पृथ्वीराज चौहान के पिता कौन थे?

(a) जीत चौहान (b) हयात चौहान
(c) सोमेश्वर चौहान (d) त्रिलोक चौहान

(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 1.15 pm)

Ans : (c) पृथ्वीराज चौहान के पिता का नाम सोमेश्वर चौहान था। ये चौहान वंश के हिन्दू शासक थे, जिन्होंने 12वीं सदी के उत्तरार्द्ध में अजमेर एवं दिल्ली पर शासन किया था। पृथ्वीराज चौहान का जन्म अजमेर राज्य में हुआ था।

288. 1192 में सुल्तान मुहम्मद गोरी को हराने वाले पृथ्वीराज तृतीय _____ वंश के राजा थे–

(a) चेदि (b) गहड़वाल
(c) चाहमान (d) गंगा

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

289. उस कवि का नाम बताइए जिसने ''पृथ्वीराज रासो'' नामक एक कविता लिखी थी, जिसमें पृथ्वीराज चौहान के जीवन का वर्णन है।

(a) वीर सिरोजा (b) चंद बरदाई
(c) मिर्जा उमेद (d) नूर फतेह

(SSC 10+2 CHSL 08.01.17, 10 am)

Ans : (b) 'पृथ्वीराज रासो' की रचना पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि चन्दबरदाई द्वारा की गयी थी। इसमे पृथ्वीराज चौहान के जीवन-चरित्र का वर्णन किया गया है। इसमें पृथ्वीराज एवं उनकी प्रेमिका संयोगिता के परिणय का वर्णन भी है।
अन्य महत्वपूर्ण तथ्य-
- पृथ्वी राज तृतीय को कथाओं में 'रायपिथौरा' भी कहा गया है।
- जयानक ने 'पृथ्वीराज विजय' नामक संस्कृत काव्य की रचना की

290. कौन से दो प्रमुख शहर चाहमानों के नियंत्रण में थे।

(a) दिल्ली तथा अजमेर (b) लाहौर तथा अमृतसर
(c) अलवर तथा उज्जैन (d) पानीपत तथा कुरुक्षेत्र

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)

Ans. (a) : दिल्ली तथा अजमेर दोनों शहर चाहमानों/चौहान वंश के नियंत्रण में था। 9वीं सदी के मध्य विग्रहराज (वीसलदेव) ने तोमर वंशी शासक से दिल्ली जीत ली। जिससे ये दोनों शहर चाहमानों के नियंत्रण में आ गया। पृथ्वीराज–III इस वंश का अंतिम शक्तिशाली शासक था।

291. 1191 ई. में सुल्तान मोहम्मद गोरी को पराजित करने वाले सबसे प्रसिद्ध चहवान या चौहान शासक कौन थे?

(a) अजयराज (b) अर्णोराज
(c) पृथ्वीराज III (d) विग्रहराज

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-I)

Ans : (c) पृथ्वीराज III, पृथ्वीराज चौहान के रूप में विख्यात थे वह (सन् 1178-1192) चौहान वंश के हिन्दू क्षत्रिय राजा थे,जो उत्तर भारत में 12वीं सदी के उत्तरार्ध में अजमेर और दिल्ली पर राज्य करते थे। पृथ्वीराज तृतीय ने वर्ष 1191 ई. में तराईन की प्रथम लड़ाई में मोहम्मद गोरी को पराजित किया तथा इसके एक वर्ष पश्चात 1192 ई. में तराईन की द्वितीय लड़ाई में मोहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित किया।

292. मोहम्मद गौरी को 1191 में एक— शासक ने हराया था।

(a) गाहड़वाल (b) चालुक्य
(c) चौहान (d) मौर्य

SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-II)

Ans. (c) : 1191 ई. में पृथ्वीराज चौहान और मुहम्मद गोरी के साथ तराईन का प्रथम युद्ध हुआ जिसमें मुहम्मद गोरी की पराजय हुई। पृथ्वी राज चौहान वर्तमान उत्तर-पश्चिम भारत में पारंपरिक चौहान क्षेत्र सपादलक्ष पर शासन किया।

293. तराइन का युद्ध..... वर्ष में लड़ा गया था?

(a) 1526 (b) 1757
(c) 1191 (d) 1857

(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 4.15 pm)

Ans : (c) तराइन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में 'तराइन' के मैदान में लड़ा गया था यह युद्ध हिन्दू राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान और भारत पर हमला करने वाले मुस्लिम आक्रमणकारी शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी के मध्य हुआ इस युद्ध में मुहम्मद गोरी की करारी हार हुई और उसकी सेना भाग खड़ी हुई। गोरी स्वयं बुरी तरह घायल हो गया और उसे अपनी जान बचाकर भागना पड़ा।
1526 में बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था।
1757 में प्लासी का युद्ध अंग्रेजो और बंगाल के नबाब के बीच हुआ था
1857 प्रथम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम

294. तराईन का युद्ध पृथ्वीराज चौहान और..... के बीच लड़ा गया था।

(a) महमूद गजनबी (b) मुहम्मद गोरी
(c) बाबर (d) हुमायूँ

(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 10 am)

Ans : (b) तराइन का युद्ध मोहम्मद गोरी तथा दिल्ली शासक पृथ्वी राज तृतीय के बीच हुआ था तराइन में 1191 और 1192 में दो युद्ध हुए पहले युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गोरी को परास्त किया जबकि दूसरे युद्ध में गोरी ने पृथ्वीराज को हराकर बंदी बना लिया था। यह युद्ध क्षेत्र वर्तमान में हरियाणा के करनाल जिले में स्थित है।

15. अरबों का आक्रमण (Arab's Invasion)

295. 711-12 ई. में भारत पर हुए अरब आक्रमण का नेतृत्व ——— ने किया था।

(a) मुहम्मद बख्तियार खिलजी
(b) मुहम्मद बिन कासिम
(c) मुहम्मद शायबानी खान
(d) नसीर-उद-दीन मुहम्मद शाह

SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (b) : 711-12 ई. में सिंधु नदी सहित भारत के क्षेत्रों पर आक्रमण करने वाला पहला मुस्लिम शासक मोहम्मद-बिन-कासिम था। जब मोहम्मद-बिन-कासिम ने सिंध पर आक्रमण किया था, तब वह भारत का एक क्षेत्र था, जो अब पाकिस्तान में है। मोहम्मद-बिन-कासिम अल हज्जाज का एक सेनापति था। अरब राजवंश ने सिंध और पंजाब क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की थी।

296. प्राचीन समय में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा कई बार लूटा गया ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर, निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(a) महाराष्ट्र (b) हरियाणा
(c) गुजरात (d) पंजाब

SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II

Ans. (c) : गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र के वेरावल में स्थित सोमनाथ मन्दिर (देव पाटन के नाम से भी जाना जाता है) शिव के बारह ज्योतिर्लिंग मन्दिरों में से पहला माना जाता है। ऋग्वेद के अनुसार इस मन्दिर का निर्माण राजा चन्द्रदेव ने करवाया था। प्राचीन समय में इस मन्दिर पर कई बार आक्रमण (लूटा) किये गये, जिसमें 1025 में महमूद गजनी द्वारा किया गया आक्रमण विख्यात है। ऐसा माना जाता है कि इस मन्दिर को 17 बार लूटा गया और नष्ट किया गया।

297. 711 इस्वी में, अरब सेनापति _____ ने सिंध पर विजय प्राप्त की थी, जो खलीफा के क्षेत्र का एक हिस्सा बना गया।

(a) कुतुब-उद्-दीन ऐबक
(b) मुहम्मद-बिन-तुगलक
(c) मुहम्मद बिन कासिम
(d) मुहम्मद गोरी

SSC CHSL 09/08/2021 (Shift-III)

Ans. (c) : अरबों के भारत पर हमले के प्रथम प्रमाण 636-37 ई. के आसपास मिलते है, लेकिन इन हमलो का उद्देश्य सिर्फ लूटमार करने तक ही सीमित था, न कि राज्य विस्तार करना। 711-12 ई. में अरबो ने मुहम्मद बिन- कासिम के नेतृत्व में सिंध पर आक्रमण किया। मुहम्मद बिन कासिम ने 'रावर' के युद्ध में राजा दाहिर को पराजित करने के बाद तत्कालीन सिंध की राजधानी आलोर पर कब्जा कर लिया।

298. चंदावर की लड़ाई मोहम्मद गोरी और ——— वंश के कन्नौज के जयचंद के बीच हुई थी।

(a) चौहान (b) गुप्त
(c) बैक्ट्रियन (d) गहड़वाल

SSC GD 06/12/2021 (Shift-II)

Ans. (d) : चंदावर का युद्ध मुहम्मद गौरी और गहड़वाल वंश के कन्नौज के राजा जयचन्द के बीच हुआ था। 1194 ई में मुहम्मद गोरी कन्नौज के शासक जयचंद पर आक्रमण करने के लिए भारत आया, उत्तर-भारत में कन्नौज का राज्य बहुत शक्तिशाली माना जाता था। राजा जयचन्द की पृथ्वीराज से शत्रुता थी। इस कारण उसने गोरी के विरुद्ध पृथ्वीराज को सहायता नहीं दी थी। इस अवसर पर उसे भी गोरी से अकेले युद्ध करना पड़ा। अतः इस युद्ध में जयचंद की पराजय हुई।

299. निम्नलिखित में से किस राजपूत शासक ने 1191 ई. में तराइन के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गोरी को हराया था?

(a) मालदेव राठौर (b) बप्पा रावल
(c) राणा कुंभा (d) पृथ्वीराज चौहान

SSC CGL (Tier-I) 11/04/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : पृथ्वीराज चौहान ने 1191 ई. में तराइन के प्रथम युद्ध में मुहम्मद गोरी को हराया था।

300. तराइन के युद्ध 1192 में, पृथ्वीराज चौहान को ——— के हाथों हार मिली/से पराजित हुए :

(a) मुहम्मद गोरी (b) हरून अल रशीद
(c) अबु बकर (d) उमर द्वितीय

SSC GD 11/02/2019 (Shift-II)

Ans. (a) : गौर महमूद गजनी के आधीन एक छोटा सा राज्य था। 1173 ई. में शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी, गौर का शासक बना। इसने भारत पर पहला आक्रमण 1175 ई. में सुल्तान के विरूद्ध किया था। तराइन का प्रथम युद्ध मुहम्मद गोरी और पृथ्वीराज तृतीय के बीच 1191 ई. में हुआ इस युद्ध में पृथ्वीराज तृतीय विजयी हुआ। तराइन के द्वितीय युद्ध 1192 ई. में मुहम्मद गोरी ने पृथ्वी राज चौहान तृतीय को पराजित किया। पृथ्वीराज तृतीय की हार से मुहम्मद गोरी का दिल्ली, कन्नौज, अजमेर, पंजाब पर अधिकार हो गया। भारत में इस्लामी राज्य की स्थापना हुयी और अपने योग्य सेनापति कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत का गर्वनर बना कर गोरी वापस चला गया।

301. उपमहाद्वीप का लेख लिखने का कार्य गज़नी के सुल्तान महमूद गज़नवी द्वारा किस विद्वान को सौंपा गया था?

(a) मलिक जायसी (b) अलबरुनी
(c) अमीर खुसरो (d) शाह लतीफ

SSC MTS 10-10-2017 (Shift-III)

Ans. (b) : महमूद गजनवी, गजनी (अफगानिस्तान) का शासक था। इसने 998 AD से 1030 AD तक शासन किया। भारत की धन-संपत्ति से आकर्षित होकर इसने भारत पर 17 बार आक्रमण किया। इसने 'उपमहाद्वीप का लेख' लिखने का कार्य अलबरूनी को सौंपा।

302. उज़बेकिस्तान से अल-बिरूनी किस शताब्दी में भारत आया था?

(a) ग्यारहवीं शताब्दी (b) चौदहवीं शताब्दी
(c) सातवीं शताब्दी (d) सत्रहवीं शताब्दी

SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)

Ans : (a) अल-बिरूनी ग्यारहवीं शताब्दी में महमूद गजनवी के आक्रमण (भारत पर) के अवसर पर उसके साथ भारत आया। उसके द्वारा भारत विवरण 'तहकीक-ए-हिन्द' में प्राप्त होता है। यह पुस्तक 80 अध्यायों में विभाजित है, जिसमें भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विवरणों के साथ इसकी प्राकृतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों का वृहद विवरण दिया गया है। इसके अतिरिक्त उसने भगवतगीता, वेदों, उपनिषदों, पतंजलि के योग शास्त्र आदि के विषय में भी लिखा।

303. निम्नलिखित में से किस शासक ने 1178 में मुहम्मद गोरी को हराया था?

(a) भोज (b) भीम द्वितीय
(c) भामा प्रथम (d) पृथ्वीराज तृतीय

SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-II)

Ans. (b) : भीम-II ने 1178 में मुहम्मद गोरी को हराया था। 1178 ई. में मुहम्मद गोरी ने गुजरात पर आक्रमण किया किन्तु भीम-II ने अपनी योग्यता एवं साहसी विधवा माँ नाइका देवी के नेतृत्व में आबू पर्वत के निकट गोरी का मुकाबला किया और उसे परास्त किया और यह गोरी की भारत में पहली पराजय थी।

304. महमूद गजनवी ने पहली बार भारत पर कब आक्रमण किया था?

(a) 1001 ईस्वी (b) 1003 ईस्वी
(c) 1192 ईस्वी (d) 1112 ईस्वी

SSC JE Mechanical 27.10.2020 (Shift-II)

Ans. (a) : महमूद गजनवी (998-1030) मध्य अफगानिस्तान में केन्द्रित गजनवी वंश का महत्वपूर्ण शासक था, जो पूर्वी ईरान में साम्राज्य विस्तार के लिए जाना जाता है। 998 ई. में जब महमूद गजनवी सिंहासन पर बैठा, तो उसने प्रत्येक वर्ष भारत पर आक्रमण करने की प्रतिज्ञा की। इतिहासकार हेनरी इलियट ने महमूद गजनवी के 17 आक्रमणों का वर्णन किया है। महमूद गजनवी का भारत पर प्रथम आक्रमण 1001 ई. में हिन्दूशाही शासक जयपाल पर हुआ। जिसमें महमूद गजनवी को विजय प्राप्त हुई। महमूद का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर हुआ था।

305. चन्दावर के युद्ध में मुहम्मद गोरी द्वारा निम्नलिखित में से किस राजा को पराजित किया गया था?

(a) पृथ्वीराज चौहान (b) जय चन्द
(c) भीम II (d) कुमारपाल

SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-II)